बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

(कक्षा 12)

इतिहास

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

संगीता मानवी

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉर्डिनेटर, शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्ता टीम : इतिहास

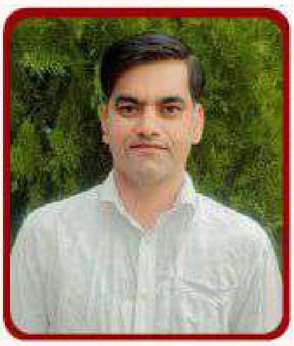

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन - 100

सुभाष सिंह बिजारणियां

रा. उ. मा. वि. मंढा मदनी
(सीकर)

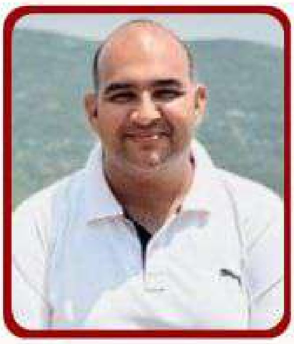

साकेत कुमार दुलड़

रा. उ. मा. वि. भारु
(झुंझुनूं)

सुभाष मील

रा. उ. मा. वि. दादिया
(सीकर)

राजेंद्र घठाला

रा.उ.मा.वि. तपीपल्या
(सीकर)

सुनील चाहर

शहीद भागीरथ सिंह
रा.उ.मा.वि., जाजोद
(लक्ष्मणगढ़)

सोनाली चौधरी

रा.उ.मा.वि.
कालेरा का बास,
जैतपुरा (झुंझुनूं)

विकास आर्य

रा.उ.मा.वि.
बजावा सूरों का
(झुंझुनूं)

कुलदीप फेंनिन

शहीद राइफलमैन
इंद्रसिंह रा.उ.मा.वि.
बम्बू (चूरू)

सुरेश कुमार निठारवाल

पीएम श्री रा.उ.मा.वि
खादूश्यामजी (सीकर)

प्रश्न–पत्र की योजना 2025–2026

कक्षा – 12th
विषय –इतिहास
अवधि –3 घण्टे 15 मिनट   पूर्णांक–80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	24	30
2.	अवबोध	24	30
3.	ज्ञानोपयोग	16	20
4.	कौशल	8	10
5.	विश्लेषण	8	10
	योग	80	100%

2. प्रश्नों के प्रकार अनुसार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	18	1	18	22.5	33.96	24
2.	रिक्त स्थान	6	1	6	7.5	11.32	6
3.	अतिलघुत्तरात्मक	12	1	12	15.0	22.64	24
4.	लघुत्तरात्मक	10	2	20	25.0	18.87	50
5.	दीर्घउत्तरीय	4	3	12	15.0	7.55	40
6.	निबंधात्मक	3	4	12	15.0	5.66	51
	योग	53		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	ईंट, मनके तथा अस्थियां	7	8.75
2	राजा, किसान और नगर	6	7.50
3	बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग	6	7.50
4	विचारक, विश्वास और इमारतें	7	8.75
5	यात्रियों के नजरिए	6	7.50
6	भक्ति सूफी परम्पराएँ	7	8.75
7	एक साम्राज्य की राजधानर : विजयनगर	6	7.50
8	किसान, जमीदार और राज्य	6	7.50
9	उपनिवेशवाद और देहात	6	7.50
10	विद्रोही और राज	6	7.50
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन	7	8.75
12	संविधान का निर्माण	6	7.50
13	मनचित्र कार्य	4	5.00

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2025–2026

कक्षा –12 th　　　विषय :–इतिहास　　　समय :–3 घण्टे 15 मिनट　　　पूर्णांक–80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	ईट, मनके तथा अस्थियां		1(1)																4(1)*									2(1)				7(3)
2	राजा, किसान और नगर	1(1)		1(1)				1(1)		1(1)							2(1)															6(5)
3	बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग	1(1)	1(1)					1(1)		1(1)							2(1)															6(5)
4	विचारक, विश्वास और इमारतें	1(1)		1(1)	2(1)													3(1)*														7(4)
5	यात्रियों के नजरिए	1(1)						1(1)	1(1)	1(1)							2(1)															6(5)
6	भक्ति सूफी परम्पराएँ	1(1)	1(1)					1(1)																							4(1)*	7(4)
7	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर							1(1)	1(1)	1(1)				1(1)															2(1)			6(5)
8	किसान, जमींदार और राज्य	1(1)		1(1)				1(1)				3(1)*																				6(4)
9	उपनिवेशवाद और देहात	1(1)		1(1)				1(1)		1(1)							2(1)															6(5)
10	विद्रोही और राज	1(1)		1(1)				1(1)	1(1)														2(1)									6(5)
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन				2(1)	3(1)*		1(1)		1(1)																						7(4)
12	संविधान का निर्माण			1(1)								3(1)*											2(1)									6(3)
13	मनचित्र कार्य																								4(1)*							4(1)
	योग	8(8)	3(3)	6(6)	4(2)	3(1)		9(9)	3(3)	6(6)		6(2)		1(1)			8(4)	3(1)	4(1)				4(2)		4(1)			2(1)	2(1)		4(1)	80(53)
	सर्वयोग	24 (20)						24 (20)						16 (7)						8(3)						8 (3)						80(53)

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोट:–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

विशेष :– उक्त ब्ल्यू प्रिन्ट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों को समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल प्रश्न पत्र का ब्ल्यू प्रिन्ट भिन्न हो सकता है।

BSER

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट PDF डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान
बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

SHEKHAWATI MISSION-100 : 2025-26

अध्याय – 1
ईंटे, मनके तथा अस्थियां – हड़प्पा सभ्यता
(अंक भार – 7)

रिक्त स्थान प्रश्नः –

1. बाजरे के दाने ....के स्थलों से प्राप्त हुए है।

उत्तर– गुजरात

2. जलाशयों के प्रमाण .... मिले है।

उत्तर– धौलावीरा से

3. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल ....थे।

उत्तर– अलैक्जेंडर कनिंघम

4. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट .... पुरावस्तु है।

उत्तरा– मुहर

5. मिट्टी से बना हल का प्रतिरूप .... से मिला है।

उत्तर– बनावली

6. घिसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाया पदार्थ .... कहलाता है।

उत्तर– फयॉन्स

7. शंख के प्रमाण .... से मिले है।

उत्तर – नागेश्वर व बालाकोट

8. कांसे की नर्तकी .... से मिली है।

उत्तर – मोहनजोदड़ो

9. .... क्षेत्र को गणेश्वर–जोधपुर संस्कृति नाम दिया है।

उत्तर– खेतड़ी

10. जुते हुए खेत के साक्ष्य .... से मिले है।

उत्तर– कालीबंगा

11. विशाल स्नानागार .... स्थित है।

उत्तर– मोहनजोदड़ों में

12. चन्हूदड़ो .... के निर्माण के लिए प्रसिद्ध था।

उत्तर– मनकों

13. मोहनजोदड़ो नगर .... भागों में विभाजित था।

उत्तर– दो

14. हड़प्पा सभ्यता में बाट .... पत्थर से बनाये जाते थे।

उत्तर– चर्ट

15. हड़प्पाई मर्तबान .... से मिला है।

उत्तर– ओमान

16. हड़प्पा निवासी ताँबा .... से मँगवाते थे।

उत्तर– खेतड़ी

17. बाटो के निचले मानदंड .... पद्धति पर आधारित थे।

उत्तर– द्विआधारी

18. मेसोपोटामिया के लेख में 'नाविको का देश' .... कहा जाता है।

उत्तर– मेलुहा

19. .... से नहरों के अवशेष मिले है।

उत्तर– शोर्तुघई

20. मुहरों का निर्माण .... पत्थर से बनाई गई है।

उत्तर– सेलखड़ी

21. आद्य शिव मोहर .... पुरास्थल से प्राप्त हुई है।

उत्तर – हड़प्पा से

22. सिंधुघाटी सभ्यता की खोज .... ने .... में की ।

उत्तर– दयाराम साहनी, 1921

23. राखलदास बनर्जी ने .... पुरास्थल की खोज .... में की है।

उत्तर– मोहनजोदड़ो, 1922

24. सिंधु सभ्यता में सड़के एवं गलियों को .... पद्धति से बनाया गया।

उतर– ग्रिड

25. हड़प्पा सभ्यता शहरों की सबसे अनूठी .... विशेषता थी।

उत्तर– नियोजित जल प्रणाली

26. मेलुहा का हाजी पक्षी .... था।

उत्तर– मोर

27. मेसोपोटामिया के लेख में दिलमुन शब्द .... प्रयुक्त हुआ है

उत्तर– बहरीन द्वीप के लिए

28. पुरन्दर .... कहा गया है?

उत्तर– इन्द्र को

29. शिल्प उत्पादन में संलग्न बस्ती .... थी।

उत्तर– चन्हुदड़ो

शेखावाटी मिशन–100

30. पुरोहित राजा की मुर्ति .... से प्राप्त हुई है।

उत्तर– मोहनजोदड़ो

31. अनाज के दानों से ....के संकेत मिलते है।

उत्तर– कृषि

32. हड़प्पा सभ्यता में बाट का ऊपरी मानदंड .... प्रणाली का अनुसरण करते थे?

उत्तर– दशमलव

33. सिंधु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा.............. में .... ने की ?

उत्तर– 1924, जॉन मार्शल

34. .... वे महिला व पुरुष जो इलाज करने की शक्ति व दुनिया से सम्पर्क साधने का दावा करते है।

उत्तर– शमन

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. हड़प्पा सभ्यता में सिंचाई के लिए प्रमुख स्रोता थे ?

उत्तर– (i) नहर – शोर्तुघई (ii) जलाशय – धोलावीरा

(iii) कुएँ

2. मोहनजोदड़ों के दुर्ग में कौनसी संरचनाओं के साक्ष्य मिले है?

उत्तर– (i) मालगोदाम – नीचला हिस्सा ईट से तथा ऊपरी हिस्सा लकड़ी से निर्मित है।

(ii) विशाल स्नानागार

3. चन्हुदड़ों में शिल्प कार्यों में क्या–क्या सम्मिलित था ?

उत्तर– (i) शंख की कटाई (ii) मुहर निर्माण

(iii) बाट निर्माण

4. बाट की दो विशेषता बताईए।

उत्तर– (i) चर्ट पत्थर से निर्मित घनाकार आकृति के

(ii) निचला मापदंड द्विआधारी (1,2,4,8,16,32....इत्यादि)

(iii) ऊपरी मापदंड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे।

5. मनकों के निर्माण में किन पदार्थों का प्रयोग किया जाता था ?

उत्तर– कार्नीलियन, जैस्पर, स्फटिक, सेलखड़ी, सोना, ताँबा

6. हड़प्पा सभ्यता के गृह स्थापत्य की दो विशेषता बताईए

उत्तर– (i) आवासीय भवन एक आँगन पर केन्द्रित थे।

(ii) प्रत्येक घर का ईटो के फर्श से बना अपना एक स्नानघर होता था।

7. हडप्पाकालीन कृषि प्रौधोगिकी की कोई दो विशेषता बताईए।

उत्तर– (i) खेत जोतने के लिए बैलों व हलों का प्रयोग

(ii) धातु के औजारों का प्रयोग

(iii) लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों का प्रयोग

8. पुरातत्वविदों के द्वारा खोली गई विलासिता वास्तुओं में नाम लिखिए।

उत्तर– (i) फयॉन्स के छोटे पात्र

(ii) सोने, चाँदी, बहुमूल्य पत्थरों के बने हुए आभूषण

9. हड़प्पा सभ्यता में मनके बनाने के दो प्रमुख स्थानों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– (i) चन्हुदड़ो (ii) लोथल

10. कालीबंगा से प्राप्त साक्ष्यों के नाम लिखिए।

(i) जुते हुए खेत का साक्ष्य (ii) अग्निवेदिकाएं

11. हड़प्पावासी किन वस्तुओं को सुदूर क्षेत्रों से मँगवाते थे?

उत्तर– ताँबा – ओमान, लाजवर्द – अफगानिस्तान

कार्नीलियन – भडौंच, सोना – कोलार, ईरान

12. शवाधान प्रक्रिया में मृतकों के साथ कौनसी वस्तुएं दफनाई जाती थी?

उत्तर– मृदभाण्ड, शंख के छल्ले, ताँबे के दर्पण

13. हड़प्पावासी के निर्वाह के तरीके बताइए ।

उत्तर– (i) गेहूं, जौ, बाजरा, चावल, तिल, चना का सेवन

(ii) भेड़, बकरी, भैंस, सुअर के मांस का सेवन

14. ''हड़प्पा लिपि रहस्यमयी लिपि थी'' कैसे?

उत्तर– (i) दायी ओर से बायी ओर लिखी जाती थी।

(ii) वर्णमाला नहीं थी।

(iii) 375 से 400 के बीच चिह्न मिले है।

15. शिल्प उत्पादन केन्द्रों की पहचान के लिए पुरातत्वविद क्या ढूँढते थे?

उत्तर– प्रस्तर पिंड, कच्चा माल, औजार, त्याग दिया गया माल तथा कूड़ा – करकट ।

16. मोहनजोदड़ो नगर किन दो भागों में विभाजित था?

उत्तर– (i) दुर्ग– छोटा भांग, जो ऊँचाई पर बनाया गया था।।

(ii) निचला शहर – बड़ा भाग, जो निचे बनाया गया था।

17. हड़प्पा सभ्यता के दो पतन के कारण लिखिए।

उत्तर– (i) जलवायु परिवर्तन (ii) वनों की कटाई

(iii) भीषण बाढ़ (iv) नदियों का सुख जाना

18. किन्हीं दो देशों के नाम बताईए जिनसे हड़प्पावासियों के साथ व्यापारिक संबंध थे ?

उत्तर– (i) ओमान (ii) मेसोपोटामिया (ii) बहरीन

19. मनको में छेद करने के उपकरण किन स्थलों से मिले हैं।

उत्तर– धोलावीरा, लोथल, चन्हुदड़ो

शेखावाटी मिशन–100

20. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल के नाम बताईए।

उत्तर –कनिंघम(1861), जॉन मार्शल (1902), व्हीलर (1944)

21. हड़प्पा या अनुवर्ती संस्कृति से क्या तात्पर्य है।

उत्तर– जिस संस्कृति में पुरावस्तुएँ तथा बस्तियाँ एक ग्रामीण जीवन शैली को प्रकट करती है।

22. कालीबंगा का उत्खनन किसने व कब किया है।

उत्तर– 1960, बी–बी लाल तथा बी.के थापर

निबंधात्मक प्रश्नः–

1. हडप्पा सभ्यता की कृषि प्रौद्योगिकी की विवेचना कीजिए

उत्तर– भूमिकाः–

हड़प्पा स्थलों से अनाज के दानों से कृषि के संकेत मिलते है पर वास्तविक कृषि तकनीक विषय के बारे में जानकारी नहीं मिलती है। परन्तु कृषि प्रौद्योगिकी का विवेचन निम्नांकित बिन्दुओं के अंतर्गत किया जा सकता है–

(i) खेत जोतने के लिए बैल व हलो का प्रयोगः–

– मुहरों पर किये गये रेखांकन तथा मिट्टी की मूर्तियों से वृषभ (बैल) के विषय की जानकारी मिलती है।

– चोलिस्तान (पाकिस्तान) व बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हलों के प्रतिरूप मिले है।

– जुते हुए खेत के साक्ष्य, एक खेत में एक साथ दो अलग– अलग फसले उगाने, हल रेखाएं एक–दूसरे को समकोण पर काटने के प्रमाण कालीबंगा (राजस्थान) से मिले है।

(ii) कृषि उपकरणः–

– हड़प्पावासी लकड़ी के हत्थों में बिठाए गये पत्थर के फलकों का प्रयोग करते थे

– धातु के औजारों का प्रयोग करते थे

(iii) सिंचाईः–

हड़प्पा स्थल अर्द्धशुष्क क्षेत्र में स्थित होने के कारण कृषि के लिए सिंचाई की आवश्यकता पड़ती होगी।

– नहरों के अवशेष – शोर्तुघई (अफगानिस्तान)

– जलाशयों के अवशेष – धौलावीरा (गुजरात) जल संचयन के लिए जलाशयों का प्रयोग किया जाता था।

– कुओं के अवशेष – सिंचाई में काम लिया जाता था पंजाब व सिंध में नहरों के अवशेष नहीं मिले है।

निष्कर्षः– उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि हड़प्पावासी कृषि – प्रौद्योगिकी में कृषि उपकरण जुताई के लिए हल–बैलों की सहायता एवं सिंचाई के साधनों में कुएँ, नहर, जलाशयों की सहायता से खाद्य फसलों का उत्पादन करते थे।

2. सिंधु सभ्यता में शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी का वर्णन कीजिए

उत्तर– **भूमिका–**सिंधु सभ्यता में शिल्प उत्पादन एक महत्वपूर्ण पहलू था जो कि सभ्यता की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। निम्नांकित बिन्दु शिल्प उत्पादन की जानकारी प्रदान करते हैं।–

(i) शिल्पकार्य – शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मोहर निर्माण एवं बाट बनाना शामिल है। चन्हुदड़ो जो लगभग पूरी तरह से शिल्प उत्पादन में संलग्न थी।

(ii) मनकों के निर्माण में विविधता–

मनकों के निर्माण में कार्नेलियन, जैस्पर, स्फिटिक, सेलखड़ी, क्वार्टज, सोना, ताँबा, कांसा, पक्की मिट्टी, शंख का प्रयोग होता था। कुछ मनके दो या दो से अधिक पत्थरों को आपस में जोड़कर बनाये जाते थे। कुछ मनकों के निर्माण में सोने के टॉप वाले पत्थर होते थे। इन्हें चक्राकार, बेलनाकार, गोलाकार तथा खंडित, कुछ को उत्कीर्णन या चित्रकारी के माध्यम से सजाया गया है।

(iii) मनके निर्माण की तकनीकी में विविधता

सेलखड़ी एक मुलायम पत्थर था जिस पर आसानी से कार्य हो जाता था। कुछ मनके सेलखड़ी चूर्ण के लेप को सांचे में डालकर तैयार किये जाते थे। कार्नेलियन का माल एवं पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनको को आग में पकाकर प्राप्त किया जाता था। घीसाई, पोलिस और उनमें छेद करने के साथ यह प्रक्रिया पूर्ण होती थी।

(iv) विशिष्ट केन्द्र–

लोथल, धौलावीरा, चन्हूदड़ो में मनका निर्माण के विशेष उपकरण मिले है। नागेश्वर व बालाकोट से शंख से निर्मित चूड़ियां, पच्चीकारी वस्तुओं के विशिष्ट केन्द्र थे। यहां से तैयार माल हडप्पा एवं मोहनजोदड़ो शहरों में पहुँचाया जाता था। प्रस्तर पिंड, शंख, कच्चा माल त्याग दिया माल, अपूर्ण वस्तुओं से इन केन्द्रों की पहचान की गइ है।

निष्कर्षः– इन बिंदुओं से स्पष्ट होता है कि चन्हूदडो लोथल, धौलावीरा में मनका निर्माण व नागेश्वर, बालाकोट शंख ते निर्मित वस्तुओं के विशिष्ट उन्नत केन्द्र थे।

3. ''हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशिष्टताओं में से एक

शेखावाटी मिशन–100

नियोजित जल निकास प्रणाली थी''। विवेचना कीजिए।

उत्तर– भूमिकाः–

हड़प्पा के लोगों ने जल प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत उन्नति की थी। उस समय की जल निकास प्रणाली एक अद्वितीय और उन्नत प्रणाली थी।

जल निकास प्रणाली की विशेषताएंः–

(i) नालियों के साथ गलियों का निर्माणः–

घरो के गंदे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ने के लिए प्रत्येक घर की कम से कम एक दीवार का गली से सटा होना आवश्यक था।

(ii) मुख्य नालो का निर्माण–

मुख्य नाले गारे में जमाई गई ईटो से बने थे तथा ऐसी ईटो से ढका जाता था। जिन्हें सफाई के लिए हटाया जा सके। मकानों से आने वाली नालियां गली की नालियों से मिल जाती थी।

(iii) नालियों के किनारे गड्ढों का बना होनाः–

नालियों के किनारे कही कहीं गड्ढे बने मिलते है।

(iv) नालियों की सफाई :– समय–समय पर नालियों की सफाई की जाती थी। कुछ पुरातत्वविदों का मानना है कि नालों की सफाई के बाद कचरे को सदैव हटाया नहीं जाता था।

(v) ग्रिड पद्धति – सड़के एवं गलियों को लगभग 'ग्रिड' पद्धति से बनाया गया था। यह एक–दूसरे को समकोण पर काटती थी।

(vi) छोटी बस्तियों में जलनिकासी प्रणालीः–

यह प्रणाली केवल बड़े शहरों तक सीमित न होकर छोटी बस्तियों में भी प्रचलित वी।

(vii) घरों की नालियों का एक मलकुंड में खाली होनाः–

इसमें ठोस पदार्थ हौद या मलकुंड में जमा हो जाता था तथा गंदा पानी गली की नालियों में बह जाता था।

निष्कर्ष– उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट है कि यह प्रणाली अनूठी विशिष्टताओं में से एक है। मैके ने लिखा है कि ''निश्चित रूप से खोजी गई सर्वथा सम्पूर्ण प्राचीन प्रणाली है।''

5. मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केन्द्र था

उत्तर– भूमिकाः–सिंधु सभ्यता की सबसे प्रमुख विशेषता शहरी केन्द्रों का विकास था। सभ्यता के प्रमुख नगर हड़प्पा, मोहनजोदडो का निर्माण एक निश्चित योजना के अनुसार किया गया है।

(i) नगर का दो भागों में विभाजनः– मोहनजोदड़ो दो भागों में विभाजित था।

(a) दुर्ग –छोटा भाग, ऊँचाई पर बनाया गया।

(b) निचला शहर – बड़ा भाग, निचले स्थल पर बनाया गया। दुर्ग दीवार से घिरा हुआ था इस प्रकार दीवार ने दुर्ग को निचले शहर से पृथक कर दिया।

(ii) निचला शहर– निचला शहर भी दीवार से घेरा गया था। अनेक भवन ऊँचे चबूतरों पर बनाया गया था। अनेक भवनों के निर्माण में मजदूरों की आवश्यकता पड़ी होगी।

(iii) श्रमिकों की आवश्यकताः– निचले शहर के भवन निर्माण में एक अनुमान के अनुसार एक श्रमिक प्रतिदिन एक घनीय मीटर मिट्टी ढोता होगा, तो आधारों को बनाने के लिए 40 लाख श्रम दिवसों की आवश्यकता पड़ी होगी।

(iv) नगर का नियोजन किया जानाः–

शहर का समस्त भवन निर्माण कार्य चबूतरों पर एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित था इससे ज्ञात होता है कि मोहनजोदड़ों में शहर का नियोजन किया गया था। उसके बाद ही निर्माण कार्य किया गया था।

(v) नियोजन कार्य में ईंटो का महत्वः

(a) ईंटो को धूप में सुखाकर या भट्टी में पकाकर बनाया गया था।

(b) ईटे एक निश्चित अनुपात में होती थी,

(c) इनका लम्बाई, चौड़ाई, ऊँचाई में अनुपात 4:2:1 था।

इस प्रकार ईंटो का प्रयोग हड़प्पा सभ्यता के सभी नगरों में किया गया था।

निष्कर्ष – उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट होता है मोहनजोदडो की बसावट से पूर्व नियोजन का कार्य किया गया जो कि आधुनिक शहरों में देखने को मिलती है। सिंधु सभ्यता का मोहनजोदड़ो सबसे उन्नत शहरों में से एक था।

6. मोहनजोदड़ो में गृह स्थापत्य कला का वर्णन कीजिए–

उत्तरः भूमिका– सिंधु सभ्यता में मोहनजोदडो बाहर को नियोजित व्यवस्था के तहत दुर्ग एवं निचले बाहर में विभाजित किया गया है। इस भाग में निचले शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है–

(i) भवन निर्माणः– हड़प्पा सभ्यता में मोहनजोदड़ो शहर में मकान एक निश्चित योजना के अनुसार बनाये जाते थे। मकान प्रायः पक्की ईटो के बने होते थे।

(ii) आँगन– आँगन के चारों ओर कमरे बने होते थे। इनमें कमरे एक आंगन पर केंद्रित थे जो कि खाना पकाने, कतई की गतिविधियों का भी केंद्र था।

(iii) एकांतता का महत्व– भूमि ताल पर बनी दीवारों में खिडकियाँ

शेखावाटी मिशन–100

नहीं है। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार से आंतरिक भाग या आँगन का सीधा अवलोकन नहीं होता है।

(iv) **स्नानघर–** हर घर में ईंटे के फर्श से बना अपना एक स्नानघर होता था स्नानघर जिसकी नालियां दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी हुई थी।

(v) **सीढ़ियां:–** कुछ घरों में छत पर जाने के लिए सीढ़ियों के अवशेष मिले है। यह पकी ईंटो की बनती थी।

(vi) **कुएँ–** हड़प्पा सभ्यता एवं मोहनजोडों में प्रत्येक घर में एक कुआं होता था। कुछ कुओं के अंदर सीढ़िया बनी हुई है। पानी रस्सी की सहायता से निकाला जाता था। मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या लगभग 700 थी।

(vii) **छतें–** मकानों की छते समतल थी। ये लकड़ी की कड़ियों से बनाई जाती थी।

(viii) **दीवारों पर प्लास्टर:–** दीवारों पर मिट्टी का प्लास्टर किया जाता था, कभी–कभी जिप्सम का प्लास्टर किया जाता था।

निष्कर्ष– उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट होता है कि ग्रह स्थापत्य कला में सुनियोजित प्रणाली की झलक देखने को मिलती है जो कि इस शहर को सुन्दर बनाता था।

7. मोहनजोदड़ो के दुर्ग में स्थित संरचनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–भूमिका– मोहनजोदड़ो के ऊँचाई पर स्थित दुर्ग में कई महत्वपूर्ण संरचनाएं है जो उस समय की वास्तुकला एवं शहरी योजना को दर्शाती है। दो महत्वपूर्ण संरचनाएं को वर्णित किया गया है–

(i) **मालगोदाम–** मोहनजोदड़ो के दुर्ग में स्थित विशिष्ट संरचना है जिसका प्रयोग विशेष प्रयोजन के लिए करते थे। एक ऐसी विशाल संरचना जिसका ऊपरी हिस्सा लकड़ी से बनाया गया जो अब नष्ट हो गया है। निचला हिस्सा ईंटो से बनाया गया था जो कि साक्ष्य के रूप में शेष बचा हुआ है।

(ii) **विशाल स्नानागार–** मोहनजोदड़ों का मुख्य भवन है जिसका आकार 39 x 23 x88 फीट है। दुर्ग के आंगन में बना आयाताकार जलाशय है जो चारो ओर से एक गलियारा से घिरा हुआ है। जलाशय के तल तक जाने के लिए उत्तरी दक्षिण भाग में सीढ़ियां बनी हुई है। जलाशय के किनारो पर ईंटो को जमाकर तथा जिप्सम के गारे का प्रयोग से इसको जलबद्ध किया गया था। इसके तीनो ओर कक्ष बने हुए है।

जलाशय के पास कुएँ के भी अवशेष मिले है जो जल का स्रोत था। जलाशय से पानी एक बड़े नाले में बह जाता था। उत्तर की ओर छोटे–छोटे आठ स्नानागार भी बने हुए हैं। एक गलियारे के दोनो ओर चार–चार स्नानागार बने थे। प्रयेक स्नानघर से नालियाँ, गलियारे के साथ–साथ बने एक नाले में मिलती थी।

(iii) **स्नानागार का महत्व:–** इस संरचना का अनोखापन तथा दुर्ग में कई विशिष्ट संरचनाओं के साथ मिलने से इस बात का संकेत है कि इसका प्रयोग विशेष अनुष्ठानिक स्नान के लिए करते थे।

निष्कर्ष–उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है मालगोदाम व स्नानागार दोनों महत्वपूर्ण विशिष्ट संरचना मोहनजोदडों में स्थित थी जो वर्तमान में उनका महत्व आज भी प्रासंगिक है। शहरों में गोदाम व ड्रेनेन प्रणाली में झलक मिलती है

8. सिंधु सभ्यता में सामाजिक भिन्नताओं के अवलोकन में शवाधान प्रक्रिया एवं विलासिता वस्तुओं की खोज महत्वपूर्ण साधन थे ? वर्णन कीजिए ।

भूमिका– हड़प्पा सभ्यता के लोगों के सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण विशेषताओं एवं सामाजिक जानकारी के शवधान एवं विलासिता वस्तुएं महत्वपूर्ण स्त्रोत थे।

(i) **शवाधान–** मिस्त्र के विशाल पिरामिडों में से कुछ हड़प्पा सभ्यता के समकालीन थे । हड़प्पा स्थलों से मिले शवाधानों को आमतौर पर मृतकों को गर्त में दफनाया जाता था। कुछ–कुछ स्थानों पर गर्त की सतह पर ईंटो की चिनाई की गई थी।

कुछ कब्रो में मृदभाण्ड व आभूषण मिले है इन वस्तुओं का प्रयोग मृत्योपरांत किया जाता था। पुरुष व महिलाओं दोनों के शवधानो से आभूषण मिले है। 1980 के दशक के मध्य हड़प्पा के कब्रिस्तान के उत्खनन से पुरुष की खोपडी के समीप शंख के 3 छल्ले, जैस्पर के मनके मनको से बना आभूषण मिला है

कहीं–कहीं पर मृतकों को ताँबे के दर्पण के साथ दफनाया जाता था । उपर्युक्त विवरण से पता चलता है कि हड़प्पावासी मृतकों के साथ बहुमूल्य वतुएँ दफनाने में विश्वास नहीं था।

(ii) **विलासिता वस्तुएँ–** विलासिता वस्तुओं एवं उपयोग के आधार पर वर्गीकृत करते हैं–

(a) रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएँ– चक्किया, मृदभाण्ड, सूइयाँ, झाँवा है यह वस्तुएँ आमतौर सब जगह पाई जाती थी।

(b) दुर्लभ एवं मँहगी वस्तुएँ– पुरातत्वविद उन वस्तुओं को मँहगी मानते थे जो स्थानीय स्तर पर अनुपलब्ध व जटिल तकनीक से बनी हो। मँहगे पदार्थों से बनी दुर्लभ वस्तुएँ हड़प्पा व मोहनजोदड़ो की बड़ी बस्तियों तक ही केन्द्रित है छोटी बस्तियों में ये विरले से

शेखावाटी मिशन–100

मिलती है, इन वस्तुओं में फयॉन्स (घिसी हुई रेत तथा रंग व चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाया गया पदार्थ) कीमती माने जाते थे।

फयॉन्स से बने लघुपात्र (सुंगधित पदार्थों के पात्र) मोहनजोदडो व हड़प्पा से ही मिले हैं। कालीगंगा जैसी छोटी बस्तियों में नहीं मिले है।

सोना– भी कीमती एवं दुर्लभ वस्तुओं में एक था जो हड़प्पा स्थलों से मिले स्वर्णाभूषण संचयो से प्राप्त हुए थे।

निष्कर्ष– उपर्युक्त विवरण से पता चलता है कि हड़प्पावासी सामाजिक जीवन जीने के तरीको को इंगित करता है। महंगी एवं दुर्लभ वस्तुओं का प्रयोग उनके उच्च स्तर जीवन निर्वाह की जानकारी मिलती है।

9. हड़प्पा सभ्यता की धार्मिक मान्यताओं की पुष्टि हुई है। विवेचना कीजिए।

उत्तरः भूमिका–हड़प्पावासी धार्मिक मान्यताओं में विश्वास करते थे। धार्मिक आनुष्ठानिक कार्य एवं प्रकृति पूजा में उनका अटूट विश्वात था। धार्मिक जीवन के बारे में निम्नांकित बिन्दुओं के अंतर्गत समझा जा सकता है–

(i) मातृदेवी की उपासना– हड़प्पा, मोहनजोदडो, चन्हुदड़ों स्थानों से आभूषणों से लदी नारी मृण्मूर्तियों को मातृदेवी की संज्ञा दी गई है।

(ii) अग्निवेदिकाएँ– कालीबंगा, लोथल, बनावली एवं राखीगढ़ी की खुदाई में वेदिकाएँ मिली है।

(iii) विशाल स्नानागार– मोहनजोदड़ो के दुर्ग में स्थित संरचना जो धार्मिक अनुष्ठान के कार्य की ओर इंगित करता है।

(iv) शिव की उपासना– हड़प्पा की खुदाई में एक मुहर मिली है जिस पर देवता की मूर्ति अंकित है। कुछ महरों पर एक आकृति में पालथी मारकर योगी की मुद्रा में बिठाया गया है 'आद्य शिव' (हिन्दू देवता) की संज्ञा दी जा सकती है। इस देवता के तीन मुख और दो सींग है। उसे एक हाथी, एक व्याघ्र, एक भैसा तथा एक गैंडा से घिरा हुआ दिखाया गया है। आसन के नीचे हिरण अंकित है। कुछ मुहरों पर एक श्रृंगी जानवर का अंकन है।

(v) लिंग पूजा– पत्थर की शक्वाकार वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया है।

(vi) पशु पूजा– हड़प्पा से प्राप्त मुहरों पर बैल, भैंस, हाथी, गैंडा के चित्र मिलते है जिससे अनुमान लगाया जाता है पशु उपासना करते थे।

(vii) पुरोहित राजा की मूर्तिः– दुर्लभ पत्थर से निर्मित मुर्ति जो मानवीकृत मुद्रा में बैठे है।

निष्कर्ष– उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट होता है डि हड़प्पावासी प्रकृति उपासक थे जो कि धार्मिक परम्पराओं में विश्वास करते थे। प्रकृति पूजा वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

10. हड़प्पावासियों के सुदूर क्षेत्रों के साथ संबंधो की विवेचना कीजिए।

उत्तर– भूमिका– पुरातात्विक खोजों से ज्ञात होता है कि हड़प्पावासियों के ओमान, मेसापोटामिया, बहरीन सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क थे। निम्नलिखित तथ्यों से इस बात की पुष्टि होती है कि हड़प्पा सभ्यता के सुदूर क्षेत्रों से सम्बन्ध थे–

(i) ओमान से सम्बन्ध– हाल में ही पुरातात्तिक खोजों से पता चलता है कि ओमान से ताँबा लाया जाता था। इसके अतिरिक्त ओमानी स्थलों से एक बड़ा हड़प्पाई मर्तबान, जिसके ऊपर काली मिट्टी की एक मोटी परत –चढाई गई थी। ऐसी मोटरी परतें तरल पदार्थो के रिसाव को रोक देती है। हड़प्पा सभ्यता के लोग इनमें रखे समान का ओमानी ताँबे से विनिमय करते थे।

(ii) मेसोपोटामिया के लेखों से जानकारी प्राप्त होना– 3000ई पूव0 मेसोपोरामिया के लेखो से मगान नामक क्षेत्र से ताँबे के आने का उल्लेख मिलता है। मेसोपोटामिय से ताँबे में भी निकल के अंश मिले है।

मेसोपोटामिया के लेखो से दिलमुन मगान, मेलुहा नामर क्षेत्रों से सम्पर्क की जानकारी मिलती है। दिलमुन प्राय बहरीन द्वीप तथा मगान ओमान के लिए शब्द प्रयुक्त हुआ है। ये लेख मेलुहा से प्राप्त अनेक उत्पादों का उल्लेख करते है जैसे – कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, सोना, ताँबा तथा विविध प्रकार की लकड़ियाँ ।

ओमान का मेसोपाटामिया से सम्पर्क सामुद्रिक मार्ग से था। मेसोपोटामिया के लेखों में मेलुहा को नाविको का देश कहते है। मुहरो पर जहाज एवं नावों का चित्रांकन मिला है।

(iii) बहरीन से सम्पर्क– बहरीन में मिली गोलाकार फारस की खाड़ी प्रकार की मुहर पर कभी–कभी हड़प्पाई चित्र मिलते है।

(iv) अन्य पुरातात्विक खोज– लम्बी दूरी के सम्पर्को की ओर संकेत करने वाली अन्य पुरातात्विक खोजो में हड़प्पाई मुहरें, बाट, पासे एवं मनके शामिल है।

(v) अफगानिस्तान से सम्पर्क– शोर्तुघई, नीले रंग का लाजवर्द

शेखावाटी मिशन–100

मणि के सबसे अच्छा स्रोत था

(vi) उपमहाद्वीप तथा उपके आगे से आना वाला माल– नागेश्वर – बालाकोट से शंख, शार्तुघई से लाजवर्दमणि, कार्निलयन–भड़ौच से सेलखड़ी पत्थर द० राजस्थान एवं उत्तरी गुजरात से, सोना दक्षिण भारत से, ताँबा खेतड़ी (गणेश्वर जोधपुरा संस्कृति) से मंगवाते थे। इन सम्पर्क से यह प्रतीत होता है कि हड़प्पावासी के सुदूर क्षेत्रों के साथ व्यापारिक संबंध थे।

अध्याय – 2
राजा, किसान और नगर
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. प्राचीन भारत में कुल कितने महाजनपद थे? या बौद्ध और जैन धर्म ग्रंथों में कितने महाजनपदों का उल्लेख है?
(अ) 8 (ब) 12
(स) 16 (द) 18 (स)

2. छठी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया।
(अ) कोशल (ब) श्रावस्ती
(स) अंग (द) मगध (द)

3. चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध की राजधानी किसे बनाया गया ?
(अ) राजगाह (ब) पाटलिपुत्र
(स) तक्षशिला (द) कलिंग (ब)

4. मौर्य साम्राज्य के संस्थापक कौन थे ?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) असोक
(स) बिन्दुसार (द) समुद्रगुप्त (अ)

5. चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आने वाला यूनानी राजदूत कौन था ?
(अ) कौटिल्य (ब) मेगस्थनीज
(स) फा–शिएन (द) सेल्यूकस (ब)

6. पहला सम्राट था, जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किए हुए स्तंभों पर लिखवाए थे?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) बिन्दुसार
(स) असोक (द) रूद्रदामन (स)

7. देवपुत्र की उपाधि कौन–से शासकों ने धारण की ?
(अ) चीनी शासक (ब) मौर्य शासक
(स) गुप्त शासक (द) कुषाण शासक (द)

8. प्रयाग प्रशस्ति की रचना किस भाषा में हुई?
(अ) हिन्दी (ब) संस्कृत
(स) तमिल (द) पालि (ब)

9. पहली सहस्त्राब्दी ई. के मध्य में जातक कथाएं किस भाषा में लिखी गई ?
(अ) हिन्दी (ब) संस्कृत
(स) तमिल (द) पालि (द)

10. असोक ने अपनी जनता के सुख–दुख की जानकारी प्राप्त करने के लिए किस अधिकारी/संवाददाता की नियुक्ति की थी ?
(अ) प्रतिवेदक / पतिवेदक (ब) धम्म महामात
(स) युक्त (द) राजुक (अ)

11. हर्षचरित किस शासक की जीवनी है?
(अ) हर्षवर्धन (ब) बाणभट्ट
(स) असोक (द) चन्द्रगुप्त द्वितीय (अ)

12. सबसे पहले सोने के सिक्के किसने जारी किए ?
(अ) मौर्य शासकों (ब) गुप्त शासकों
(स) कुषाण शासकों (द) शक शासक (स)

13. गहपति शब्द का अर्थ क्या था ?
(अ) सैनिक (ब) किसान
(स) धनी गृहस्वामी (द) व्यापारी (स)

14. 'धम्म' की शुरुआत किसने की थी ?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) बिंदुसार
(स) अशोक (द) समुद्रगुप्त (स)

15. बाणभट्ट किस शासक के दरबारी कवि थे ?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) बिंबिसार
(स) हर्षवर्धन (द) अशोक (स)

16. मुद्राशास्त्र अध्ययन है–
(अ) सिक्कों का (ब) अभिलेखों का
(स) शिल्पकला का (द) नगरों का (अ)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी जेम्स प्रिंसेप ने किन लिपियों का अर्थ निकाला ?

उत्तर– ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों का

2. सम्राट अशोक द्वारा धारण की गई दो उपाधियों बताते हुए, उनका अर्थ भी बताइए ?

उत्तर– (1) देवानांपिय – देवताओं का प्रिय

शेखावाटी मिशन–100

(2) पियदस्सी – देखने में सुंदर/मनोहर मुखाकृति वाला सामान्यतः अशोक को अभिलेखों में देवानांपिय और पियदस्सी के नाम से संबोधित किया गया है।

3. 16 महाजनपदों में से किन्हीं चार का नाम लिखिए ?

उत्तर– (1) कोशल = राजधानी– श्रावस्ती

(2) कुरु = राजधानी–इन्द्रप्रस्थ

(3) गांधार = राजधानी – तक्षशिला

(4) अवन्ति = राजधानी – उज्जैन / उज्जयिनी

(5) पांचाल = राजधानी – अहिच्छत्र

(6) वज्जि = राजधानी– वैशाली

4. मगध की प्रारंभ में राजधानी कौनसी थी ?

उत्तर– राजगाह (आधुनिक बिहार के राजगीर का प्राकृत नाम)

5. मगध, पाटलिपुत्र एवं कलिंग का आधुनिक नाम बताइए?

उत्तर– (1) मगध का आधुनिक नाम– बिहार

(2) पाटलिपुत्र का आधुनिक नाम– पटना

(3) कलिंग का आधुनिक नाम–उड़ीसा

6. चन्द्रगुप्त मौर्य के पौत्र को आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध शासक माना जा सकता है?

उत्तर– असोक

7. कलिंग (आधुनिक उड़ीसा) विजय करने वाला मौर्य शासक कौन था? उसने कलिंग विजय कब की ?

उत्तर– असोक ने, 261 ई.पू. में यानि शासन के 8 वर्ष बाद

8. किन दो समकालीन लेखकों के विवरण से मौर्य साम्राज्य के इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है? या मौर्यकालीन इतिहास के पुनर्निर्माण हेतु कौनसे लेखकों की समकालीन रचनाएं भी मूल्यवान सिद्ध हुई हैं?

उत्तर– (1) मेगस्थनीज (रचना– इंडिका)

(2) कौटिल्य/चाणक्य (रचना अर्थशास्त्र)

9. अर्थशास्त्र का रचयिता कौन था ?

उत्तर– कौटिल्य/चाणक्य

10. मौर्य साम्राज्य के इतिहास की जानकारी के प्रायः सबसे मूल्यवान स्रोत किसे माना जाता है?

उत्तर– पत्थरों और स्तंभों पर मिले असोक के अभिलेख

11. मौर्य साम्राज्य के प्रमुख राजनीतिक केन्द्रों के नाम लिखिए ?

उत्तर– मौर्य साम्राज्य के पाँच प्रमुख राजनीतिक केन्द्र थे।

एक राजधानी– पाटलिपुत्र

चार प्रांतीय केन्द्र– तक्षशिला, उज्जयिनी, तोसलि, सुवर्णगिरि

12. मेगस्थनीज ने मौर्य काल में सैनिक गतिविधियों के लिए कितनी समिति और उपसमितियों का उल्लेख किया है?

उत्तर– मेगस्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छः उपसमितियों का उल्लेख किया है।

13. धम्म का सिद्धांत किस शासक ने प्रतिपादित किया ?

उत्तर– मौर्य शासक असोक ने

14. धम्म के प्रचार के लिए असोक ने किस अधिकारी की नियुक्ति की ?

उत्तर– धम्म महामात नामक अधिकारी की

15. उत्तर प्रदेश में किस स्थान के एक देवस्थान में किस राजवंश के शासकों की विशालकाय मूर्तियाँ लगाई गई थीं ?

उत्तर– उत्तरप्रदेश में मथुरा के पास माट के एक देवस्थान पर कुषाण शासकों की विशालकाय मूर्तियाँ लगाई गई थीं।

16. इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख के नाम से कौनसी प्रशस्ति प्रसिद्ध है?

उत्तर– प्रयाग प्रशस्ति

17. प्रयाग प्रशस्ति की रचना किसने व किस भाषा में की और वह रचनाकार किसका दरबारी / राजकवि था ?

उत्तर– प्रयाग प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने संस्कृत भाषा में की और हरिषेण गुप्त शासक समुद्रगुप्त का राजकवि था।

18. प्रयाग प्रशस्ति में गुप्त शासक समुद्रगुप्त को किन देवताओं के तुल्य/समतुल्य बताया गया हैं?

उत्तर– प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त को कुबेर (धन देव), वरुण (समुद्र देव), इन्द्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु देव) आदि देवताओं के तुल्य/ समकक्ष बताया गया है।

19. सुदर्शन झील की जानकारी हमें किस स्त्रोत से प्राप्त होती हैं?

उत्तर– शक शासक रुद्रदमन के लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी के जूनागढ़ अभिलेख (संस्कृत भाषा में) से सुदर्शन झील की जानकारी प्राप्त होती हैं।

20. सुदर्शन झील का निर्माण किस राजवंश के समय हुआ ?

उत्तर– मौर्य काल / मौर्य राजवंश के समय (मौर्य शासक चन्द्रगुप्त मौर्य के समय)

21. जातक ग्रंथ किस धर्म से संबंधित हैं?

उत्तर– बौद्ध धर्म से संबंधित हैं।

22. उस शासक का नाम बताइए, जिसने सुदर्शन झील की मरम्मत अपने खर्चे से करवाई थी और इसके लिए प्रजा से कर भी नही लिया था?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– शक शासक रुद्रदमन / रुद्रदामन ने

23. मनुस्मृति की रचना कब एवं किस भाषा में हुई ?

उत्तर– दूसरी शताब्दी ई.पू. से दूसरी शताब्दी ई. के बीच, संस्कृत भाषा में

24. किस जातक कथा में एक कुटिल राजा की कहानी बतायी गई है?

उत्तर– गंदतिन्दु जातक में

25. आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधिग्रंथ किसे माना जाता है?

उत्तर– मनुस्मृति को

26. पालि भाषा में गहपति का प्रयोग किसके लिए किया जाता था ?

उत्तर– पालि भाषा में गहपति का प्रयोग छोटे किसानों और जमीदारों के लिए किया जाता था।

27. हर्षचरित किस भाषा में एवं किसके द्वारा लिखीं गई ?

उत्तर– संस्कृत भाषा में बाणभट्ट (कन्नौज के शासक हर्षवर्धन का दरबारी / राजकवि) द्वारा लिखीं गई।

28. प्रभावती गुप्त किस शासक की पुत्री थी ?

उत्तर– प्रभावती गुप्त आरंभिक भारत के एक सबसे महत्वपूर्ण शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री थी।

29. गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त का विवाह किस राजवंश में हुआ था?

उत्तर– दक्कन पठार के वाकाटक राजवंश में (वाकाटक नरेश रूद्रसेन द्वितीय के साथ)

30. गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय का शासनकाल बताइए ?

उत्तर– 375 ई.पू. से 415 ई.पू. तक

31. पेरिप्लस ऑफ एरीथ्रियन सी किसके द्वारा रचित हैं?

उत्तर– एक अज्ञात यूनानी समुद्र यात्री द्वारा रचित ।

32. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सबसे पहले ढाले गए और प्रयोग में आए सिक्के कौनसे थे और किस धातु से बने थे ?

उत्तर– आहत/पंचमार्क सिक्के (सबसे प्राचीन सिक्के), चाँदी और ताँबे धातु से

33. शासकों की प्रतिमा और नाम के साथ सबसे पहले सिक्के किन शासकों ने जारी किए ?

उत्तर– हिंद यूनानी शासकों ने

34. असोक के अभिलेखों को पढ़ने में सफलता किसने प्राप्त की एवं कब पढ़ा? अथवा असोककालीन ब्राह्मी लिपि का अर्थ किसने निकाला व कब निकाला ?

उत्तर– जेम्स प्रिंसेप ने, 1838 ई. में

35. यूनानी स्त्रोतों के अनुसार मौर्य सम्राट के पास कितने पैदल सैनिक, कितने घुड़सवार तथा कितने हाथी थे ?

उत्तर–3 लाख पैदल सैनिक, 30 हजार घुड़सवार, 9 हजार हाथी

36. श्रेणी से क्या आशय है?

उत्तर– उत्पादकों और व्यापारियों के संघ श्रेणी कहलाते हैं।

37. कुषाण शासकों द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के आकार और वजन में किन शासकों के सिक्कों के बिल्कुल सामान थे?

उत्तर – कुषाण शासकों द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के आकार और वजन में तत्कालीन रोमन सम्राटों तथा ईरान के पार्थियन शासकों द्वारा जारी सिक्कों के बिल्कुल समान थे।

38. आरंभिक तमिल संगम साहित्य में वेल्लालर, अणिमई और उल्वर किसे कहा जाता था ?

उत्तर– (1) वेल्लालर –बड़े जमींदार

(2) उल्वर – हलवाहा

(3) अणिमई– दास

39. प्रयाग प्रशस्ति से किस गुप्त शासक की जानकारी प्राप्त होती हैं?

उत्तर – गुप्त शासक समुद्रगुप्त की

40. सिल्लपादिकारम् क्या है?

उत्तर– सिल्लपादिकारम् प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य है।

41. धम्म क्या है?

उत्तर – विभिन्न वर्गों, जातियों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने तथा अपनी प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए असोक ने जिन आचारों /नियमों की संहिता प्रस्तुत की, उसे अभिलेखों में धम्म कहा गया है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. छठी शताब्दी ईस्वी के बाद सोने के सिक्कों का प्रचलन कम क्यों हो गया ?

उत्तर– (1) रोमन साम्राज्य के पतन के बाद दूरवर्ती व्यापार में कमी आई, जिससे उन राज्यों, समुदायों और क्षेत्रों की संपन्नता पर असर पड़ा जिन्हें दूरवर्ती व्यापार से लाभ मिलता था ।

(2) इस काल में नए नगरों और व्यापार के नवीन तंत्रों का उदय होने लगा था।

2. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में उपज बढ़ाने के तरीकों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– राजा की करों कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए किसानों ने उपज बढ़ाने के लिए और उपाय ढूंढ़ने शुरू किए।

शेखावाटी मिशन–100

(1) हल का प्रचलन– उपज बढ़ाने का एक तरीका हल का प्रचलन था, जो छठी शताब्दी ईसा पूर्व से ही गंगा और कावेरी की घाटियों के उर्वरक कछारी क्षेत्र में फैल गया था।

(2) लोहे के फाल वाले हल– जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा होती थी वहां लोहे के फाल वाले हलों के माध्यम से उर्वर भूमि की जुताई की जाने लगी।

(3) सिंचाई के साधन उपज बढ़ाने का एक और तरीका कुओं, तालाबों और नहरों के माध्यम से सिंचाई करना था। व्यक्तिगत लोगों और कृषक समुदाय ने मिलकर सिंचाई के साधन निर्मित किए।

3. आरम्भिक भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ईसा पूर्व को एक महत्वपूर्ण निर्णायक मोड़ / परिवर्तनकारी काल क्यों माना जाता है?

अथवा

छठी शताब्दी ईसा पूर्व से भारत में हुए नवीन परिवर्तनों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर – भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ईसा पूर्व को एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल निम्न कारणों से माना जाता है–

(1) आरंभिक राज्यों का उदय /शासक वर्ग का उदय

(2) मुद्रा का प्रचलन

(3) लोहे का बढ़ता प्रयोग

(4) सुव्यवस्थित कर व्यवस्था, व्यापार वाणिज्य का विकास

4. प्रयाग– प्रशस्ति पर टिप्पणी लिखिए ? या प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का किस प्रकार वर्णन किया गया है?

उत्तर – प्रयाग प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने संस्कृत भाषा में की और हरिषेण गुप्त शासक समुद्रगुप्त का राजकवि था।

–प्रयाग प्रशस्ति से गुप्त शासक समुद्रगुप्त की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त को कुबेर (धन देव), वरुण (समुद्र देव), इन्द्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु देव) आदि देवताओं के तुल्य / समकक्ष बताया गया है।

5. सुदर्शन झील पर टिप्पणी लिखिए ? या शक शासक रुद्रदमन के अभिलेख में सुदर्शन झील के बारे में क्या जानकारी मिलती हैं?

उत्तर – सुदर्शन झील एक कृत्रिम जलाशय था। जूनागढ़ अभिलेख के अनुसार सुदर्शन झील का निर्माण मौर्य काल में चंद्रगुप्त मौर्य के जूनागढ़ के राज्यपाल पुष्यगुप्त वैश्य द्वारा करवाया गया। सुदर्शन झील का दूसरी शताब्दी ईस्वी में जीर्णोद्धार शक शासन रुद्रदमन द्वारा करवाया गया और इसके लिए अपनी प्रजा से कर भी नहीं दिया था।

लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त शासक स्कन्दगुप्त ने एक बार फिर इस झील की मरम्मत करवाई थी।

6. मगध साम्राज्य के उत्कर्ष / सबसे शक्तिशाली महाजनपद बनने के दो कारण बताइए? या मगध के सबसे शक्तिशाली महाजनपद बनने के कारण बताइए ?

उत्तर– मगध के शक्तिशाली महाजनपद बनने के कारण–

(1) योग्य शासक – आरंभिक जैन और बौद्ध लेखकों ने मगध के उत्कर्ष का कारण योग्य शासकों की नीतियों को बताया।

(2) मगध की भौगोलिक स्थिति– मगध की राजधानी राजगाह पहाड़ियों के बीच स्थित थी और पाटलिपुत्र की गंगा के रास्ते आवागमन के मार्ग पर महत्वपूर्ण अवस्थिति थी ।

(3) उन्नत कृषि– मगध क्षेत्र गंगा घाटी में स्थित होने के कारण यहां उपजाऊ भूमि थी, जिसे मगध क्षेत्र में कृषि उत्पादन अच्छा होता था।

(4) लोहे की उपलब्धता – मगध में लोहे की खदानें आसानी से उपलब्ध थी। लोहे की उपलब्धता से उपकरण और हथियार बनाना सरल था।

7. मौर्य वंश की जानकारी आप किस प्रकार प्राप्त कर सकते हैं? या मौर्य काल की जानकारी प्रदान करने वाले साहित्यिक एवं पुरातात्विक साक्ष्यों / स्त्रोतों का नाम लिखिए ? या मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए इतिहासकारों द्वारा प्रयुक्त किए गए स्त्रोतों को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– मौर्य वंश की जानकारी के स्त्रोत–

(1) साहित्यिक स्रोत– मेगस्थनीज की इंडिका, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, बौद्ध और जैन ग्रंथ, पुराण

(2) पुरातात्विक स्रोत – अशोक के अभिलेख, मौर्यकालीन मूर्तिकला

8. मौर्य काल में सैन्य गतिविधियों / सैन्य प्रशासन का संचालन किस प्रकार किया जाता था ?

उत्तर– मेगस्थनीज की इंडिका के अनुसार मौर्यकालीन सैन्य गतिविधियों के संचालन हेतु एक समिति व 6 उपसमितियां होती थी ।

उपसमितियां–

(1) नौसेना समिति	(2) यातायात समिति
(3) पैदल समिति	(4) अश्वारोही समिति
(5) रथारोही समिति	(6) गजारोही समिति

शेखावाटी मिशन–100

9. भूमिदान के प्रभावों की विवेचना कीजिए ? या शासक वंश द्वारा भूमिदान देने के क्या कारण थे? या शासक वंश द्वारा भूमिदान देने संबंधी विभिन्न मतों की विवेचना कीजिए ?

उत्तर– भूमिदान देने के कारण–

(1) कृषि के विस्तार हेतु – भूमिदान शासक वर्ग द्वारा कृषि को नए क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने की एक रणनीति थी ।

(2) राजनीतिक प्रभुत्व बनाए रखने हेतु कुछ– इतिहासकारों का मानना है की भूमिदान से दुर्बल होते राजनीतिक प्रभुत्व का संकेत मिलता है अर्थात् राजा का शासन सामंतों पर दुर्बल होने लगा तो उन्होंने भूमिदान के माध्यम से अपने समर्थक जुटाने आरंभ कर दिए।

(3) उत्कृष्ट मानव साबित करने हेतु – कुछ इतिहासकारों का मानना है कि राजा स्वयं को उत्कृष्ट मानव के रूप में प्रदर्शित करना चाहता था क्योंकि प्रशासन पर उसका नियंत्रण कमजोर हो रहा था, इसलिए अपनी शक्ति का आडंबर प्रस्तुत करना चाहा।

10. अशोक द्वारा अपने अधिकारियों और प्रजा को दिये गये संदेशों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए ? या अशोक के धम्म की वर्तमान में भी प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– असोक के धम्म/संदेशों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता–

(1) धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता–अशोक के धम्म में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि किसी को अपने संप्रदाय का अत्यधिक गुणगान अथवा दूसरों के संप्रदाय की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से दूसरों को क्षति पहुंचेगी।

(2) अशोक ने बड़ों के प्रति आदर–सन्यासियों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता, सेवकों और दासों के साथ उदार व्यवहार करने का संदेश दिया ।

(3) असोक का सड़कों के किनारे वृक्षारोपण का विचार, यात्रियों के लिए अतिथि गृहों का निर्माण और प्याऊ का निर्माण एक सत्तत जीवन के लिए प्रकृति के महत्व को रेखांकित करते हुए आधुनिक पर्यावरणीय नैतिकता की नींव रखता है।

अशोक ने अपने अधिकारियों और प्रजा को धम्म का.संदेश दिया उसकी वर्तमान संदर्भ में भी प्रासंगिकता है। अशोक के धम्म का स्वरूप मानवतावादी था जो नैतिक नियमों के पालन पर जोर देता है। अशोक के धम्म में जिन आदर्शों का उल्लेख किया गया है, व्यक्ति उन्हें अपने जीवन में उतार कर एक आदर्श एवं सुखी जीवन जी सकता है।

11. अभिलेख आज भी इतिहास की जानकारी के महत्वपूर्ण साधन है। स्पष्ट कीजिए ? या अभिलेख क्या हैं? इतिहास के अध्ययन में अभिलेख किस प्रकार सहायक होते हैं? या इतिहास लेखन में अभिलेखों का क्या महत्व है ?

उत्तर– अभिलेखों से प्राप्त ऐतिहासिक साक्ष्य –

(1) शासकों के नाम, उपाधियां, वंशावली की जानकारी

(2) प्रशासन संबंधी जानकारी

(3) काल– निर्धारण में सहायक

(4) अभिलेखों से समकालीन भारत की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं राजनीतिक स्थिति की जानकारी मिलती है।

(5) अभिलेखों से विभिन्न भाषाओं और लिपियों के बारे में जानकारी मिलती है।

12. धम्म क्या है ? असोक के धम्म के बारे में बताइए।

उत्तर – विभिन्न वर्गों, जातियों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बाँधने तथा अपनी प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए अशोक ने जिन आचार/नियमों की संहिता प्रस्तुत की, उसे अभिलेखों में धम्म कहा गया है। धम्म के सिद्धांत– अहिंसा, सहिष्णुता, बड़ों के प्रति आदर, संन्यासियों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता, लोककल्याण, आडंबरहीनता।

13. अभिलेखों से प्राप्त जानकारी की भी सीमा होती है? संक्षिप्त उल्लेख कीजिए ।

उत्तर – अभिलेख साक्ष्य की सीमा –

(1) अक्षरों को हल्के ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है, तब उन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है।

(2) अभिलेख का नष्ट होना–जब अभिलेख नष्ट हो जाते हैं तो उनके अक्षर लुप्त होने से जानकारी प्राप्त करना संभव नहीं है।

(3) अभिलेखों को पढ़ने में सफलता नहीं मिलना यद्यपि कई हजार अभिलेख प्राप्त हुए हैं, लेकिन सभी के अर्थ नहीं निकाले जा सके हैं।

(4) अभिलेखों के शब्दों का वास्तविक अर्थ लगाना कठिन है।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय – 3
बंधुत्व, जाति तथा वर्ग
(अंक भार– 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण परियोजना कब शुरू हुई?
(अ) 1905 ई० (ब) 1911 ई०
(स) 1919 ई० (द) 1942 ई० (स)

2. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण परियोजना में कितना समय लगा?
(अ) 45 वर्ष (ब) 46 वर्ष
(स) 47 वर्ष (द) 48 वर्ष (स)

3. कौरव–पांडव कौनसे दल से संबंधित थे?
(अ) पांचाल (ब) हर्यंक
(स) कुरु (द) लिच्छवि (स)

4. धर्मशास्त्र के अनुसार विवाह के प्रकार थे?
(अ) 4 (ब) 6
(स) 8 (द) 10 (स)

5. किस वंश के राजाओं को उनके मातृनाम से चिह्नित किया गया है।
(अ) शुंग (ब) सातवाहन
(स) मौर्य (द) कुषाण (ब)

6. धर्मशास्त्र में वर्णित आदर्श व्यवस्था में सबसे निचले स्तर पर किसको रखा जाता था?
(अ) ब्राह्मण (ब) क्षत्रिय
(स) वैश्य (द) शुद्र (द)

7. महाभारत की रचना कौनसी भाषा में हुई है।
(अ) मराठी (ब) संस्कृत
(स) प्राकृत (द) तमिल (ब)

8. क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला शासक था ?
(अ) गौतमीपुत्र शातकर्णी (ब) अशोक
(स) समुद्रगुप्त (द) रुद्रदामन (अ)

9. सुदर्शन सरोवर का जीर्णोद्धार किसने करवाया।
(अ) अशोक (ब) समुद्रगुप्त
(स) रुद्रदामन (द) चन्द्रगुप्त (अ)

10. चाण्डालों की कर्तव्यसूचि किसमें मिलती है?
(अ) धर्मशास्त्र (ब) मनुस्मृति
(स) धर्मसूत्र (द) रामायण (ब)

11. मनुस्मृति के अनुसार पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीके बताये है?
(अ) 7 (ब) 5
(स) 4 (द) 3 (अ)

12. मनुस्मृति में स्त्रियों के धन अर्जित करने के तरीके है।
(अ) 8 (ब) 6
(स) 7 (द) 3 (ब)

13. राजा अवंतिपुत्र व कच्चन के बीच संवाद का वर्णन ?
(अ) मज्झिम निकाय (ब) भगवतीभूत
(स) सूत पिटक (द) अभिधम्म पिटक (अ)

14. महाभारत को कौनसी श्रेणी में रखा गया है।
(अ) इतिहास (ब) साहित्य
(स) भूगोल (द) गणित (अ)

15. महाभारत की मूल कथा के रचयिता थे?
(अ) भाट सारथी (ब) वाल्मीकि
(स) व्यास (द) सुकथांकर (अ)

16. पुराणों का संकलन कब हुआ?
(अ) 200 ई. पूर्व (ब) 400 ई. पूर्व
(स) 100 ई. पूर्व (उ) 600 ई. पूर्व (अ)

17. महाभारत में कितने श्लोक है?
(अ) 2 लाख (ब) 3 लाख
(स) 1 लाख (द) 4 लाख (स)

18. अष्टाध्यायी के रचनाकर्ता थे?
(अ) चरक (ब) सुश्रुत
(स) भरतमुनि (द) पाणिनी (द)

19. महाभारत की रचना किसने की
(अ) वाल्मीकि (ब) वेदव्यास
(स) सूत (द) भारसारथी (ब)

20. रामायण की रचना किसने की?
(अ) वाल्मीकि (ब) पाणिनी
(स) वेदव्यास (द) आर्यभट्ट (अ)

21. हस्तिनापुर का उत्खनन कब हुआ ?
(अ) 1951–52 (ब) 1955–56
(स) 1960–61 (द) 1957–58 (अ)

22. हस्तिनापुर का उत्खनकर्ता थे?

शेखावाटी मिशन–100

(अ) सुकथांकर (ब) बी.बी लाल
(स) बी. के थापर (द) घोष (ब)

23. नाट्यशास्त्र की रचना किसने की ?
(अ) बाणभट्ट (ब) वाल्मीकि
(स) भरतमुनि (द) व्यास (स)

24. 'कुल' से क्या तात्पर्य है?
(अ) परिवार (ब) समाज
(स) गाँव (द) राज्य (अ)

25. किस उपनिषद् में आचार्य शिष्यों की उत्तरोतर पीढ़ियों की सूचि मिलती है?
(अ) वृहदारण्यक (ब) ईश
(स) मुंडक (द) केन (अ)

26. चारो वर्णों का उल्लेख कौनसे वेद में मिलता है।
(अ) ऋग्वेद (ब) यजुर्वेद
(स) सामवेद (द) अथर्ववेद (अ)

27. रेशम बुनकर लाट गुजरात से मंदसौर (दशपुर) जाकर किस मंदिर का निर्माण करवाया?
(अ) सूर्य (ब) विष्णु
(स) शिव (द) कृष्ण (अ)

28. मनुस्मृति का संकलन किस भाषा में हुआ है?
(अ) पाली (ब) हिन्डी
(स) तमिल (द) संस्कृत (द)

29. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण का कार्य किसके नेतृत्व में प्रारम्भ किया गया?
(अ) रोमिला थापर (ब) वी.एस. सुकथांकर
(स) उमा चक्रवर्ती (द) आर एस शर्मा (ब)

30. महाश्वेता देवी ने किस लघु कथा की रचना की ?
(अ) कुंतीओ निषादी (ब) अद्भुत संवाद
(स) अंगहीन धनी (द) रजनी (अ)

31. शुंग व कण्व वंश के राजा किस वर्ण से संबंधित थे?
(अ) क्षत्रिय (ब) वैश्य
(स) ब्रह्माण (द) वैश्य (स)

32. रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख कौनसे अभिलेख में मिलता है?
(अ) मंदसौर अभिलेख (ब) जुनागढ अभिलेख
(स) प्रयाग– प्रशस्ति (द) एहोल अभिलेख (अ)

33. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र कौनासी भाषा में लिखा गया है।
(अ) पालि (ब) प्राकृत
(स) मराठी (द) संस्कृत (द)

34. आर्यभट्ट का संबंध किस विषय से संबंधित है
(अ) गणित (ब) भूगोल
(स) ज्योतिष (द) राजनीति (अ)

35. त्रिपिटकग्रंथ संबंधित है।
(अ) जैन (ब) बौद्ध
(स) शैव (द) वैष्णव (ब)

रिक्त स्थान प्रश्नः–

1. ब्रह्माणीय सिद्धान्त में वर्ग की तरह जाति ....पर आधारित थी?
उत्तर– जन्म

2. पारिवारिक रिश्ते .... माने जाते हैं।
उतर– नैसर्गिक एवं रक्त संबंध

3. दानात्मक अभिलेख में .... रानी का उल्लेख मिलता है।
उतर– प्रभावती गुप्त

4. .... विशिष्ट परिस्थितियों में सता का उपभोग करने वाली रानी थी।
उतर– प्रभावती गुप्त

5. वर्ण व्यवस्था की उत्पति .... व्यवस्था है।
उतर– दैवीय

6. ऋग्वेद में वर्णित इंद्र देवता .... प्रतीक है?
उत्तर– युद्ध एवं शौर्य

7. .... महाभारत का उपदेशात्मक अंश है।
उत्तर– भगवद्गीता

8. गोत्र से बाहर विवाह करने को .... कहते है
उत्तर– बहिर्विवाह

9. जहां वंश परम्परा माँ से जुड़ी होती थी वहाँ शब्द का इस्तेमाल होता है।
उत्तर– पितृवंशिकता

10. गोत्र, कला में होने वाला विवाह .... कहलाता है।
उत्तर– अन्तर्विवाह

11. गोत्र के सदस्य .... के वंशज माने जाते थे।
उत्तर– ऋषि

12. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्रों में .... वर्णो के लिए आदर्श जीविका से संबंधित नियमों का उल्लेख मिलता है।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– चार

13. सातवाहन काल में राजाओं को ....उनके से जाना जाता था।

उत्तर– मातृनाम

14. मंदसौर को अन्य .... नाम से जाना जाता है।

उत्तर– दशपुर

15. अधिकतर राजवंश .... प्रणाली का अनुसरण करते थे।

उत्तर– पितृवंशिकता

16. शवो की अंत्येष्टि व मृत पशुओं को छुने वालो ....कहा जाता था।

उत्तर– चाण्डाल

17. गोत्र एक .... नाम पर होता था ।

उत्तर– वैदिक ऋषि

18. बी.बी लाल को हस्तिनापुर आबादी .... साक्ष्य मिले हैं।

उत्तर– पाँच स्तर

19. वी. एस. सुकथांकर .... विद्वान थे।

उत्तर– संस्कृत

20. जात .... बड़े समूहों को कहते है।

उत्तर– बांधवों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. मनुस्मृति का संकलन कब हुआ ? कौनानी भाषा में?

उत्तर– 200ई ई० पूर्व से 200 ई. के बीच संस्कृत भाषा में

2. पुरुषसुक्त कहां से लिया गया है?

उत्तर– ऋग्वेद के दसवे मण्डल से

3. ब्रह्माणों के द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन–कौन से है?

उत्तर– ब्रह्माण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र

4. धर्मशास्त्रों के अनुसार क्षत्रियों के दो कार्य बताईए।

उत्तर– युद्ध करना, लोगों की सुरक्षा करना

5. पितृवंशिकता से क्या तात्पर्य है।

उत्तर– वह वंश परम्परा जो पिता के पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र से चलती है।

6. मनुस्मृति के अनुसार चाण्डालो के दो कर्तव्य बताईए

उत्तर– गाँव के बाहर रहना, मरे हुए लोगों के वस्त्र पहनाना

7. 'सूत' कौन थे?

उत्तर– महाभारत की मूलकथा के रचयिता भाट सारथी

8. उन चीनी यात्रियों के नाम लिखिए जिन्होंने लिखा कि चाण्डालों को नगर से बाहर रहना पड़ता है।

उत्तर– फा–शिएन, श्वैन त्सांग

9. स्त्रीधन से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था।

10. मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के दो तरीके बताईए।

उत्तर– स्नेह के प्रतीक के रूप में, माता–पिता से उपहार

11. मज्झिमनिकाय किस भाषा में लिखा गया?

उत्तर– पालि भाषा में, बौद्ध ग्रंथ है।

12. महाभारत की विषयवस्तु के दो शीर्षक क्या है?

उत्तर– आख्यान, उपदेशात्मक

13. सातवाहन शासकों की समयावधि क्या थी?

उत्तर– 200 ई. पूर्व से 200 ई. तक

लधुत्तरात्मक प्रश्न–

1. गोत्र के दो नियम बताईए ।

उत्तर– (i) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था।

(ii) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं कर सकते।

2. सामाजिक विषमताएँ कौन–कौन ही थी?

उतर – (i) ब्रह्माणों को पहला दर्जा प्राप्त था

(ii) शुद्र एवं अस्पृश्यों को सबसे निम्नस्तर पर रखा जाता था।

3. मनुस्मृति के अनुसार पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के कौन से तरीके थे?

उत्तर– विरासत, खोज, खरीद, निवेश, विजेता, भेंट

4. ब्रह्माणों ने आदर्श जीविका से संबंधित नियमों का पालन करवाने के लिए कौनसी नीति अपनाई ?

उत्तर– (i) ब्रह्माणों ने वर्ण व्यवस्था की उत्पति को एक दैवीय व्यवस्था बताया।

(ii) वे शासकों को नियमों का अनुसरण करने का उपदेश देते थे।

5. ब्रह्माण ग्रंथों के अनुसार संपति पर अधिकार के लिए कौनसे आधार थे?

उत्तर– (i) लिंग (ii) वर्ण

6. धर्मसूत्र तथा धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के लिए 'आदर्श जीविका' से जुड़े नियम कौन–कौन से है?

उत्तर– ब्रह्माण – वेदो की शिक्षा, यज्ञ कार्य

शेखावाटी मिशन–100

क्षत्रिय – युद्ध करना, सुरक्षा प्रदान करना,

वैश्य – कृषि, पशुपालन, व्यापार के कार्य

शुद्र – तीनो वर्णों की सेवा

7. अन्तर्विवाह व बहुविवाह पद्धति में अन्तर बताईए–

उत्तर– अन्तर्विवाह – एक गोत्र, कुल में विवाह करना

बहिर्विवाह – गोत्र से बाहर विवाह करना

8. मनुस्मृति में स्त्रियां कितने तरीको से धन अर्जित कर सकती थी ?

उत्तर– वधूगमन के समय भेंट, माता पिता, भाई से भेंट, पति से प्राप्त भेंट और वैवाहिक अग्नि के समय भेंट, स्नेह प्रतीक के रूप में भेंट

9. मनुस्मृति में पहली व चौथी विवाह पद्धति क्या है ?

उत्तर – ब्रह्म विवाह (पहली पद्धति) – पिता वर को घर बुलाकर कन्या को सौंप देता था।

प्रजापत्य विवाह (चौथी पद्धति) – पिता वर को कन्या प्रदान करते समय एकजुट रहकर कर्तव्य निर्वहन का आदेश देता था।

10. वर्ण व जाति में अंतर बताईए–

उत्तर–

वर्ण	जाति
(i) संख्या – चार	(i) संख्या– निश्चित नहीं
(ii) दैवीय व्यवस्था	(ii) जन्म आधारित व्यवस्था

11. 600 ई पूर्व से 600 ईं पूर्व के बीच समाज पर क्या प्रभाव पड़े ?

उत्तर – (i) विशिष्ट सामाजिक समूह का उदय हुआ।

(ii) संपति के असमान वितरण से सामाजिक विषमताओं का जन्म हुआ।

12. इतिहासकार किसी ग्रंथ या साहित्य स्रोत का विश्लेषण करते समय किन पहलुओं पर विचार करते हैं।

उत्तर– (i) ग्रंथ की भाषा (ii) ग्रंथ की विषयवस्तु

(iii) ग्रंथ का रचनाकाल (iv) लेखक की जानकारी

13. पितृवंशिकता व मात्तृवंशिकता में अन्तर बताईए–

उत्तर– पितृवंशिकता – वंश परम्परा में पिता के बाद पुत्र, पौत्र प्रपौत्र आदि से चलती है।

मातृवंशिकता – वंश परम्परा माँ से जुड़ी हुई है।

14. उत्तम विवाह के नाम बताईए ।

उत्तर – ब्रह्म, दैव, आर्य, प्रजापत्य विवाह

15. सातवाहन नरेशों ने गोत्र के नियमों की अवलेहना करने के पीछे क्या कारण था?

उत्तर– सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों ने विवाह के गोत्र पति के स्थान पर पिता के नाम पर ही बनाए रखा क्योंकि यह ब्रह्मणीय व्यवस्वा को नहीं मानते थे।

16. जुनागढ़ अभिलेख से क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर – संस्कृत में लिखे हुए जुनागढ अभिलेख से (लगभग 200 ई. में शक शासक रुद्रदामन ने सुदर्शन झील की मरम्मत करवाई।

17. फा–शियन चीनी यात्री ने चाण्डालों के बारे में क्या बताया है?

उत्तर – पाँचवी शताब्दी में लिखा है कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते समय करताल बजाकर अपने चाण्डाल होने की सूचना देनी पड़ती थी।

18. श्वैनत्सांग ने चाण्डालो के बारे में क्या बताया है?

उत्तर– जल्लाद और सफाई करने वालो को नगर से बाहर रहना पड़ता था

19. हस्तिनापुर से प्राप्त तृतीय स्तर के साक्ष्य से क्या जानकारी मिलती है ?

उत्तर– घर कच्ची एवं पक्की ईटो से निर्माण, वलय कूप, शोषक घट का उल्लेख।

अध्याय – 4

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास

(अंक भार– 7)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. साँची के स्तूप की खोज कब हुई?

(अ) 1818 ई. (ब) 1918 ई.

(स) 1718 ई. (द) 1878 ई. (अ)

2. साँची के स्तूप का उत्खनन किसने करवाया?

(अ) कनिंघम (ब) मार्शल

(स) अ व ब दोनों (द). टेलर (स)

3. सर जॉन मार्शल ने साँची पर लिखे महत्वपूर्ण ग्रंथो को किसको समर्पित किया?

(अ) जेम्स टॉड (ब) कनिंघम

(स) सुल्तानजहाँ बेगम (द) थॉमस (स)

4. बौद्ध ग्रंथो में कितने सम्प्रदाय या चिंतन परम्पराओं का उल्लेख मिलता है?

(अ) 10 (ब) 94

(स) 64 (द) 24 (स)

5. महावीर स्वामी एवं महात्मा बुद्ध कौनसे देश के चिंतक है–

(अ) भारत (ब) ईरान

(स) चीन (द) यूनान (अ)

शेखावाटी मिशन–100

6. सुकरात, अरस्तु, प्लेटो का संबंध कौनसे देश से है ?
(अ) यूनान (ब) ईरान
(स) भारत (द) चीन (अ)

7. दीपवंश व महावंश बौद्ध ग्रंथ कौनसे देश के संबंधित है।
(अ) श्रीलंका (ब) भारत
(स) नेपाल (क) चीन (अ)

8. महात्मा बुद्ध के बचपन का क्या नाम था ?
(अ) सिद्धार्थ (ब) वर्द्धमान
(स) गौतम (द) महावीर (अ)

9. जैन धर्म में 24 वें शिक्षक (तीर्थंकर) कौन थे–
(अ) महावीर स्वामी (ब) महात्मा बुद्ध
(स) आदिनाथ (द) पार्श्वनाथ (अ)

10. वह हिंदु परम्परा जिसमें विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है?
(अ) शैव (ब) वैष्णव
(स) लिंगायत (द) जैन (ब)

11. आजीवक सम्प्रदाय के किए किस सम्राट ने प्राचीन कृत्रिम गुफाओं का निर्माण करवाया।
(अ) बिम्बिसार (ब) अशोक
(स) रुद्रदामन (द) समुद्रगुप्त (ब)

12. कैलाशनाथ मंदिर (शिव) कहां पर है।
(अ) भोपाल (ब) उज्जैन
(स) एलोरा (द) मुम्बई (स)

13. अर्जुन की तपस्या का चित्रण कौनसी चट्टान पर हुआ है?
(अ) मदुरै (ब) मद्रास
(स) कांचीपुरम (द) महाबलिपुरम (द)

14. अमरावती स्तूप की खोज कब हुई ?
(अ) 1896 (ब) 1796
(स) 1817 (द) 1717 (ब)

15. अमरावती स्तूप की खोज किसने की?
(अ) कनिंघम (ब) मार्शल
(स) व्हीलर (द) मैकेंजी (द)

16. 1854 ई. में अमरावती की यात्रा किसने की?
(अ) वाल्टर इलियट (ब) जॉर्ज थॉमस
(स) हेनरी टेलर (द) जेम्स टॉड (अ)

17. स्तूप में अंड के ऊपर का हिस्सा क्या कहलाता है?
(अ) अंडा (ब) हर्मिका
(स) वेदिका (द) यष्टि (ब)

18. किस सम्राट ने लुम्बिनी की अपनी यात्रा की याद में स्तम्भ बनवाया।
(आ) कुमारगुप्त (ब) समुद्रगुप्त
(स) अशोक (द) चन्द्रगुप्त (स)

19. बौद्ध ग्रंथो के अनुसार अशोक ने कितने स्तूप बनाए–
(अ) 50,000 (ब) 85,000
(स) 84,000 (क) 80,000 (स)

20. महात्मा बुद्ध ने प्रथम उपदेश कहाँ दिया?
(अ) कपिलवस्तु (ब) लुम्बिनी
(स) सारनाथ (द) बोधगया (स)

21. महात्मा बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ ?
(अ) लुम्बिनी (ब) सारनाथ
(स) बोधगया (द) कुशीनगर (अ)

22. महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति कहाँ पर हुई ?
(अ) लुम्बिनी (ब) बोधगया
(स) कुशीनगर (द) सारनाथ (ब)

23 महात्मा बुद्ध का निर्वाण कहाँ पर हुआ ?
(अ) कुशीनगर (ब) सारनाथ
(स) लुम्बिनी (द) कपिलवस्तु (अ)

24. थेरीगाथा ग्रंथ कौनसे धर्म से संबंधित है?
(अ) जैन (ब) बौद्ध
(स) शैव (द) वैष्णव (ब)

25. बौद्ध संघ में शामिल होने वाली प्रथम भिक्षुणी थीः–
(अ) पैटाचारा (ब) आम्रपाली
(स) गौतमी (द) यशोधरा (स)

26. साँची का स्तूप किस राज्य में है
(अ) उत्तरप्रदेश (ब) मध्यप्रदेश
(स) बिहार (द) गुजरात (ब)

27. दिन ग्रंथों में बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन दिया?
(अ) बौद्ध ग्रंथ (ब) दीपवंश
(स) महावंश (द) त्रिपिटक (द)

28. किस ग्रंथ में बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम संकलित किये गये है?
(अ) सुत पिटक (ब) अभिधम्म पिटक

शेखावाटी मिशन–100

(स) विनय पिटक (द) बुद्धचरित (स)

29. महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन किसमें है?
(अ) विनयपिटक (ब) सुतपिटक
(स) अभिधम्म पटिक (द) बुद्धचरित (ब)

30. जैन धर्म के 23 वें तीर्थकर (महापुरूष) कौन थे?
(अ) पार्श्वनाथ (ब) आदिनाथ
(स) सुमतिनाथ (द) महावीर (अ)

31. विष्णु के कितने अवतारों की कल्पना की गई है।
(अ) 12 (ब) 10
(स) 11 (द) 9 (ब)

32. अशोक ने किस सम्प्रदाय के संतो के लिए बराबर की गुफाओं का निर्माण करवाया था?
(अ) आजीवक (ब) शैव
(स) शाक्त (द) वैष्णव (अ)

33. यूनानी शैली से प्रभावित मुर्तिया कहाँ से प्राप्त हुई।
(अ) तक्षशिला (ब) पेशावर
(स) अ, ब दोनों (द) लाहौर (स)

34. साँची के स्तूप संरक्षण में शाहजहाँ बेगम एवं सुल्तान जहाँ बेगम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दोनो शासक कहाँ की थी ?
(अ) भोपाल (ब) उज्जैन
(स) मंदसौर (द) इंदौर (अ)

35. जेम्स फर्गुसन ने वृक्ष एवं सर्प पूजा का केंद्र किसे माना है।
(अ) साँची (ब) भरहुत
(स) अमरावती (द) भोपाल (अ)

36. थेरीगाथा बौद्ध ग्रंथ किस पिटक का हिस्सा है?
(अ) सुतपिटक (ब) अभिधम्मपिटक
(द) विनयपिटक (द) बुद्धचरित (अ)

37. स्तूप में हर्मिका से एक मस्तूल निकलता है उसे क्या कहा जाता है?
(अ) हर्मिका (ब) यष्टि
(स) वेदिका (द) अंड (ब)

38. पंचमहाव्रत कौनसे धर्म से संबंधित है?
(अ) जैन (ब) बौद्ध
(स) शैव (द) वैष्णव (अ)

39. शाहजी की ढेरी स्तूप कहाँ पर है?
(अ) पेशावर (ब) लाहौर
(स) गांधार (द)तक्षशिला (अ)

40. बौद्ध में धर्म को कितनी शाखाओं में विभाजित किया है।
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच (अ)

41. अमरावती का स्तूप कहाँ पर है।
(अ) गुंटूर (आंध्रप्रदेश) (ब) एलोरा, महाराष्ट्र
(स) मुदुरै (तमिलनाडु) (द) भोपाल, मध्यप्रदेश (अ)

42. शेषनाग पर आराम करते हुए विष्णु की मूर्ति कहाँ पर मिली है?
(अ) देवगढ़ (ब) साँची
(स) भोपाल (द) झाँसी (अ)

43. वह संकल्पना जिसमें शिव परमेश्वर है?
(अ) वैष्णव (ब) शैव
(स) जैन (द) बौद्ध (ब)

44. बौद्ध धर्म में चिंतन की नई परम्परा का क्या नाम दिया गया ?
(अ) महायान (ब) हीनयान
(स) दिगम्बर (द) शैव (अ)

45. बौद्ध धर्म में पुरातन परम्परा के अनुयायियों को क्या कहा जाता था ?
(अ) महायान (ब) हीनयान
(स) थेरवादी (द) ब, स दोनो (द)

46. अजंता (महाराष्ट्र) की गुफा किसके लिए प्रसिद्ध है।
(अ) मूर्तिकला (ब) चित्रकला
(स) स्तूप (द) मुद्रांकन (ब)

47. किस लेखन के अनुसार एक वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई ?
(अ) बौद्धचरित (ब) सुतपिटक
(स) विनयपिटक (द) अभिधम्म पिटक (अ)

48. वाल्टर इलियट कहाँ का कमिश्नर था।
(अ) गुटूंर (ब) मद्रास
(स) कलकता (द) कटक (अ)

49. अमरावती स्तूप की खोज किसने की ?
(अ) कनिंघम (ब) जॉर्ज थॉमन
(स) कॉलिन मैकेंजी (द) इलियट (स)

50. साँची के एक तोरणद्वार का हिस्सा कौनसे शिल्पकारों के दान से बनाया गया था?
(अ) रेशम बुनकर (ब) हाथीदांत का कार्य करने वाले
(स) दस्तकार (द) व्यापारी (ब)

51. भिक्षुणियों के द्वारा रचित छुंदों का संकलन किसमें किया गया है?

शेखावाटी मिशन–100

(अ) सुतपिटक (ब) विनयपिटक
(स) थेरीगाथा (द) बुद्धचारित (स)

52. महात्मा बुद्ध की मृत्यु के बाद (5–4 ई. पूर्व), उनके शिष्यों ने कहाँ पर सभा बुलाई?
(अ) राजगृह (ब) नालन्दा
(स) सारनाथ (द) वैशाली (द)

53. शाहजहाँ बेगम की आत्मकथा ताज–उल इकबाल तारीख का अनुवाद कब और किसने किया?
(अ) 1889 कनिंघम (ब) 1878 जॉन मार्शल
(स) 1876 एच डी बारस्टो (द) 1882 जॉर्ज थॉमस (स)

54. जरथुस्त्र चिंतक किस देश का निवासी था ?
(अ) चीन (ब) ईरान
(स) युनान (द) भारत (ब)

55. "इस देश की प्राचीन कलाकृतियों की लूट होने देना मुझे आत्मघाती और असमर्थनीय नीति लगती है।" यह कथन किसका है?
(अ) एच डी बारस्टो (ब) एचएच कोल
(स) मार्शल (द) कनिंघम (ब)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. शिक्षक अपने दार्शनिक विचारों की चर्चा कहां करते थे ?
उत्तर– कुटरागारशालाओं में

2. शिखर क्या है?
उत्तर – मंदिर के गर्भगृह के ऊपर ऊँचा ढाँचे का नाम।

3. भक्ति क्या है?
उत्तर– अराधना में उपासना एवं ईश्वर के बीच रिश्ता प्रेम व समर्पण का भाव ।

4. साँची के स्तूप की खोज कब व किसने की ?
उतर – 1818ई, हेनरी टेलर

5. साँची के स्तूप का उत्खनन कब व किसने करवाया?
उत्तर– 1851 ई. कनिंघम एवं मार्शल 1912।

6. फ्रांसिसियों ने साँची के पूर्वी तोरण द्वार को फ्रांस के संग्राहलय में प्रदर्शित करने के लिए भोपाल के किस शासक से अनुमति माँगी?
उत्तर– शाहजहाँ बेगम

7. जॉन मार्शल की पुस्तकों के विभिन्न खण्डों का प्रकाशन, संग्रालय एवं अतिथिशाला बनाने में किसने अनुदान दिया ?
उत्तर– सुल्तान जहाँ बेगम

8. ऋग्वैदकालीन परम्परा (1500–1000ई ५०) किन देवताओं की स्तुति का संग्रह है?
उत्तर– अग्नि, इन्द्र, सोम

9. सांची को विश्व धरोहर का दर्जा कब दिया गया?
उत्तर– 1989 ई.

10. बौद्ध ग्रंथो की खोज के लिए कौन–कौन चीनी यात्री भारत आए ?
उतर – फा–शियन, श्वैनत्सांग

11. ऐसे लोग जो विश्वास करते थे कि सब कुछ पूर्व निर्धारित है कौनासी विचारधारा से संबंध है।
उत्तर– नियतिवाद

12. लोकायत परम्परा वालों को क्या कहा जाता है?
उत्तर– भौतिकतावादी

13. जैन मान्यता के अनुसार जन्म एवं पुनर्जन्मका चक्र किसके द्वारा निर्धारित होता है?
उत्तर– कर्म के द्वारा

14. जैन विद्वानों ने कौन–कौन सी भाषा में साहित्य का सृजन किया है?
उत्तर– संस्कृत, तमिल, प्राकृत

15. बौद्ध धर्म का प्रचार कौन–कौन से देशों में हुआ
उत्तर– चीन, कोरिया, जापान, थायलैंड, श्रीलंका

16. जैन व बौद्ध धर्म में क्या साम्यता है?
उत्तर– नास्तिक

17. बौद्ध धर्म के अनुसार मनुष्य दुखो से कैसे मुक्ति पा सकता है?
उत्तर– मध्यम मार्ग अपनाकर

18. सिद्धार्थ कई दिनो तक ध्यान करते हुए अंततः ज्ञान प्राप्ति के बाद क्या कहलाए ?
उत्तर– बुद्ध

19. महात्मा बुद्ध ने जन्म–मरण चक्र से मुक्ति, आत्म–ज्ञान निर्वाण के लिए किसकी कल्पना की है?
उत्तर– व्यक्ति केन्द्रित हस्तक्षेप एवं सम्यक कर्म

20. थेरी क्या है?
उत्तर– बौद्ध धर्म में शामिल स्त्रियां जो उपदेशिका बनकर निर्वाण प्राप्त कर किया ।

21. 'स्तूप' क्या है।
उत्तर – बुद्ध से जुड़े अवशेष जैसे अस्थियां या उनके द्वारा प्रयुक्त समान गाड़ दिया जाता है। टीले को स्तूप कहते है।

22. किस बौद्ध ग्रंथ के अनुसार अशोक ने बुद्ध के अवशेषों के हिस्से हर महत्वपूर्ण शहर में बाँट दिया और उनके ऊपर स्तूप बनाने

शेखावाटी मिशन–100

का आदेश दिया?

उत्तर – अशोकावदान ग्रंथ

23. कौनसे स्तूप बिना अंलकरण के है।

उत्तर– साँची एवं भरहूत

24. अमरावती एवं शाहजी ढेरी स्तूपों में किसके उदाहरण मिले है।

उत्तर– लाख एवं मूर्तियों का उत्त्कीर्ण

25. वाल्टर इलियर ने गुंटूर से कई मूर्तिया एवं उत्कीर्ण पत्थर को मद्रास ले गये उन्हें किस नाम से जाना गया ?

उत्तर– एलियट संगमरमर

26. साँची में जातकों से ली गई कौन–कौन से आनवरों का उत्कीर्णन किया गया है।

उत्तर – हाथी, घोड़े, बंदर, गाय–बैल

27. थेर क्या है?

उत्तर – बौद्ध धर्म में प्रतिष्ठित शिक्षक

28. आजीवक सम्प्रदाय से जुड़ी बराबर गुफाकहाँ पर है।

उत्तर– बिहार में

29. वे महापुरूष जो पुरुष व महिलासों को जीवन की नदी के पार पहुंचाते है उन्हें क्या कहा जाता है?

उत्तर – तीर्थंकर

30. मंदिर स्थापत्य कला में 'गर्भगृह' क्या है

उत्तर– मंदिर का चौकोर कमरा

31. साँची का स्तूप कहाँ स्थित है।

उत्तर – मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कनखेड़ा गाँव में है।

32. साँची के स्तूप को आर्थिक अनुदान देने वाले शासकों के नाम बताईए ।

उत्तर– 1. शाहजहाँ बेगम 2. सुल्तान जहाँ बेगम (भोपाल)

33. पौराणिक हिन्दू धर्म में किन दो प्रमुख देवतओं की पूजा प्रचलित थी? उत्तर– 1. शिव 2. विष्णु

34. ब्रह्माण पुरोहितो द्वारा कौनसा यज्ञ करवाया जाता था ?

उत्तर– राजसूय, अश्वमेध यज्ञ

35. जैन धर्म में मुक्ति का क्या मार्ग है?

उत्तर– त्याग–तपस्या के द्वारा

36. हीनयान व महायान में क्या अंतर है?

उत्तर– हीनयान – बुद्ध को अवतार नहीं मानते है।

महायान –बुद्ध को देवता मानते है।

37. स्तूप की संरचना के प्रमुख तत्व कौन–कौन से है ?

उत्तर– अंड (मिट्टी का शिला)

हर्मिका (छज्जे जैसा ढांचा)

यष्टि (हर्मिका से निकला मस्तूल

वेदिका (टीले के चारों ओर बनी वेदिका)

38. श्रीलंका के इतिहास पर प्रकाश डालने वाले बौद्ध ग्रंथो के नाम लिखिए।

उत्तर –दीपवंश, महावंश

लघुत्तरात्मक प्रश्न :–

1. नियतिवाद व भौतिकतावाद में अंतर बताईए।

उत्तर– नियतिवाद– सबकुछ पूर्व निर्धारित है।

भौतिकतावाद – दान, यज्ञ दिखावा है। दुनिया का कोई अस्तित्व नहीं है।

2. जैन धर्म के दो सिद्धान्त का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1. जीवों के प्रति अहिंसा

2. जन्म मरण चक्र कर्म के द्वारा निर्धारित होना।

3. बौद्ध धर्म के दो सिद्धांतो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1. विश्व अनित्य है और परिवर्तनशील है।

2. विश्व आत्माविहीन है। यहाँ कुछ भी स्थाई नहीं है।

4. सिद्धार्थ ने कौनसे दृश्य देखकर घर त्यागने का निश्चय किया?

उत्तर – एक वृद्ध व्यक्ति, एक रोगी, एक लाश, एक संन्यासी

5. जैन धर्म की दो शिक्षाएं बताईए।

उत्तर– अहिंशा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह

6. त्रिपिटक क्या है? नाम लिखिए।

उत्तर– शाब्दिक अर्थ – तीन टोकरिया

1. सुतपिटक 2. विनय पिटक 3. अभिधम्म पिटक

7. जैन व बौद्ध धर्म में दो साम्यता बताईए।

उत्तर– 1. दोनो धर्म अनीश्वरवादी है।

2. दोनो धर्म अहिंसा के सिद्धांत में विश्वास करते हैं।

3. दोनो धर्म ने यज्ञ, बहुदेववाद और कर्मकाण्ड का विरोध किया है।

8. 6 वीं शताब्दी ई पूर्व में दो मूर्तियों के नाम बताईए।

उत्तर – 1. देवगढ़ – विष्णु की मूर्ति

2. उदयगिरि – वराह की मूर्ति

9. शालभंजिका मूर्ति के बारे में बताईए ।

उत्तर – त्रिभंग मूर्ति, साँची, सारनाथ में मिली है। साँची के तोरणद्वार के किनारे एक पेड़ पकड़कर झुलते हुए दर्शाया गया है। यह

शेखावाटी मिशन–100

शुभता का प्रतीक है।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्नः–

1. 'पंचमहावर्त' के बारे में बताईए ।

उत्तर– 1. हत्या न करना 2. चोरी न करना
3. झूठ न बोलना ब्रह्मचर्य 4. ब्रह्मचर्य
5. धन संग्रह न करना

2. बौद्ध धर्म के अनुसार चार आर्य सत्य क्या है?

उत्तर– 1. दुःखः– संसार में सर्वत्र दुःख ही दुःख है।
2. दुःख समुदायः – दुःख का कारण तृष्णा है।
3. दुःख निरोधः– तृष्णा नष्ट कर देने से दुखों से मुक्ति मिल सकती है।
4. दुःख निरोध मार्गः– तृष्णा के विनाश के लिए अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

3. जैन व बौध धर्म में अंतर बताईए।

जैन	बौद्ध
1. आत्मवादी है	1. अनात्मवादी है
2. साहित्य को आगम कहा जाता है।	2. साहित्य को जातक कहा जाता है।
3. मुक्ति का मार्ग कठोर त्याग तपस्या पर बल	3. मुक्ति का मार्ग मध्यमार्ग द्वारा

4. हिन्दू धर्म में 'अवतरवाद' के बारे में बताईए

उत्तर – इस अवतार में विष्णु के के दस अवतारों की कल्पना की गई है। पापियों के बढ़ते प्रभाव के कारण जब संसार में अराजकता, अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने के कारण संसार की रक्षा के लिए भगवान अलग अलग रूपों में अवतार लेते थे।

5. स्तूप किन लोगो के अनुदान से बनाये गये है?

उत्तर –1. शिल्पकार व व्यापारियों की श्रेणियों द्वारा
2. बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों के अनुदान से
3. महिला व पुरुषों के द्वारा दिया गया दान
4. शासकों द्वारा दान – शाहजहाँ बेगम, सुल्तान जहाँ बेगम

6. ईसा पूर्व प्रथम सहस्त्राब्दी में विश्व में किन प्रसिद्ध चिंतको का उद्भव हुआ?

उत्तर– ईरान– जरथुस्त्र, चीन– खुंगत्सी
युनान – सुकरात, अरस्तू, प्लेटो
भारत–महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध

7. महात्मा बुद्ध या बौद्ध धर्म की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है–

उत्तर– 1. चार सत्य अवधारणा – दुःखो एवं कष्टों का निवारण के लिए प्रचलित है।

2. मध्यम मार्ग – अष्टांगिक मार्ग ही मध्यम मार्ग है इनका अनुसरण करके मोक्ष की प्राप्ति सरल है। न तो कठोर तपस्या, न ही भोग–विलास मे लिप्त होना चाहिए।

3. विश्व अनित्य है– 'विश्व अनित्य है व परिवर्तनशील है। संसार में कुछभी स्थायी नहीं है।

4. मानसिक शांति और तनाव मुक्ति–
बुद्ध की शिक्षाएं वर्तमान में जीना और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

5. अहिंसाव शांति – आंतकवाद और हिंसा से जूझ रही दुनिया में बुद्ध अहिंसा, करुणा, मैत्री का संदेश विश्व शांति व सद्भाव के लिए महत्त्वपूर्ण है।

6. सामाजिक न्याय एवं समानता– बुद्ध ने समाज में समानता और सभी प्राणियों के प्रति प्रेम का संदेश दिया जो कि सामाजिक भेदभाव व असमानता को दूर करने में प्रासंगिक है।

7. अष्टांगिक मार्ग– सही समझ, सही इरादा, सही वाणी, सही कर्म, सही आजीविका, सही स्मृति एवं एकाग्रता नैतिक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए व्यावहारिक ढाँचा है।

8. आत्म जागरूकता और आत्म नियंत्रण– व्यक्तिगत उन्नति और चरित्र निर्माण के लिए उपदेश आज भी महत्वपूर्ण है।

8. जैन धर्म में अहिंसा के सिद्धांत की प्रासंगिकता इंगित कीजिए–

उत्तर– 1. मानसिक शांति और पारिवारिक सद्भाव–
क्रोध, लोभ, अंहकार जैसे मानसिक विकारों से मुक्ति दिलवाकर व्यक्ति के भीतर और समाज में शांति स्थापित करता है।

2. पर्यावरण संकट– प्रकृति के प्रत्येक जीव के प्रति दया रखना जो आज के पर्यावरण संकट का समाधान है

3. विश्व शांति और सामाजिक सद्भाव – सभी प्राणियों के प्रति प्रेम सीखाता है जिससे विश्व में शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

4. समस्याओं का स्थायी समाधान – रूस–युक्रेन युद्ध, गाजा पट्टी विवादों को हल करने का समाधान प्रेम के करुणा के माध्यम से किया जा सकता है।

9. 'बौद्ध मूर्तिकला में कुछ को प्रतीको के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया है।' स्पष्ट कीजिए–

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– कमल – जन्म का प्रतीक, महाभिनिष्क्रमण–गृह त्याग की घटना, महापरिनिर्वाण – मृत्यु । इन प्रतीकों को महायान शाखा ने पूजा करने में माध्यम बनाया है।

10. साँची के कौन कौन से प्रतीक लोक परम्पराओं से जुड़े है–

उत्तर– 1. जानवरों का उत्कीर्ण –
हाथी, घोड़ा, बन्दर, गाय, बैल का उत्कीर्ण किया गया है। हाथी को शक्ति एवं ज्ञान का प्रतीक कहा गया है।
2. शालभंजिका की मूर्तिः– शुभता का प्रतीक माना जाता है।
3. बुद्ध की माता की मूर्तिः– एक महिला के ऊपर हाथी के के ऊपर द्वारा जलाभिषेक हो रहा है। कुछ इतिहासकारों के अनुसार यह महिला सौभाग्य की देवी गजलक्ष्मी है।
4. सर्पों का उत्त्कीर्णं– जेम्स फर्ग्युसन के अनुसार साँची में ओं और सर्पों की पूजा की जाती है। उपर्युक्त प्रतीक लोक परम्पराओं से जुड़े हुए है।

11. महाबलिपुरम (तमिलनाडु) में विशाल चट्टान पर कौन–कौन सी मूर्तियां उत्तीर्ण की गई है?

उत्तर– 1. गंगा नदी के स्वर्ग से अवतरण का चित्रण –
चट्टान की सतह के मध्य प्राकृतिक दरार शायद नदी का अंकन किया गया है।
2. दिव्यास्त्र प्राप्त करने के लिए महाभारत में दी गई अर्जुन की तपस्या को दिखाया गया है।
3. मूर्तियों के बीच एक साधु को केन्द्र में रखे जाने की बात को महत्व देते हैं।

12. साँची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल के शासको के योगदान के बारे में बताईए।

उत्तर– 1. शाहजहाँ बेगम और उनकी उत्तराधिकारी सुल्तान जहाँ बेगम ने इस स्थल के रख–रखाव के लिए धन का अनुदान दिया ।
2. सुल्तान जहाँ बेगम ने संग्रालय और अतिथिशाला बनाने के लिए अनुदान दिया ।
3. साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस के संग्रालय में प्रदर्शित करने के लिए शाहजहाँ बेगम से फ्रांस ले जाने की अनुमति मांगी।
4. अंग्रेजो ने तोरण द्वार ब्रिटेन ले जाने के लिए अनुमति मांगी लेकिन शाहजहाँ बेगम ने मूल कृति को भोपाल में रखकर फ्रासिसियों व अंग्रेजो को प्लास्टर प्रतिकृति से संतुष्ट कर दिया।

13. नियतिवाद व भौतिकतावाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– <u>नियतिवाद व भौतिकतावाद में अंतर</u>

नियतिवाद–
1. सभी घटनाएं, मानवीय क्रियाएं भी पूर्व निर्धारित होती है।
2. स्वतंत्र इच्छा का अभाव होता है क्योंकि सब कुछ पूर्व निर्धारित होता है।
3. कर्ममुक्ति की निरर्थक आसा जो भाग्य में है भोगना ही पड़ेगा

भौतिकतावाद–
1. केवल भौतिक पदार्थ ही वास्तविक है।
2. जीवन को इसी एक जीवन में पूरी तरह जीने व उपयोग करने पर जोर देता है।
3. संसार में दान, यज्ञ या चढ़ावा कोई वस्तु नहीं होती है।

14. महायान बौद्ध का विकास किस प्रकार से हुआ?

उत्तर– पहली शताब्दी ई. के आसपास भारत में एक सुधार आंदोलन के रूप में हुआ।।

<u>विकास होने के कारण–</u>
1. बौद्ध धर्म की कठोरता को सरल बनाया
2. बोधिसत्व की अवधारणा पेश की
3. सभी प्राणियों के लिए मुक्ति का मार्ग खोला
4. बुद्ध को ईश्वरतुल्य व्यक्ति के रूप में देखा जिससे आम जनता और विभिन्न संस्कृतियों के लिए सुलभ हो गया जो चीन, जापान, तिब्बत जैसे क्षेत्रों में फैल गया।

15. पौराणिक हिन्दू धर्म के उदय के प्रमुख कारण लिखिए–

उत्तर– 1. वैदिक परम्पराओं का स्थानीय संस्कृतियों से जुडाव जिससे स्थानीय प्रथाएँ शामिल हुई।
2. उपनिषद से दार्शनिक और आध्यात्मिक गहराई जो हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को आधार बना।
3. पुराण, महाकाव्य (रामायण, महाभारत) के माध्यम से कहानिया और देवताओं (शिव, विष्णु) की सरल व्याख्या था जिससे यह धर्म आम लोगों के लिए सुलभ बना।
4. गुप्तकाल में वैदिक धर्म को राजधर्म बनाया गया
5. भक्ति आंदोलन ने भी लोकप्रिय बनाया।

16. 'गांधार शैली' के बारे में बताईए ।

उत्तर– एक यूनानी – रोमन प्रभाव वाली कला है जो 100ई पूर्व तक भारत व अफगानिस्तान (गांधार क्षेत्र) में विकसित हुई जिसमें बुद्ध को पहली बार मानवीय रूप में दर्शाया गया है।

शेखावाटी मिशन–100

प्रमुख विशेषताएँ–

1. यूनानी प्रभाव– बुद्ध की मूर्ति यूनानी देवता (अपोलो) के समान बनाया गया है।

2. वस्त्रः– बुद्ध के वस्त्रों की सलवटें स्पष्ट और गहरी दिखाई देती है जो यथार्थवादी यथार्थ लगती है।

3. केश विन्यास – सिर के बाल घुंघराले और जुड़े के रूप में दिखाया गया है।

4. भावनात्मक अभिव्यक्ति– प्रेम, करुणा और शांति जैसी भावनाओं को मूर्तियों में उकेरा जाता था।

5. विषयवस्तु :– बुद्ध, बोधिसत्व और जातक कथाओं पर आधारित है।

6. सामग्री– काले व भूरे रंग का विशिष्ट पत्थर का उपयोग किया जाता था।

7. केन्द्र – तक्षशिला, पेशावर

अध्याय – 5
यात्रियों के नजरिए
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. इब्न बतूता ने अपनी यात्रा का वर्णन किस भाषा में लिखा ?
(अ) अरबी (ब) फारसी
(स) संस्कृत (द) उर्दू (अ)

2. मार्को पोलो ने तेरहवीं शताब्दी के अंत में जिस स्थान से चलकर चीन और भारत की यात्रा की थी, उसका नाम था ?
(अ) पेरिस (ब) बर्लिन
(स) वेनिस (द) रोम (स)

3. अल बिरूनी किसके साथ भारत आया ?
(अ) मोहम्मद गोरी (ब) महमूद गजनवी
(स) चंगेज खान (द) कुतुबुद्दीन ऐबक (ब)

4. सुल्तान महमूद की राजधानी का नाम था ?
(अ) ख़्वारिज्म (ब) काबुल
(स) लाहौर (द) गजनी (द)

5. फ्रांस्वा बर्नियर जिस शताब्दी में भारत आया था, वह थी ?
(अ) 11 वीं (ब) 13 वीं
(स) 17 वीं (द) 19 वीं (स)

6. मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर किसने कहा था ?
(अ) इब्न बतूता (ब) अल बिरूनी
(स) मनूकी (द) फ्रांस्वा बर्नियर (द)

7. अपने जन्म स्थान तैंजियर से इब्न बतूता का प्रस्थान किस दिन को हुआ ?
(अ) सोमवार (ब) मंगलवार
(स) गुरुवार (द) रविवार (स)

8. इब्न बतूता 1354 में घर वापस पहुंचा, अपनी यात्रा आरंभ करने के लगभग कितने वर्ष बाद ?
(अ) 10 वर्ष (ब) 20 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 40 वर्ष (स)

9. इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार थे?
(अ) 11 (ब) 17
(स) 28 (द) 331 (स)

10. एक डच यात्री जिसने 17वीं शताब्दी के आरंभिक दशकों में उपमहाद्वीप की यात्रा की थी, बर्नियर की ही तरह वह भी लोगों में व्यापक गरीबी देखकर अचंभित था ?
(अ) पेलसर्ट (ब) मनूकी
(स) इब्न बतूता (द) बरबोसा (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. जौहरी ज्यों– बैप्टिस्ट तैवर्नियर .... का निवासी था, जिसने कम से कम .... भारत की यात्रा की।

उत्तर– फ्रांस का, छः बार।

2. ....के रास्ते होकर इब्न बतूता सन् 1333 में स्थल मार्ग से ....पहुँचा।

उत्तर– मध्य एशिया, सिंध।

3. सबसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों में एक नाम ....का है जिसने ....में व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा ।

उत्तर– दुआर्ते बरबोसा, दक्षिण भारत

4. जब .... सिंध पहुँचा तो उसने .... के लिए भेंट स्वरूप घोड़े, ऊँट तथा दास खरीदें ।

उत्तर– इब्न बतूता, मुहम्मद बिन तुगलक।

5. बर्नियर ने .... प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना ।

उत्तर– सती

6. 1347 में ....ने वापस अपने घर जाने का निश्चय किया।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– इब्न बतूता

7. इब्न बतूता द्वारा .... भाषा में लिखा गया उसका यात्रा वृत्तांत जिसे .... कहा जाता है।

उत्तर– अरबी, रिहला

8. ....में लिखी गई अल बिरूनी की कृति .... की भाषा सरल और स्पष्ट है।

उत्तर– अरबी, किताब–उल– हिन्द

9. अल बिरूनी का जन्म आधुनिक उज़्बेकिस्तान के .... में सन् ....में हुआ था।

उत्तर– ख़्वारिज्म, 973

अतिलघुत्तरात्मक प्रशन–

1. किन्हीं चार भाषाओं के नाम लिखिए, जिनका अल–बिरूनी को अच्छा ज्ञान था।

उत्तर– (1) अरबी (2) फारसी
(3) संस्कृत (4) हिब्रू

2. 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री कौन था? वह किस देश का रहने वाला था ?

उत्तर– (1) 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री इब्न बतूता था ।
(2) वह मोरक्को का रहने वाला था।

3. अल बिरूनी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उत्तर– (1) 973 ई. में
(2) उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में ।

4. अल बिरूनी किस शासक के साथ गजनी आया था? अथवा अल बिरुनी को ख़्वारिज्म से बंदी बनाकर गजनी कौन ले आया था ?

उत्तर– (1) महमूद गजनवी
(2) अल– बिरुनी को 1017 ई० में महमूद गजनवी ने ख़्वारिज्म में बंदी बना लिया था और अपने साथ गजनी ले आया था।

5. 1332–33 में भारत के लिए प्रस्थान करने से पहले इब्न बतूता किन क्षेत्रों की यात्राएँ कर चुका था ?

उत्तर– (1) मक्का (2) सीरिया
(3) इराक (4) फारस
(5) यमन (6) ओमान

7. अल–बिरूनी द्वारा कौनसी पुस्तक लिखी गई? उसकी भाषा कौनसी हैं और वह कितने अध्यायों में विभाजित हैं?

उत्तर– (1) किताब–उल–हिन्द
(2) अरबी भाषा में (अल बिरूनी ने अपने लेखन में अरबी भाषा का ही प्रयोग किया था।
(3) 80 अध्यायों में विभाजित हैं

8. इब्न बतूता ने किन दो भारतीय शहरों का वर्णन किया है, उनका नाम लिखिए ?

उत्तर– (1) देहली / दिल्ली (2) दौलताबाद

9. इब्न बतूता का यात्रा वृत्तांत किस नाम से जाना जाता है, उसकी भाषा कौनसी हैं? इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था ?

उत्तर– (1) रिहला (2) अरबी भाषा में
(3) इब्न जुजाई को

10. इब्न बतूता भारत कब आया? उस समय भारत में किस शासक का शासन था ?

उत्तर– (1) 1333 ई. में
(2) तुगलक वंश के शासक मुहम्मद बिन तुगलक का

11. सती प्रथा को विस्तृत वर्णन के लिए किस विदेशी यात्री ने चुना? अथवा किस विदेशी यात्री ने लिखा कि हालाँकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थीं, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने ।

12. मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा किस विदेशी यात्री को दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया था ?

उत्तर– इब्न बतूता को ।

13. इब्न बतूता के निवास स्थान का नाम लिखिए ? इब्न बतूता ने अपनी यात्राएं कब आरंभ की थीं और वह अपने निवास स्थान वापस कब पहुँचा ?

उत्तर– (1) जन्म स्थान / निवास स्थान तैंजियर मोरक्को (उत्तरी अफ्रीका) में।
(2) इब्न बतूता ने अपनी यात्राएँ 1325 ई० में यानि 22 वर्ष की आयु में शुरू की
(3) इब्न बतूता 1354 में अपने घर मोरक्को वापस पहुँचा।

14. इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था ?

उत्तर– इब्न जुजाई ।

15. इब्न बतूता दिल्ली के अलावा किस स्थान पर भी काजी के पद

शेखावाटी मिशन–100

पर रहा?

उत्तर– मालद्वीप (मालद्वीप में इब्न बतूता 18 महीनों तक काजी के पद पर रहा)

16. मुहम्मद बिन तुगलक ने 1342 ई. में किस विदेशी यात्री को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया ?

उत्तर– इब्न बतूता को ।

17. बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं /असमानताओं में से दो कौन–सी हैं?

उत्तर– (1) बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था, जबकि यूरोप में यह मुख्य रूप से विद्यमान था

(2) बर्नियर के अनुसार भारत में केवल दो ही वर्ग थे– अमीर व गरीब और मध्यम वर्ग का अभाव था।

18. चीन के विषय में किस विदेशी यात्री के वृत्तांत की तुलना मार्कोपोलो के वृत्तांत से की जाती हैं?

उत्तर– इब्न बतूता के वृत्तांत की।

19. यदि आप इब्न बतूता के स्थान पर होते तो अपने विवरण में किन दो भारतीय वानस्पतिक उपजों का वर्णन करना पसंद करते? अथवा इब्न बतूता कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का वर्णन करता हैं?

उत्तर– नारियल और पान का।

20. कौनसा विदेशी यात्री भारत में जो कुछ देखता था उसकी तुलना यूरोप से करता था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर।

21. ताराबबाद क्या हैं?

उत्तर– इब्न बतूता के विवरण अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार था, जिसे ताराबबाद कहते हैं।

22. बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया ?

उत्तर– शिविर नगर।

23. कौनसा विदेशी यात्री भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता को देखकर चकित हुआ ?

उत्तर– इब्न बतूता।

24. इब्न बतूता के अनुसार भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्था थी? उनका नाम लिखिए।

उत्तर– दो प्रकार की। (1) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था (उलुक)

(2) पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

25. इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार/दरवाजे थे? इनमें से सबसे विशाल दरवाजा कौनसा था ?

उत्तर– (1) 28 द्वार/ दरवाजा हैं

(2) सबसे विशाल दरवाजा बदायूँ दरवाजा ।

26. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत वर्णन किया था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने।

27. दासों के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया हैं?

उत्तर– इब्न बतूता ने ।

28. ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर किसकी रचना हैं? इसका प्रकाशन कब, कहाँ और किस भाषा में हुआ ?

उत्तर– (1) फ्रांस्वा बर्नियर की।

(2) ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर का प्रकाशन 1670–71 में फ्रांस में फ्रांसीसी भाषा में हुआ।

29. बर्नियर ने अपनी प्रमुख कृति को किसको समर्पित किया था? 1670 ई० से 1675 ई० के मध्य बर्नियर की रचना ट्रैवल्स इन द मुगल एंपायर का अनुवाद कौनसी भाषाओं में हुआ था।

उत्तर– (1) फ्रांस के शासक लुई 14 वें को

(2) 1670 ई० से 1675 ई० के मध्य ट्रैवल्स इन द मुगल एंपायर का अनुवाद–

(i) अंग्रेजी (ii) डच (iii) जर्मन एवं (iv) इतालवी भाषाओं में हुआ था।

30. दारा शिकोह किसका पुत्र था ?

उत्तर– मुगल शासक शाहजहां का

31. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहा ।

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने।

32. कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और ऑटोमन साम्राज्य से की ?

उत्तर– जौहरी ज्यों– बैप्टिस्ट तैवर्नियर (फ्रांसीसी यात्री)

33. फ्रांस्वा बर्नियर किस अवधि तक (कितने समय तक) भारत में रहा? उस अवधि में भारत में किस राजवंश (किस शासक का शासन था) का शासन था ?

उत्तर– (1) 1656 ई. से 1668 ई. तक (बारह वर्ष तक)।

(2) मुगल वंश का शासन था । (मुगल शासक शाहजहां के समय

शेखावाटी मिशन–100

भारत आया था)

34. बलाहार से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर– बलाहार से अभिप्राय भूमिहीन श्रमिकों से है।

35. उस इतालवी चिकित्सक का नाम बताइए, जो भारत आने के बाद कभी भी यूरोप वापस नहीं गए और भारत में ही बस गए ?

उत्तर– मनूकी इटली का निवासी था।

36. बर्नियर के अनुसार मुगल काल में भूमि का मालिक कौन था ?

उत्तर– बर्नियर के अनुसार मुगल काल में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था ?

37. 14 वीं और 17 वीं शताब्दी में भारत आने वाले सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री कौन थे? अथवा ग्यारहवीं शताब्दी से लेकर सत्रहवीं शताब्दी के दौरान भारत की यात्रा करने वाले किन्हीं तीन प्रसिद्ध यात्रियों के नाम लिखें ।

उत्तर– (1) 11 वीं शताब्दी में अल– बिरूनी

(2) 14 वीं शताब्दी में इब्न बतूता

(3) 17 वीं शताब्दी में फ्रांस्वा बर्नियर

38. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर को लिखने का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर (1) उसने भारत में जो कुछ देखा उसकी यूरोप एवं विशेष रूप से फ्रांस में व्याप्त स्थितियों से तुलना करना तथा भिन्नता को उजागर करना ।

(2) यूरोप के नीति निर्माताओं को प्रभावित करना ताकि वे सही निर्णय ले सकें ।

39. सोलहवीं शताब्दी में अकबर के काल का सरकारी इतिहासकार कौन था ?

उत्तर– अबुल फजल

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. उलुक और दावा क्या हैं / उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए ? अथवा इब्न बतूता भारत में कितने प्रकार की डाक प्रणाली का उल्लेख करता है, संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर– इब्न बतूता के विवरण अनुसार भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी।

(1) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था।

(2) अश्व डाक व्यवस्था में प्रति चार मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

2. इब्न बतूता भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित क्यों हुआ ? उल्लेख कीजिए अथवा इब्न बतूता के अनुसार भारतीय डाक प्रणाली की दो विशेषताए / लाभ लिखिए ?

उत्तर– (1) इब्न बतूता के अनुसार डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहां सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से मात्र 5 दिन में पहुंच जाती थी ।

(2) डाक प्रणाली से व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी।

3. बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक/विनाशकारी क्यों माना। दो कारण या दोष बताईए ? या भूस्वामित्व पर बर्नियर के विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए ? अथवा बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व के अभाव के क्या परिणाम निकले ?

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था ।

बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों, दोनों के लिए हानिकारक माना ।

(1) बर्नियर के अनुसार भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे। इसलिए वे उत्पादन के स्तर को बनाए रखने के प्रति उदासीन थे ।

(2) राजकीय भूस्वामित्व ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका, जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते ।

4. फ्रांस्वा बर्नियर किस प्रकार मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा? या फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? या फ्रांस्वा बर्नियर कौन था ?

उत्तर– (1) फ्रांस्वा बर्नियर फ्रांस का निवासी था। बर्नियर 17 वीं शताब्दी में भारत आने वाले विदेशी यात्रियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध था।

(2) बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था ।

(3) बर्नियर मुगलकाल में भारत आया। वह 1656 ई. से 1668 ई. तक

शेखावाटी मिशन–100

भारत में 12 वर्ष तक रहा ।

(4) बर्नियर मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा, पहले सम्राट शाहजहाँ के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में और बाद में मुगल दरबार के एक आर्मीनियाई अमीर दानिशमंद खान के साथ एक बुद्धिजीवी तथा वैज्ञानिक के रूप में।

5. अल बिरूनी द्वारा वर्णित फारस के चार सामाजिक वर्गों का उल्लेख कीजिए? या फारस के सामाजिक वर्षों का उल्लेख करने के पीछे अल बिरूनी का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर– (1) घुड़सवार और शासक वर्ग

(2) भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक

(3) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक

(4) कृषक तथा शिल्पकार

अल बिरूनी यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग भारत तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि ये अन्य देशों में भी थे।

6. किताब–उल–हिन्द पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तर– अरबी में लिखी गई अल बिरूनी की कृति किताब–उल–हिन्द की भाषा सरल और स्पष्ट है। किताब–उल–हिन्द 80 भागों में विभाजित है। किताब उल–हिन्द एक विस्तृत ग्रंथ है, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया (रसायनशास्त्र में कृत्रिम सोना बनाने की विधि) कानून, सामाजिक जीवन आदि विषयों से संबंधित है।

7. इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौनसे दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृत्तांत में किया हैं? अथवा इब्न बतूता ने भारतीय शहरों के सम्बन्ध में जो लिखा है, उस पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ।

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार भारतीय शहर उन लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर थे, जिनके पास आवश्यक इच्छा, संसाधन तथा कौशल है। इब्न बतूता के अनुसार शहर घनी आबादी वाले, समृद्ध, सम्पन्न थे।

(1) दिल्ली– इब्न बतूता दिल्ली को एक बड़ा शहर, विशाल आबादी वाला तथा भारत में सबसे बड़ा शहर बताता है। इसके अनुसार शहर के चारों ओर बनी प्राचीर की चौड़ाई 11 हाथ है।

दिल्ली शहर के 28 द्वार/दरवाजा है और इनमें से बदायूँ दरवाजा सबसे विशाल है।

(2) दौलताबाद (महाराष्ट्र) – इब्न बतूता के अनुसार दौलताबाद (महाराष्ट्र में) भी कम नहीं था और आकार में दिल्ली को चुनौती देता था।

इसके अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते है। यह सबसे विशाल और सुंदर बाजारों में से एक है।

8. इब्न बतूता एक हठीला यात्री था। कथन की व्याख्या कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने अपने निवास स्थान मोरक्को जाने से पूर्व किन–किन क्षेत्रों की यात्राएं की, बताइए।

उत्तर– इब्न बतूता एक हठीला यात्री था, जिसने उत्तर पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को वापस जाने से पूर्व कई वर्ष उतरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के कुछ भाग, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी। इन यात्राओं से ना तो उसे घबराहट हुई और ना ही थकान।

9. सती प्रथा के कौनसे तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा? संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

उत्तर– बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना । उसने लिखा कि हालांकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता हैं। बर्नियर के अनुसार यह क्रूर प्रथा थी, जिसमें पति की मृत्यु होने पर विधवा स्त्री को जीवित ही अग्नि में भेंट चढ़ा दिया जाता था, इस प्रक्रिया में ब्राह्मण व घर की बड़ी महिलाएं भी भाग लेती थी। सती होने वाली विधवा के हाथ पैर बाँध दिये जाते थे ताकि वह सती स्थल से भाग न सकें।

10. अल बिरूनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? अथवा अल बिरूनी गजनी किस प्रकार पहुंचा ?

उत्तर– (1) जन्म 973 ई. में, उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में ।

(2) 1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् महमूद गजनवी ने अल– बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया। अल बिरूनी ने 70 वर्ष की आयु में अपनी मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में ही बिताया ।

(3) अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब –उल–हिन्द 80 अध्यायों में विभाजित हैं।

11. अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों/ यात्रियों के मुकाबले इब्न बतूता किन बातों में अलग था ?

उत्तर– अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों के विपरित, इब्न बतूता पुस्तकों के स्थान पर यात्राओं से अर्जित अनुभव को ज्ञान

शेखावाटी मिशन–100

का अधिक महत्त्वपूर्ण स्त्रोत मानता था। उसे यात्राएं करने का बहुत शौक था और वह नए–नए देशों और लोगों के विषय में जानने के लिए दूर–दूर के क्षेत्रों तक गया ।

12. मॉन्टेस्क्यू कौन था? इसका प्राच्य निरंकुशता का सिद्धांत क्या था ?

उत्तर– मॉन्टेस्क्यू एक फ्रांसीसी दार्शनिक था, जिसने बर्नियर के वृत्तांत का प्रयोग कर प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत को विकसित किया। मॉन्टेस्क्यू के प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत के अनुसार एशिया (प्राच्य अथवा पूर्व) में शासक अपनी असीमित शक्तियों का प्रयोग करके प्रजा को दासता और गरीबी की स्थितियों में रखते है। इस तर्क का आधार यह था कि सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था तथा निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। इस दृष्टिकोण के अनुसार राजा और उसके अमीर वर्ग को छोड़ प्रत्येक व्यक्ति मुश्किल से गुजर बसर कर पाता था।

13. भारत का वृत्तांत लिखने में अल बिरूनी के समक्ष आई किन्हीं दो बाधाओं को बताइए। अथवा किताब–उल–हिन्द को लिखने में अल–बिरूनी को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर– (1) भाषा–अल बिरूनी के अनुसार संस्कृत भाषा अरबी व फारसी भाषा से इतनी भिन्न थी कि विचारों और सिद्धान्तों को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना सरल नहीं था।

(2) धार्मिक अवस्था व प्रथाएँ–भारत में विभिन्न धार्मिक विश्वास व प्रथाएँ प्रचलित थीं जिन्हें समझने के लिए उसे वेदों व ब्राह्मण ग्रन्थों का सहारा लेना पड़ा।

(3) भारतीय लोग सहजता से अपने अनुभव किसी विदेशी यात्री को बाँटने को तैयार नहीं थे।

14. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत ग्रामीण समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। वास्तव में 16वीं व 17वीं शताब्दी में ग्रामीण समाज में बड़े पैमाने पर सामाजिक व आर्थिक विभेद पाया जाता था। एक और बड़े जमींदार थे तो दूसरी ओर अस्पृश्य भूमिहीन श्रमिक थे; इन दोनों के बीच में बड़े किसान थे, जो किराए के श्रम का उपयोग करते थे और उत्पादन में जुटे रहते थे। कुछ छोटे किसान भी थे, जो बड़ी मुश्किल से अपने जीवनयापन लायक उत्पादन कर पाते थे।, जबकि बर्नियर के अनुसार भारत में दो ही वर्ग थे अमीर और गरीब और भारत में मध्यम वर्ग का अभाव था।

15. अल बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

उत्तर– अल बिरूनी के लेखन कार्य की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(1) अल बिरूनी ने अपने लेखन कार्य में अरबी भाषा का प्रयोग किया।

(2) अल बिरूनी द्वारा लिखित ग्रन्थों की लेखन शैली के विषय में उसका दृष्टिकोण आलोचनात्मक था।

16. इब्न बतूता के समय यात्राएं अति दुष्कर थीं, स्पष्ट कीजिए। अथवा इब्न बतूता किस आधार पर यह बताता है कि उस समय यात्रा करना बहुत असुरक्षित था ।

उत्तर – इब्न बतूता चौदहवीं शताब्दी में यात्राएं कर रहा था, जब आज की तुलना में यात्रा करना अधिक कठिन तथा जोखिम भरा कार्य था। कई प्रकार की कठिनाइयाँ यात्रा में व्यवधान डालती थीं। यात्रा में चोर, लुटेरों, समुद्री डाकुओं, जंगली जीवों, बीमारियों का भय रहता था तथा यात्रा के साधन भी नहीं थे। इब्न बतूता के अनुसार मुल्तान से दिल्ली की यात्रा में चालीस और सिन्ध से दिल्ली की यात्रा में लगभग पचास दिन का समय लगता था। दौलताबाद से दिल्ली की दूरी चालीस, जबकि ग्वालियर से दिल्ली की दूरी दस दिन में तय की जा सकती थी। जब वह मुल्तान से दिल्ली की यात्रा पर था तो रास्ते में डाकुओं ने उसके कारवाँ पर हमला बोल दिया, इब्न बतूता बुरी तरह घायल हो गया और कई सहयात्रियों की डाकुओं ने हत्या कर दी।

17. फ्रांस्वा बर्नियर मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर क्यों कहता है ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर इसलिए कहता है क्योंकि ये नगर अपने अस्तित्व और बने रहने के लिए राजकीय शिविर पर निर्भर थे। उसका विश्वास था कि ये नगर राजकीय दरबार के आगमन के साथ अस्तित्व में आते थे और ये राजकीय दरबार के किसी अन्य स्थान पर चले जाने के पश्चात् शीघ्र लोप हो जाते थे। इसका कारण यह था कि इनकी सामाजिक एवं आर्थिक नींव व्यावहारिक नहीं होती थी तथा वे राजकीय प्रश्रय पर आश्रित रहते थे।

18. भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?

उत्तर– (1) कुछ यात्री भारत की अपार समृद्धि को सुनकर यहाँ काम की तलाश में आए थे।

(2) कुछ यात्री उनके देश में आई प्राकृतिक आपदाओं से बचने

शेखावाटी मिशन–100

के लिए भारत आए थे।

(3) कुछ यात्री भारत के साथ व्यापार करना चाहते थे।

(4) कुछ यात्री भारत में अपने धर्म का प्रसार करना चाहते थे।

(5) कुछ यात्री भारत की सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययन करना चाहते थे।

19. किन कारणों के चलते गजनी में अल–बिरूनी की भारत के प्रति रुचि विकसित हुई ?

उत्तर– (1) अल–बिरूनी ने गजनी में उपलब्ध भारत के प्रमुख ग्रंथों का अध्ययन किया था।

(2) अल–बिरूनी महमूद गजनवी द्वारा भारत से गजनी लाए गए विद्वानों के संपर्क में आया।

(3) पंजाब के गजनवी साम्राज्य का हिस्सा बन जाने के बाद स्थानीय लोगों से हुए संपर्कों ने आपसी विश्वास और समझ का वातावरण बनाने में मदद की।

20. बर्नियर ने मुगल साम्राज्य को किस रूप में देखा ?

उत्तर– बर्नियर ने मुगल साम्राज्य को इस रूप में देखा इसका राजा भिखारियों और क्रूर लोगों का राजा था, इसके शहर और नगर विनष्ट तथा खराब हवा से दूषित थे और इसके खेत झाड़ीदार तथा घातक दलदल से भरे हुए थे और इसका मात्र एक ही कारण था– राजकीय भू–स्वामित्व ।

21. अल बिरूनी की जाति व्यवस्था का विवरण वर्तमान समय की जाति व्यवस्था से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर– अल बिरूनी के अनुसार जाति व्यवस्था –

(1) जन्म–आधारित कठोरता–व्यक्ति की जाति जन्म से तय होती थी, और उसमें बदलाव लगभग असंभव था, यह वर्ण व्यवस्था से कहीं ज्यादा सख्त हो चुकी थी। जाति को सामाजिक नियमों और पेशे से जुड़ा पाया, जो अत्यधिक जटिल थी ।

(2) अपवित्रता की अवधारणा–सामाजिक अपवित्रता की धारणा प्रबल थी, जिसे अल–बिरूनी ने प्रकृति के नियमों के विरुद्ध बताया, क्योंकि उनका मानना था कि प्रकृति में अशुद्धियां भी शुद्ध हो जाती हैं (जैसे सूर्य वायु को शुद्ध करता है) ।

(3) फारस से तुलना–उन्होंने इसे प्राचीन फारस की सामाजिक व्यवस्था से तुलना की (जहां शासक, पुजारी, वैज्ञानिक, कृषक जैसे वर्ग थे), लेकिन महसूस किया कि भारतीय व्यवस्था अधिक कठोर और अविश्वसनीय थी।

वर्तमान समय की जाति व्यवस्था–

(1) संवैधानिक समानताः– भारत के संविधान ने जातिगत भेदभाव को गैरकानूनी घोषित किया है और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं।

(2) आरक्षण–सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (SC, ST, OBC) के लिए आरक्षण की व्यवस्था है, जो ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने का प्रयास है।

(3) सामाजिक गतिशीलता–शिक्षा, शहरीकरण और आर्थिक विकास के कारण जातियों के बीच सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता बढ़ी।

अध्याय – 6
भक्ति –सूफी परम्पराएँ
(अंक भार – 7)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. महान और लघु जैसे शब्द बीसवीं शताब्दी के कि एस समाजशास्त्री द्वारा सांस्कृतिक समाज के सांस्कृतिक आचरणों का वर्णन करने के लीए काम में लीए गए।

(अ) रॉबर्ट रेडफील्ड (ब) रॉबर्ट ओवेन

(स) कार्ल मार्क्स (द) सिगमंड साइमन (अ)

2. लघु परम्पराओं का सबसे विशिष्ट उदाहरण पुरी (उड़ीसा) के एक मुख्य देवता के रूप में देखने को मिलता है ?

(अ) कृष्ण (ब) बलराम

(स) सुभद्रा (द) जगन्नाथ (द)

3. देवी की आराधना अधिकांश किसके रूप में की जाती है–

(अ) मूर्ति के रूप में (ब) सिंदूर लगे पत्थर के रूप में

(स) देवी मूरत के रूप में (द) कोई नहीं (ब)

4. मारीचि किस धर्म की देवी थी?

(अ) हिंदू (ब) जैन

(स) बौद्ध (द) ईसाई (स)

5. वह भक्ति परंपरा जिसमें अमूर्त निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी?

(अ) निर्गुण (ब) सगुण

(स) अवतारी (द) शैव (अ)

6. मणिक्वचक्कार किसके अनुयायी थे जो तमिल में भक्तिगान की रचना करते थे?

शेखावाटी मिशन–100

(अ) विष्णु (ब) शिव
(स) कृष्ण (द) राम (ब)

7. अलवार स्त्री भगति संत जो खुद को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेमभावना को छंदों में व्यक्त करती थीं।
(अ) मीरा बाई (ब) राधा बाई
(स) अंडाल (द) चांडाल (स)

8. शिवभक्त स्त्री संत जिसने अपने उद्देश्य प्राप्ति हेतु घोर तपस्या का मार्ग अपनाया। जिसकी रचनाएँ नयनार परंपरा में सुरक्षित है।
(अ) करइक्काल अम्मइयार (ब) अंडाल
(स) पार्वती (द) सीता (अ)

9. नलयिरादिव्यप्रबंधम (चार हजार पावन रचनाएँ) नामक ग्रन्थ किससे सम्बन्धित है?
(अ) अलवार (ब) नयनार
(स) बौद्ध (द) जैन (अ)

10. तमिल भक्तों (खासतौर से वैष्णव) के विचारों को संस्कृत परंपरा में समाहित कर लिया गया जिसका महत्वपूर्ण उदाहरण कौनसा है।
(अ) मार्कण्डेय (ब) भविष्य
(स) भागवत (द) वराह (स)

11. 945 ईसवी के एक अभिलेख से पता चलता है कि एक चोल शासक ने संत कवि अप्पार संबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएँ एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई। वह कौन था?
(अ) राजराज (ब) राजेंद्र
(स) परांतक प्रथम (द) विज्यालय (स)

12. 711 ई में किसने सिंध पर विजय प्राप्त की थी?
(अ) दाहिर (ब) मोहम्मद बिन कासिम
(स) मोहम्मद अली (द) मोहम्मद गौरी (ब)

13. मुसलमान शासकों को किसके मार्गदर्शन पर चलना होता था।
(अ) उलमा (ब) मौलवी
(स) पैगम्बर (द) पादरी (अ)

14. निम्न में से शरिया की विषयवस्तु में कौन–कौन से शामिल हैं?
(अ) कुरान (ब) हदीस
(स) कियास, इजमा (द) उपरोक्त सभी (द)

15. इस्लामिक क्षेत्र में रहने वाले जिम्मी (गैर मुसलमान) लोगों से कौनसा कर लिया जाता था?
(अ) खराज (ब) खुम्स
(स) जकात (द) जजिया (द)

16. श्रीनगर की झेलम नदी के किनारे बनी कौनसी मस्जिद कश्मीर की सभी मस्जिदों में मुकुट का नगीना समझी जाती है।
(अ) शाह हमदान मस्जिद
(ब) नगीना मस्जिद
(स) काबुली बाग मस्जिद
(द) जामा मस्जिद (अ)

17. शरिया (इस्लामी कानून) की अवहेलना करने वाले सूफीयों को क्या कहा जाता था।
(अ) बा–शरिया (ब) बे–शरिया
(स) मदारी (द) हैदरी (ब)

18. कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह कहाँ स्थित है?
(अ) अजमेर (ब) पटना
(स) पानीपत (द) दिल्ली (द)

19. निम्न में से किस सूफी संत को गरीब नवाज कहा जाता है?
(अ) निजामुद्दीन औलिया
(ब) मुइनुद्दीन चिश्ती
(स) नसीरुददीन चिराग–ए–देहली
(द) फरीदुद्दीन गंज–ए–शकर (ब)

20. तवरम क्या था ?
(अ) शैव भजन का संकलन का ग्रंथ
(ब) विष्णु भगति भजन ग्रन्थ
(स) दक्षिण भारत में प्रचलित भोज्य पदार्थ
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं (अ)

21. उलटबाँसी रचनाओं का संबंध किससे रहा है?
(अ) नानक (ब) कबीर
(स) मीरा बाई (द) चौतन्य (ब)

22. विष्णु के उपासक क्या कहलाते थे ?
(अ) वीर शैव (ब) जैन
(स) अलवार (द) नयनार (स)

23. सूफी अनुयाई किस नाम से जाने जाते थे?
(अ) शेख (ब) खलीफा
(स) मुरीद (द) मुर्शिद (स)

24. सुल्तान–उल–मशेख कहकर किसे संबोधित किया जाता था?
(अ) शेख निजामुद्दीन औलिया
(ब) बख्तियार काकी

शेखावाटी मिशन–100

(स) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती
(द) शेख नसीरुद्दीन चिराग–ए–देहली (अ)

25. अमीर खुसरो किस सूफी संत के शिष्य थे?
(अ) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती
(ब) बाबा फरीद
(स) शेख निजामुद्दीन औलिया
(द) ख्वाजा कतुबुद्दीन बख्तियार काकी (स)

26. चिदम्बरम और तंजावुर के शिव मंदिर किन सम्राटों की सहायता से निर्मित हुए ?
(अ) पल्लव सम्राट (ब) परमार सम्राट
(स) चोल सम्राट (द) प्रतिहार सम्राट (स)

27. बासवन्ना के अनुयायी क्या कहलाते हैं?
(अ) वीरशैव व लिंगायत
(ब) अलवार तथा नयनार
(स) जैन तथा बौद्ध
(द) वैष्णव लथा शैव (अ)

28. वह सूफी जो अल्लाह के नजदीक होने का दावा करता था और उनसे मिली बरकत से करामात करने की शक्ति रखता था क्या कहलाता था?
(अ) वली (ब) पीर
(स) मुर्शिद (द) शेख (अ)

29. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह किस स्थान पर थी?
(अ) गियासपुर (ब) महिपालपुर
(स) ललितपुर (द) राजपुर (अ)

30. शेख निजामुद्दीन औलिया के इनमें से कौन शिष्य नहीं थे?
(अ) अमीर हसन सिजजी (ब) अमीर खुसरो
(स) जियाउद्दीन बरर्नी (द) हसन निजामी (द)

31. शेख फरीददीन गंज–ए–शकर का दरगाह स्थल कहाँ पर स्थित हैं?
(अ) पानीपत (ब) अजमेर
(स) अजोधन (द) दिल्ली (स)

32. कश्फ–उल–महजुब लिखी, जिसमें तसव्वुफ के मायने और इसका पालन करने वाले सूफियों के बारे में बलाया गया था किसके द्वारा लिखी गई थी?
(अ) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती
(ब) अबुल हसन अल हुजविरी
(स) शेख नसीरुद्दीन चिराग–ए–देहली
(द) शेख फरीद्दीन गंज–ए–शकर (ब)

33. ख्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह की पहली यात्रा किस सुल्तान ने की थी?
(अ) फिरोज तुगलक (ब) अलाउद्दीन खिलजी
(स) ग्यासुद्दीन तुगलक (द) मुहम्मद बिन तुगलक (द)

34. शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी मुनिस–अल–अखाह (आत्मा का विश्वस्त) की रचना किसके द्वारा की गई।
(अ) जहाँआरा (ब) रोशनआरा
(स) गोहरआरा (द) गुलबदन (अ)

35. अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी में किस सूफी की दरगाह स्थित है?
(अ) बाबा फरीद (ब) शेख सलीम चिश्ती
(स) निजामुद्दीन औलिया (द) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती (ब)

36. निम्न में से निर्गुण भगति संत कौनसे है?
(अ) कबीर (ब) नानक
(स) मीरा (द) अ एवं ब दोनों (द)

37. कबीर के पद निम्न में से किस यन्थ में संकलित नहीं है?
(अ) कबीर बीजक (ब) कबीर ग्रंथावली
(स) आदि ग्रंथ साहिब (द) कबीर प्रचार (द)

38. कबीर को भगति का मार्ग किसने दिखाया था?
(अ) रामान्ज (ब) रामानंद
(स) नानक (द) कोई नहीं (ब)

39. गुरु नानक का जन्म स्थान कौनसा है?
(अ) ननकाना (ब) भाऊलपुर
(स) अमृतसर (द) लुधियाना (अ)

40. मीरा बाई के गुरु का क्या नाम था?
(अ) रैदास (ब) रामानंद
(स) रामानुज (द) बिहारी (अ)

41. खालसा पंथ की स्थापना किसने की थी?
(अ) गुरुनानक (ब) गुरु गोविंद सिंह
(स) गुरु तेगबहादुर (द) गुरु अर्जुन देव (ब)

42. बाबा गुरु नानक तथा उनके चार उत्तराधिकारियों, बाबा फरीद, रविदास और कबीर की बानी को आदि ग्रंथ साहिब में किसने संकलित किया?

शेखावाटी मिशन–100

(अ) गुरुनानक (ब) गुरु गोविंद सिंह

(स) गुरु तेगबहादुर (द) गुरु अर्जुन देव (द)

43. गुरु नानक का सेवक जो उनके शब्दों के साथ रबाब बजाता था?

(अ) गुरुनानक (ब) गुरु गोविंद सिंह

(स) मरदाना (द) गुरु अर्जुन देव (स)

रिक्त स्थान भरे–

1. अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा और ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज उठाई, क्योंकि कुछ भक्ति संत उन से जुड़े थे, जिनमें .... माना जाता था।

उत्तर– अस्पृश्य

2. अलवर संतों के एक मुख्य काव्य संकलन ....का वर्णन तमिल वेद के रूप में किया गया है।

उत्तर – नलयिरादिव्यप्रबंधम्

3. नयनार और अलवर संत .... कृषकों द्वारा सम्मानित होते थे।

उत्तर – वेल्लाल

4. ....इस्लाम धर्म के ज्ञाता थे। वे धार्मिक, कानूनी और अध्यापन संबंधी जिम्मेदारी निभाते थे।

उत्तर–उलमा

5 .... समुदाय के लोगों ने कुरान के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए देशी साहित्यिक विधा का सहारा लिया।

उत्तर– खोजा इस्माइली

6. .... वह परिपाटी है, जहाँ स्त्रियाँ विवाह के बाद अपने मायके में ही अपनी संतान के साथ रहती है?

उत्तर– मातृगृहता

7. भारत में तुर्की मुसलमानों को .... कहा गया?

उत्तर– तुरुष्क

8. सूफीवाद के लिए इस्लामी ग्रंथों में जिस शब्द का इस्तेमाल होता है वह है .... ?

उत्तर– तसव्वुफ

9. शेख की मजार पर सबसे पहली इमारत मालवा के सुल्तान. .... ने पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बनवाई?

उत्तर– गियासुद्दीन खलजी

10 ....ख्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह पर चौदह बार आया?

उत्तर–अकबर

11. अजमेर की तीर्थ यात्रा पर बादशाह जहाँगीर का स्वागत करते हुए शेख का चित्र, ... नामक चित्रकार ने बनाया?

उत्तर– मनोहर

12. सूफियों ने लंबी कविताएँ..........................लिखी?

उत्तर– मसनवी

13. लिंगायतों दवारा लिखे गए कन्नड़ के ....और पंढरपुर के संतों द्वारा लिखे मराठी के ....ने भी सूफियों पर अपना प्रभाव छोड़ा?

उत्तर– वचन, अभंगों

14. मलिक मोहम्मद जायसी का प्रेमाख्यान ....पद्मिनी और चित्तौड़ के राजा रतनसेन की प्रेम कथा के इर्द–गिर्द घूमता है?

उत्तर– पदमावत

15. बाबा गुरु नानक का संदेश उनके भजनों और उपदेशों में निहित है। इनसे पता लगता है कि उन्होंने .... का प्रचार किया?

उत्तर– निर्गुण भक्ति

16. गुरु नानक ने अपने विचार पंजाबी भाषा में .... के माध्यम से सामने रखे?

उत्तर– शब्द

17. शंकरदेव की काव्य रचनाओं में .... प्रमुख रचनाओं में से एक है?

उत्तर– कीर्तनघोष

निबन्धात्मक प्रश्न–

प्रश्न–1 भक्ति आन्दोलन में तमिलनाडु के अलवार और नयनार सन्तों के योगदान का विवेचन कीजिए?

उत्तर– प्रारंभिक भक्ति आंदोलन (लगभग छठी शताब्दी) अलवारों (विष्णुभक्त) और नयनारों (शिवभक्त) के नेतृत्व में हुआ। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करते हुए तमिल में अपने ईष्ट की स्तुति में भजन गाते थे। जाति के प्रति दृष्टिकोण– अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा एवं ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज उठाई, क्योंकि कुछ भक्ति संत उन जातियों से आए थे जिन्हें अस्पृश्य माना जाता था। चतुर्वेदी (चारों वेदों के ज्ञाता ब्राह्मण) और अस्पृश्य के बारे में तोंदराडिप्पोडि नामक एक ब्राह्मण अलवार के काव्य से लिया गया उद्धरण रू चतुर्वेदी जो अजनबी हैं और तुम्हारी सेवा के प्रति निष्ठा नहीं रखते, उनसे भी ज्यादा आप (हे विष्णु) उन 'दासों' को पसंद

शेखावाटी मिशन–100

करते हैं, जो आपके चरणों से प्रेम रखते हैं, चाहे वे वर्ण–व्यवस्था के परे हों।

अप्पार नामक नयनार संत की रचना से लिया गया एक उद्धरणः हे धूर्तजन, जो तुम शास्त्र को उधृत करते हो... तुम्हारा गोत्र और कुल भला किस काम का?... तुम केवल मारपेरू के स्वामी (शिव जो तमिलनाडु के तंजावुर जिले के मारपेरु में बसते हैं।) को अपना एकमात्र आश्रयदाता मानकर नतमस्तक हो। प्रमुख स्त्री भगत– संभवतः इस भक्ति परंपरा की सबसे बड़ी विशिष्टता इसमें स्त्रियों की उपस्थिति थी। अंडाल नामक अलवार स्त्री के भक्ति गीत व्यापक स्तर पर गाए जाते थे (और आज भी गाए जाते हैं)। अंडाल स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेमभावना को छंदों में व्यक्त करती थीं। शिवभक्त स्त्री संत करइक्काल अम्मइयार ने अपने उद्देश्य प्राप्ति हेतु घोर तपस्या का मार्ग अपनाया। नयनार परंपरा में उसकी रचनाओं को सुरक्षित किया गया।

इन स्त्रियों की जीवन पद्धति और इनकी रचनाओं ने पितृसत्तात्मक आदर्शों को चुनौती दी।

भक्ति साहित्य का संकलन–

अलवार और नयनार संतों की रचनाओं को वेद जितना महत्त्वपूर्ण बताकर इस परंपरा को सम्मानित किया गया।

दसवीं शताब्दी तक आते–आते बारह अलवारों की रचनाओं का एक संकलन कर लिया गया जो नलयिरादिव्यप्रबंधम् (चार हजार पावन रचनाएँ) के नाम से जाना जाता है। इसे तमिल वेद की संज्ञा प्रदान की गई है।

दसवीं शताब्दी में ही शैव संत अप्पार, संबंदर और सुंदरार की कविताएँ तवरम नामक संकलन में रखी गई, जिसमें कविताओं का संगीत के आधार पर वर्गीकरण हुआ।

तमिल भक्तों (खासतौर से वैष्णव) के विचारों को संस्कृत परंपरा में समाहित कर लिया गया, जिसका परिणाम सर्वाधिक प्रसिद्ध पुराणों में से एक भागवत पुराण की रचना थी।

राज्य के साथ सम्बन्ध शक्तिशाली चोल (नवीं से तेरहवीं शताब्दी) समाटों ने ब्राह्मणीय और भक्ति परंपरा को समर्थन दिया तथा विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए भूमि–अनुदान दिए।

चिदम्बरम, तंजावुर और गंगैकोंडचोलपुरम के विशाल शिव मंदिर चोल सम्राटों की मदद से ही निर्मित हुए। इसी काल में शिव की कांस्य प्रतिमाओं (नटराज के रूप में शिव) का निर्माण हुआ। इन सम्राटों ने तमिल भाषा के शैव भजनों का गायन इन मंदिरों में प्रचलित किया।

नयनार और अलवार संत वेल्लाल कृषकों द्वारा सम्मानित होते थे, इसलिए शासकों ने भी उनका समर्थन पाने का प्रयास किया। 945 ईसवी के एक अभिलेख से पता चलता है कि चोल सम्राट परांतक प्रथम ने संत कवि अप्पार संबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएँ एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई।

प्रश्न–2 वीरशैवों अथवा लिंगायतों के धार्मिक सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए?

उत्तर– बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उद्भव हुआ जिसका नेतृत्व बासवन्ना (1106–68) नामक एक ब्राह्मण ने किया था पहले वे जैन धर्म को मानने वाले थे एवं कलाचुरी राजा के दरबार में मंत्री थे। इनके अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) व लिंगायत (लिंग धारण करने वाले) कहलाए। आज भी लिंगायत समुदाय का कर्नाटक क्षेत्र में महत्व है।

लिंगायतों के धार्मिक सिद्धांत–

(1) लिंगायत शिव की आराधना लिंग के रूप में करते हैं। इस समुदाय के पुरुष वाम स्कंध पर चाँदी के एक पिटारे में एक लघु लिंग को धारण करते हैं।

(2) यहाँ जंगम अर्थात शैव यायावर (घुमंतू) भिक्षाओं को श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता है।

(3) लिंगायतों का विश्वास है कि मृत्योपरांत भक्त शिव में लीन हो जाएँगे तथा इस संसार में पुनः नहीं लौटेंगे। पुनर्जन्म के सिद्धांत पर भी उन्होंने प्रश्नवाचक चिह्न लगाया।

(4) धर्मशास्त्र में बताए गए श्राद्ध संस्कार का लिंगायत पालन नहीं करते और अपने मृतकों को विधिपूर्वक दफनाते हैं।

(5) लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और कुछ समुदायों के दूषित होने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया। इन सब कारणों से ब्राह्मणीय सामाजिक व्यवस्था में जिन समुदायों को गौण स्थान मिला था, वे लिंगायतों के अनुयायी हो गए।

(6) धर्मशास्त्रों में जिन आचारों को अस्वीकार किया गया था, जैसे वयस्क विवाह और विधवा पुनर्विवाह, लिंगायतों ने उन्हें मान्यता प्रदान की।

(7) वीरशैव परंपरा की व्युत्पत्ति उन वचनों से है जो कन्नड़ भाषा में उन स्त्री–पुरुषों द्वारा रचे गए, जो इस आंदोलन में

शेखावाटी मिशन–100

शामिल हुए।

प्रश्न–3 सूफी मत के विकास पर टिप्पणी लिखिये?

उत्तर– इस्लाम में वे आध्यात्मिक लोग, जिनका रहस्यवाद और वैराग्य की ओर झुकाव बढ़ा, उन्हें सूफी कहा जाने लगा। इन लोगों ने रूढ़िवादी परिभाषाओं तथा धर्माचार्यों द्वारा की गई कुरान और सुन्ना (पैगम्बर के व्यवहार) की बौद्धिक व्याख्या की आलोचना की। उन्होंने मुक्ति की प्राप्ति के लिए ईश्वर की भक्ति और उनके आदेशों के पालन पर बल दिया। पैगम्बर मोहम्मद को इंसान–ए–कामिल बताते हुए उनका अनुसरण करने की सीख दी। सूफीवाद के लिए इस्लामी ग्रंथों में जिस शब्द का इस्तेमाल होता है वह है तसव्वुफ। कुछ विद्वानों के अनुसार सूफी शब्द सूफ से निकला है, जिसका अर्थ ऊन है।

सूफी खानकाह और सिलसिला–

सूफी अपने को एक संगठित समुदाय खानकाह (फारसी) के इर्द–गिर्द स्थापित करते थे। खानकाह का नियंत्रण शेख (अरबी), पीर अथवा मुर्शीद (फारसी) के हाथ में था। वे अनुयायियों (मुरीदों अर्थात् शिष्यों) की भर्ती करते थे और अपने वारिस (खलीफा) की नियुक्ति करते थे।

सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है जंजीर, जो शेख (गुरु) और मुरीद (शिष्य) के बीच एक निरंतर रिश्ते की द्योतक है।

दरगाह–

पीर की मृत्यु के बाद उसकी दरगाह (फारसी में इसका अर्थ दरबार) उसके मुरीदों के लिए भक्ति का स्थल बन जाती थी। पीर की दरगाह पर जियारत के लिए जाने की परिपाटी, खासतौर से उनकी बरसी के अवसर पर, को उर्स (विवाह अर्थात् पीर की आत्मा का ईश्वर से मिलन) कहा जाता था, क्योंकि लोगों का मानना था कि मृत्यु के बाद पीर ईश्वर से एकीभूत हो जाते हैं। इस तरह शेख का वली के रूप में आदर करने की परिपाटी शुरू हुई। वली (बहुवचन औलिया) अर्थात् ईश्वर का मित्र। वह सूफी जो अल्लाह के नजदीक होने का दावा करता था और उनसे मिली बरकत से करामात करने की शक्ति रखता था।

खानकाह के बाहर–

कुछ सूफी संत खानकाह का तिरस्कार करके रहस्यवादी, फकीर की जिंदगी बिताते थे। उन्होंने निर्धनता और ब्रह्मचर्य को अपनाया। इन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता था कलंदर, मदारी, मलंग, हैदरी इत्यादि। शरिया (इस्लामी कानून) की अवहेलना करने के कारण उन्हें बे–शरिया कहा जाता था। इस तरह उन्हें शरिया का पालन करने वाले सूफियों– बा–शरिया से अलग करके देखा जाता था।

सूफी सिलसिलों का नामकरण–

ज्यादातर सूफी सिलसिले उन्हें स्थापित करने वालों के नाम पर पड़े। जैसे– कादरी सिलसिला शेख अब्दुल कादिर जिलानी के नाम पर पड़ा। कुछ सिलसिलों का नामकरण उनके जन्मस्थान पर हुआ। जैसे– चिश्ती नाम मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर से लिया गया।

प्रश्न–4 शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ?

उत्तर– शेख निजामुद्दीन औलिया (चौदहवीं शताब्दी) की खानकाह दिल्ली शहर की बाहरी सीमा पर यमुना नदी के किनारे गियासपुर में था। यहाँ कई छोटे–छोटे कमरे और एक बड़ा हाल (जमातखाना) था जहाँ शेख के सहवासी (शेख का अपना परिवार, सेवक और अनुयायी) और अतिथि रहते और उपासना करते थे। शेख निजामुद्दीन एक छोटे कमरे में छत पर रहते थे, जहाँ वह अतिथियों से प्रातः सायंकाल भेंट करते थे। आँगन एक गलियारे से घिरा होता था और खानकाह को चारों ओर से दीवार घेरे रहती थी।

सामुदायिक रसोई (लंगर)–

शेख की खानकाह में एक सामुदायिक रसोई (लंगर) फुतूह (बिना माँगी खैर) पर चलती थी। प्रातःकाल से देर रात तक सभी वर्गों के लोग–सैनिक, गुलाम, गायक, व्यापारी, कवि, राहगीर, धनी और निर्धन, हिन्दू जोगी और कलंदर, यहाँ अनुयायी बनने, उपासना करने, ताबीज लेने अथवा विभिन्न समस्याओं पर शेख निजामुद्दीन औलिया की मध्यस्थता के लिए आते थे।

शेख के अनुयाई–

सब तबके के लोग यहाँ अनुयायी बनने, इबादत करने, ताबीज लेने अथवा विभिन्न मसलों पर शेख की मध्यस्थता के लिए आते थे। यहाँ आकर मिलने वालों में अमीर हसन सिजजी और अमीर खुसरो जैसे कवि तथा दरबारी इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी जैसे लोग भी शामिल थे।

खानकाह में दीक्षा संस्कार–

शेख के सामने झुकना, मिलने वालों को पानी पिलाना, दीक्षितों के सर का मुंडन तथा यौगिक व्यायाम आदि व्यवहार इस तथ्य

शेखावाटी मिशन–100

के प्रतीक हैं कि स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करने का प्रयत्न किया गया।

प्रश्न–5 ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह का विवेचन कीजिये?

उत्तर– चिश्ती संतों में सबसे अधिक पूजनीय दरगाह ख्वाजा मुइनुद्दीन की है, जिन्हें गरीब नवाज कहा जाता है। खध्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह, शेख की सदाचारिता और धर्मानष्ठा तथा उनके आध्यात्मिक वारिसों की महानता और राजसी मेहमानों द्वारा दिए गए प्रश्रय के कारण लोकप्रिय थी।

शासकों का आश्रय–

मुहम्मद बिन तुगलक (1324–51) पहला सुल्तान था, जो इस दरगाह पर आया था। शेख की मजार पर सबसे पहली इमारत मालवा के सुल्तान गियासुद्दीन खलजी ने पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बनवाई। यह दरगाह दिल्ली और गुजरात को जोड़ने वाले व्यापारिक मार्ग पर स्थित थी, इस कारण यहाँ अनेक यात्री आते थे।

अकबर ख्वाजा मुइनुद्दीन की दरगाह पर चौदह बार आया। कभी तो साल में दो–तीन बार, कभी नयी जीत के लिए आशीर्वाद लेने अथवा संकल्प की पूर्ति पर या फिर पुत्रों के जन्म पर। 1568 में उन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए खाना पकाने हेतु एक विशाल देग दरगाह को भेंट की। उन्होंने दरगाह के अहाते में एक मस्जिद भी बनवाई।

अजमेर की तीर्थ यात्रा पर बादशाह जहाँगीर का स्वागत करते हुए शेख का चित्र मनोहर नामक चित्रकार ने बनाया। शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी मुनिस–अल–अखाह (आत्मा का विश्वस्त) की रचना मुगल शहजादी जहाँआरा द्वारा की गई।

नृत्य और संगीत–

नृत्य और संगीत भी जियारत के अंग थे. विशेष रूप से कव्वालों द्वारा प्रस्तुत रहस्यवादी गुणगान, जिससे परमानन्द की भावना को जाग्रत किया जा सके। सूफी संत जिक्र (ईश्वर का नाम–जाप) या फिर समा (श्रवण करना) अर्थात् आध्यात्मिक संगीत की महफिल के द्वारा ईश्वर की उपासना में विश्वास रखते थे। चिश्ती उपासना पद्धति में समा का महत्त्व इस बात की पुष्टि करता है कि चिश्ती स्थानीय भक्ति परम्परा से जुड़े और संगीत भी जियारत के अंग थे। विशेष रूप से कव्वालों द्वारा प्रस्तुत रहस्यवादी गुणगान, जिससे परमानन्द की भावना को जाग्रत किया जा सके। सूफी संत जिक्र (ईश्वर का नाम–जाप) या फिर समा (श्रवण करना) अर्थात् आध्यात्मिक संगीत की महफिल के द्वारा ईश्वर की उपासना में विश्वास रखते थे। चिश्ती उपासना पद्धति में समा का महत्त्व इस बात की पुष्टि करता है कि चिश्ती स्थानीय भक्ति परम्परा से जुड़े थी।

प्रश्न–6 कबीर पर एक टिप्पणी लिखिए?

उत्तर– निर्गुण भक्ति परम्परा के संत कबीर (लगभग चौदहवीं पंद्रहवीं शताब्दी) इस पृष्ठभूमि में उभरने वाले संत कवियों में अप्रतिम थे। वैष्णव परंपरा की जीवनियों में कबीर (कबीर का अरबी में अर्थ है महान) को जन्म से हिंदू कबीरदास बताया गया है। उनका पालन गरीब मुसलमान परिवार में हुआ, जो जुलाहे थे और कुछ समय पहले ही इस्लाम धर्म के अनुयायी बने थे।

कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने वाले गुरु रामानंद थे, लेकिन इतिहासकारों का यह भी मानना है कि कबीर और रामानंद का समकालीन होना मुश्किल प्रतीत होता है, जब तक कि उन्हें बहुत ही लंबी आयु न दे दी जाए।

कबीर साहित्य–

कबीर की बानी तीन परस्पर व्याप्त परिपाटियों में संकलित है।

कबीर बीजक – कबीर बीजक कबीर पंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है।

कबीर ग्रन्थावली– कबीर ग्रन्थावली का सम्बन्ध राजस्थान के दादूपंथियों से है।

आदि ग्रन्थ साहिब में कबीर के पदों का संकलित होना कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

कबीर के कई पद आदि ग्रंथ साहिब में संकलित हैं।

कबीर की रचनाएँ अनेक भाषा और बोलियों में–

इनमें से कुछ निर्गुण कवियों की खास बोली संत भाषा में हैं। कुछ रचनाएँ जिन्हें उलटबॉसी (उलटी कही उक्तियों) के नाम से जाना जाता है, इस प्रकार से लिखी गई कि उनके रोजमर्रा के अर्थ को उलट दिया गया। इन उलटबाँसी रचनाओं का तात्पर्य परम सत्य के स्वरूप को समझने की मुश्किल दर्शाता है। कबीर के विचार संभवतः अवध प्रदेश (उत्तर प्रदेश) की सूफी और योगी परंपरा के साथ हुए संवाद और विवाद के माध्यम से घनीभूत हुए।

कबीर बानी में अनेक परिपाटियों का मिश्रण–

शेखावाटी मिशन–100

कबीर बानी की विशिष्टता यह है कि उन्होंने परम सत्य को वर्णित करने के लिए अनेक परिपाटियों का सहारा लिया, यथा– इस्लामी दर्शन, वेदांत दर्शन और योगी परंपरा। उनकी कुछ कविताएँ इस्लामी दर्शन के एकेश्वरवाद और मूर्तिभंजन का समर्थन करते हुए हिंदू धर्म के बहुदेववाद और मूर्तिपूजा का खंडन करती हैं। अन्य कविताएँ जिक्र और इश्क के सूफी सिद्धांतों का इस्तेमाल नाम सिमरन की हिंदू परंपरा की अभिव्यक्ति करने के लिए करती हैं।

कबीर की शिक्षाएँ –

कबीर की प्रमुख शिक्षाएँ निम्नलिखित हैं–

(1) ईश्वर एक है जो निर्गुण, निराकार और सर्वव्यापक है।

(2) कबीर ने मूर्तिपूजा तथा बहुदेववाद का खण्डन किया।

(3) उन्होंने जाति प्रथा तथा ऊँच–नीच के भेदभाव का खण्डन किया।

(4) उन्होंने धार्मिक आडम्बरों एवं कर्मकाण्डों का विरोध किया।

(5) गुरु पद को महत्वपूर्ण माना।

प्रश्न–7 बाबा गुरुनानक का जीवन एवं शिक्षायों का वर्णन कीजिये?

उत्तर– जीवन परिचय– गुरु नानक का जन्म 1489 ई. में एक हिंदू व्यापारी परिवार में हुआ। उनका जन्मस्थल पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) का ननकाना गाँव था, जो रावी नदी के पास था। उन्होंने फारसी भाषा की शिक्षा प्राप्त की और लेखाकार के कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनका विवाह छोटी आयु में हो गया था। परन्तु वह अपना अधिकांश समय सूफी और भक्त सन्तों की संगति में व्यतीत करते थे।

गुरु नानक की शिक्षाएँ–

(1) बाबा गुरु नानक के संदेश उनके भजनों और उपदेशों में निहित है। इनसे पता लगता है कि उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया।

(2) उन्होंने धर्म के सभी बाहरी आडंबरों को अस्वीकार किया जैसे यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा व कठोर तप।

(3) उन्होंने इस रब की उपासना के लिए एक सरल उपाय बताया और वह था उनका निरंतर स्मरण एवं नाम का जाप।

(4) उन्होंने हिन्दू और मुसलमान धर्मग्रन्थों को भी नकार दिया था।

(5) उन्होंने जाति प्रथा तथा ऊँच–नीच के भेद–भाव का विरोध किया।

गुरुनानक के विचारों का प्रसार–

उन्होंने अपने विचार पंजाबी भाषा में शब्द के माध्यम से सामने रखे। गुरु नानक यह शब्द अलग–अलग रागों में गाते थे और उनका सेवक मरदाना रबाब बजाकर उनका साथ देता था। गुरु नानक ने अपने अनुयायियों के लिए सामुदायिक उपासना (संगत) के नियम निर्धारित किए, जहाँ सामूहिक रूप से पाठ होता था।

उन्होंने अपने अनुयायी अंगद को अपने बाद गुरुपद पर आसीन किया।

ऐसा प्रतीत होता है कि गुरु नानक किसी नवीन धर्म की स्थापना नहीं करना चाहते थे, परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके अनुयायियों ने अपने आचार–व्यवहार को सुगठित कर अपने को अलग चिन्हित किया। सिक्खों के पाँचवें गुरु अर्जन देव जी ने बाबा गुरु नानक तथा उनके चार उत्तराधिकारियों, बाबा फरीद, रविदास और कबीर की बानी को आदि ग्रंथ साहिब में संकलित किया। इन को गुरबानी कहा जाता है।

गुरु गोबिन्द सिंह ने खालसा पंथ (पवित्रों की सेना) की नींव डाली और उनके पाँच प्रतीकों का वर्णन किया बिना कटे केश, कृपाण, कच्छ, कंघा और लोहे का कड़ा। गुरु गोबिन्द सिंह के नेतृत्व में समुदाय एक सामाजिक, धार्मिक और सैन्य बल के रूप में संगठित होकर सामने आया।

प्रश्न–8 इस्लाम के आगमन के बाद जो परिवर्तन दिखाई देते है उनको स्पष्ट कीजिये?

उत्तर– इस्लाम के आगमन के बाद जो परिवर्तन हुए वो समाज के सभी वर्गों पर दिखाई देते हैं जैसे किसान, शिल्पी, योद्धा, व्यापारी इन वर्गों पर भी प्रभाव दिखाई देता हैं।

इस्लाम धर्म के सिद्धान्त– इस्लाम धर्म में पाँच प्रमुख सिद्धान्त स्वीकार किये गये है जो निम्न है–

(1) अल्लाह एकमात्र ईश्वर है पैगम्बर मोहम्मद उनके दूत (शाहद) हैं।

(2) दिन में पाँच बार नमाज पढ़ी जानी चाहिए।

(3) खैरात (जकात, दान) बॉटनी चाहिए।

(4) रमजान के महीने में रोजा रखना चाहिए।

(5) हज (धार्मिक यात्रा) के लिए मक्का जाना चाहिए।

धर्मान्तरित लोगों की भिन्न भिन्न मान्यताएँ –

शेखावाटी मिशन–100

इन सार्वभौमिक तत्त्वों में प्रायः साम्प्रदायिक (शिया, सुन्नी) कारणों से तथा स्थानीय लोकाचारों के प्रभाव के कारण से भी धर्मान्तरित लोगों के व्यवहारों में भिन्नता दिखाई देती थी। उदाहरण के लिए, खोजा इस्माइली (शिया) समुदाय के लोगों ने कुरान के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए देशी साहित्यिक विधा को अपनाया। जीनन (ज्ञान) नाम से भक्तिगीत, पंजाबी, मुल्तानी, सिंधी, कच्छी, हिन्दी और गुजराती में दैनिक प्रार्थना के दौरान गाए जाते थे। अरब मुसलमान व्यापारियों द्वारा स्थानीय भाषा और आचारों को अपनाना मालाबार तट (केरल) के किनारे बसे अरब मुसलमान व्यापारियों ने न केवल स्थानीय मलयालम भाषा को अपनाया, बल्कि उन्होंने स्थानीय आचारों जैसे–मातृकुलीयता तथा मातृगृहता को भी अपनाया। स्थानीय परम्पराओं के साथ सार्वभौमिक धर्म का मिश्रण स्थानीय परम्पराओं के साथ एक सार्वभौमिक धर्म के जटिल मिश्रण का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण सम्भवतः मस्जिदों की स्थापत्यकला में दिखाई देता है। मस्जिदों के कुछ स्थापत्य सम्बन्धी तत्त्व सार्वभौमिक थे जैसे–इमारत का मक्का की ओर अनुस्थापन जो मेहराब (प्रार्थना का आला) तथा मिम्बर (व्यासपीठ) की स्थापना से दिखाई देता था। कुछ तत्त्व ऐसे थे जिनमें भिन्नता दिखाई देती है जैसे–छत और निर्माण की सामग्री। उदाहरण के लिए, केरल में तेरहवीं शताब्दी में निर्मित एक मस्जिद जिसकी छत मन्दिर के शिखर से मिलती–जुलती है। दूसरी ओर जिला मैमनसिंग (बांग्लादेश) में ईंटों की बनी अतिया मस्जिद की छत गुम्बददार है जो केरल में निर्मित मस्जिद की छत से भिन्न है।

अध्याय – 7
एक सम्राज्य की राजधानी – विजयनगरं
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. वास्को डी गामा ने भारत की खोज कब की थी ?
(अ) 1495 ई. (ब) 1498 ई.
(स) 1503 ई. (द) 1499 ई. (ब)

2. तालीकोटा का युद्ध कब लड़ा गया था ?
(अ) 14655 ई. (ब) 1542 ई.
(स) 1565 ई. (द) 1529 ई. (स)

3. तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर का नेतृत्व किसने किया ?
(अ) कृष्णदेव राय (ब) हरिहर
(स) बुक्का (द) रामराय (द)

4. विजयनगर के शासक किसकी ओर से शासन करने का दावा करते थे ?
(अ) भगवान विरुपाक्ष (ब) पम्पादेवी
(स) तिरूपति (द) इमे से कोई नही (अ)

5. हम्पी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली?
(अ) 1980 ई (ब) 1975 ई.
(स) 1976 ई. (द) 1973 ई. (स)

6. कॉलिन मैकेन्जी को भारत का पहला सर्वेयर जनरल कब बनाया गया ?
(अ) 1815 ई. (ब) 1821 ई.
(स) 1836 ई. (द) 1850 ई. (अ)

7. कृष्णदेव राय का संबन्ध किस वंश से था?
(अ) संगम वंश (ब) सुलुव वंश
(स) तुलुव वंश (द) अराविदु वंश (स)

8. विजयनगर के शासक अपने आप को क्या कहते थे ?
(अ) नायक (ब) राय
(स) सम्राट (द) राव (ब)

9. हम्पी को यूनेस्को ने विश्व पुरातत्व स्थल कब घोषित किया था?
(अ) 1986 ई. (ब) 1982 ई.
(स) 1976 ई. (द) 1972 ई. (अ)

10. विजयनगर के सभी राजकीय आदेशों पर कन्नड़ लिपि में क्या अंकित होता था?
(अ) हिन्दू सूरतराणा (ब) श्री विरूपाक्ष
(स) तिरूपति (द) इनमें कोई नहीं (ब)

11. हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र किसने तैयार किया था ?
(अ) निकोलो दे कॉन्ती (ब) जार्ज मिशेल
(स) नागराज राव (द) कॉलिन मैकेन्जी (द)

12. समकालीन लोग विजयनगर साम्राज्य को किस नाम से पुकारते थे?
(अ) कर्नाटक साम्राज्युम (ब) बहमनी साम्राज्य
(स) दक्षिणराज्य (द) उपरोक सभी (अ)

13. हम्पी के भग्नावशेष कब प्रकाश में लाए गए थे ?
(अ) 1799 ई. (ब) 1800 ई.
(स) 1818 ई. (द) 1836 ई. (ब)

14. 'ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत खराब प्रबंधन की दुर्गति लंबे समय तक जुझता रहा।'' यह कथन

शेखावाटी मिशन–100

किसका है?

(अ) थॉमस हिकी (ब) अब्दुर रजाक

(स) कॉलिन मैकेन्जी (द) फर्नावों नूतीज (स)

15. पंद्रहवीं सदी में विजयनगर शहर की यात्रा करने वाले यात्रियों के नाम बताइए–

(अ) निकोलो दे कान्ती (ब) अब्दुर रज्जाक

(स) अफानासी निकितिन (द) उपरोक्त सभी (द)

16. सोलहवीं सदी में विजयनगर की यात्रा करने वाले यात्रियो के नाम बताइए।

(अ) दुआर्ते बरबोसा (ब) डोमिंगो पेस

(स) फर्नाओं नूनीज (द) उपरोक्त सभी (द)

रिक्त स्थान की पूर्ति करे–

1. विजयनगर के शासक संकेतक के रूप में .... विरूद का प्रयोग करते थे?

उत्तर– हिन्दू सूरतराणा

2. हम्पी के अवशेष एक अभियंता तथा पुराविद कर्नल .... द्वारा प्रकाश में लाए गए थे ।

उत्तर– कॉलिन मैकेन्जी

3. युद्धकला प्रभावशाली अश्वसेना पर आधारित होती थी इसलिए प्रतिस्पर्धी राज्यों के लिए .... तथा ....से घोड़ो को आयात महत्वपूर्ण था।

उत्तर– अरब मध्य एशिया

4. कृष्णदेव राय की मृत्यु के पश्चात विजयनगर में उत्तराधिकार के विवाद को सुलझाने के लिए ....ने हस्तक्षेप किया।

उत्तर– बीजापुर के सुल्तान

5. विजयनगर शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में से एक पर स्थित . ... एक विशालकाय मंच है।

उत्तर– महानवमी डिब्बा

6. राजकीय केन्द्र के सबसे सुंदर भवनों में एक .... महल है।

उत्तर– लोटस (कमल)

7. डोमिंगो पेस ने सभा मण्डप व महानवमी डिब्बा को .... की संज्ञा दी।

उत्तर– विजय भवन

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. विजयनगर साम्राज्य को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है? इसका यह नाम क्यों पड़ा ?

उत्तर– हम्पी के नाम से जाना जाता है। यह नाम स्थानीय मातृदेवी पंम्पादेवी के नाम से पड़ा।

2. हम्पी की खोज किसने की थी तथा ये किस पद पर कार्यरत थे ?

उत्तर– हम्पी की खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेन्जी ने की थी। मैकेन्जी भारत के पहले सर्वेयर जनरल थे।

3. विजयनगर साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निमाण के प्रयास में किन स्त्रोतों का अध्ययन किया गया?

उत्तर– विदेशी यात्रियों के वृत्तांतों, तेलुगु, कन्नड, तमिल एवं संस्कृत साहित्य का।

4. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने व कब की?

उत्तर– संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने 1336 ई० में की।

5. गजपति, अश्वपति एवं नरपति का शाब्दिक अर्थ बताइए–

उत्तर– गजपति – हाथियों का स्वामी –उड़ीसा के शासको के लिए
अश्वपति – घोड़ों के स्वामी – दक्कन के सुल्तानों के लिए
नरपति – लोगों के स्वामी –विजयनगर के रायों के लिए

6. विजयनगर में व्यापारियों के स्थानीय समूह को किन नामों से जाना जाता था ?

उत्तर– कुरिदई चेट्टी अथवा घोड़ों के व्यापारी

7. विजयनगर के शासक घोड़ों का आयात कहाँ से करते थे ?

उत्तर– अरब तथा मध्य एशिया से

8. कृष्णादेव राय का संबंध किस वंश से था ?

उत्तर– तुलुव वंश से

9. तालीकोटा के युद्ध को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर– राक्षसी–तांगड़ी के नाम से

10. तालीकोटा का युद्ध किन–किन के मध्य हुआ?

उत्तर– विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय एवं बीजापुर, गोलकुण्डा, अहमदनगर की संयुक्त सेना के मध्य

11. तालीकोटा युद्ध के बाद विजयनगर की सत्ता कहाँ स्थानांतरित हुई?

उत्तर– पेनुकोण्डा व बाद में चन्द्रगिरी (तिरुपति) के समीप स्थानांतरित हो गई।

12. यवन राज्य की स्थापना करने वाला विरुद्ध धारण किसने किया था?

उत्तर– कृष्णदेव राय ने

13. 'यवन' शब्द किनके लिए प्रयोग में लाया जाता था ?

उत्तर– यवन संस्कृत शब्द है जो यूनानियों एवं उत्तर–पश्चिम से आने

शेखावाटी मिशन–100

वाले लोगो के लिए

14. 'हिरिया नहर' मुख्यतः का उपयोग क्या था?

उत्तर– हिरिया नहर का निर्माण संगम वंश के राजाओं ने करवाया था। इसका प्रयोग तुंगभद्रा बांध से पानी लाने के लिय किया जाता था। इसे धार्मिक केन्द्र से शहरी केन्द्र को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने में प्रयोग किया जाता था।

15. नायक कौन थे ?.

उत्तर– विजयनगर के सेना प्रमुख होते थे जिनका किलों पर नियन्त्रण होता था। जिनके पास सशस्त्र समर्थक होते थे। ये तेलुगु या कन्नड़ भाषा बोलते थे।

16. विजयनगर के किलेबंद भाग की सड़कों की विशेषताए बताइए?

उत्तर– सड़के पहाडी भू–भाग से बचकर घाटियों से होकर ही इधर –उधर घुमती थी। मुख्य सड़के मंदिरों के प्रवेशद्वारों से आगे बढ़ी हुई थी और इनके दोनो और बाजार थे।

17. विजयनगर के राजा का भवन नामक स्थान की दो प्रमुख संरचनाए कौनसी है?

उत्तर– 1. सभा मंडप 2. महानवमी डिब्बा

18. लोटस (कमल) महल क्या था ?

उत्तर– यह विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र का सुन्दर भवन था। जो परिषदीय सदन था जहाँ राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

19. हज़ार राम मन्दिर की विशेषता बताइए–

उत्तर– विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में स्थित मंदिर जिसका प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था। इसकी आंतरिक दीवारों पर रामायण के दृश्य उत्कीर्णित है।

20. 'हिन्दू सूरतराणा' का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर– यह अरबी भाषा के शब्द 'सुल्तान' जिसका अर्थ है राजा, का संस्कृत अनुवाद है। शाब्दिक रूप में इसका अर्थ है हिंदू सुल्तान।

21. विजयनगर की राजधानी का स्थान चयन किससे प्रेरित था?

उत्तर– यह स्थान विरूपाक्ष तथा पम्पा देवी के मन्दिरों के अस्तित्व से प्रेरित था।

22 . विजयनगर साम्राज्य के क्षेत्र के मन्दिरों के निर्माण में किन–किन राजवंशों का योगदान था ?

उत्तर– 1. पल्लव 2. चोल
3. चालुक्य 4. होयसाल

23. विभिन्न विवरणो से विजयनगर के सामान्य लोगों के जीवन की क्या छवि पाते है ?

उत्तर– पूर्तगाली यात्री बरबोसा ने वर्णन किया कि 'सामान्य लोगों के अन्य आवास छप्पर के हैं, पर फिर भी सुदृढ़ है, और व्यवसाय के आधार पर कई खुले स्थानों वाली लंबी गलियों में व्यवस्थित है।

24. मंदिरों के विशिष्ट अभिलक्षणे में मण्डप भी थे स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– ये अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थल के चारों ओर बने थे जो सूक्ष्मता से उत्कीर्णित स्तंम्भो से सजाया जाता था।

25. मंदिरों के सभागार का प्रयोग किन कार्यों में होता था?

उत्तर– देवताओं की मूर्तिया, संगीत, नृत्य और नाटकों के विशेष कार्यक्रम होते थे। देवी–देवताओं के विवाह उत्सव मनाने एवं झुला झुलाने के काम आते थे।

26. विजयनगर साम्राज्य के पूर्व शासको ने किन मंदिरों को संरक्षण प्रदान किया।

उत्तर– (1) तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर
(2) बेलूर के चन्नकेशव मंदिर

27. विजयनगर साम्राज्य का सर्वेक्षण किसने किया था?

उत्तर– जॉन एम फ्रिट्ज, जार्ज मिशेल एवं एम. एस. नांगराज राव

28. विजयनगर साम्राज्य अपने चरमोत्कर्ष पर कहाँ तक फैला हुआ था?

उत्तर– उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर–दक्षिण (तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश) तक

29. 'अमर' शब्द का आविर्भाव कैसे हुआ?

उत्तर– अमरशब्द का आविर्भाव संस्कृत शब्द समर से हुआ जिसका अर्थ लडाई या युद्ध है। यह फारसी शब्द अमीर से मिलता जुलता है जिसका अर्थ ऊँचे पद का कुलीन व्यक्ति।

30. मंदिरों व सम्प्रदायों को प्रश्रय देना शासकों के लिए महत्वपूर्ण था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– शासक देव–स्थलों में प्रतिष्ठित देवी–देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सत्ता को स्थापित करने तथा वैधता प्रदान करने का प्रयास करते थे।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. कृष्णदेव राय के शासन की चारित्रिक विशेषताएं बताइएँ ?

उत्तर– 1. दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों के निर्माण की शुरुआत की।

शेखावाटी मिशन–100

2. अपनी माँ के नाम पर नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की।

3. शांति एवं समृद्धि का काल।

2. विजयनगर साम्राज्य पर किन–किन राजवंशों ने शासन किया क्रमशः नाम बताइए ?

उत्तर– 1. संगम वंश 2. सुलुव वंश

3. तुलुव वंश 4. अराविदु वंश

3. कृष्णदेव राय के द्वारा रचित ग्रंथ का नाम बताइए ?

उत्तर– अमुक्तमल्यद ग्रंथ की रचना तेलुगु भाषा में की थी। इस ग्रंथ में शासन काल में व्यापारियों के विषय में लिखा गया है।

4. आप कैसे कह सकते है कि विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय द्वारा सुल्तानों के प्रति अपनाई गई नीति जोखिमपूर्ण थी ? .

उत्तर– यह रामराय की जोखिम भरी नीति थी, जिसके अनुसार उसने एक सुल्तान को दूसरे के विरुद्ध करने की कोशिश की किंतु वे सुल्तान एक हो गए और उन्होंने उसे निर्णायक रूप से पराजित कर दिया।

5. अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी। स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– 1. अमर नायक प्रणाली दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से ली गई थी।

2. अमर नायक सैनिक कमांडर होते थे जिनकी नियुक्ति राय के द्वारा की जाती थी।

3. ये किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भूराजस्व एवं अन्य कर वसूल करते थे।

4. ये राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखते थे।

5. विजयनगर शासकों को सैनिक शक्ति प्रदान करते थे।

6. अमर नायकों पर शासक किस प्रकार अपना नियन्त्रण दर्शाते थे ?

उत्तर– 1. अमर नायक को वर्ष में एक बार स्वामीभक्ति प्रकट करने के लिए स्वयं को उपहारों के साथ राजकीय दरबार में उपस्थित होना पड़ता था।

2. राजा समय–समय पर उनका स्थानान्तरण भी करता रहता था।

7. विजयनगर के शासक जल संचय के प्रति जागरूक थे। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विजयनगर की प्रमुख नदी तुंगभद्रा नदी थी जिसके द्वारा निर्मित प्राकृतिक कुण्ड से कई जलधाराएं निकलती थी। इन जलधाराओं पर बाँध बनाकर हौज बनाए जाते थे। इनमे कमलपुरम् जलाशय आज भी विद्यमान है। इसके पानी को खेतों में सिंचाई एव नहर के माध्यम से राजकीय केन्द्र तक ले जाया गया था। आज भी संगम वंश के राजाओं द्वारा निर्मित हिरिया नहर के अवशेष मिलते हैं।

8. विजयनगर साम्राज्य की एक विशेषता किलेबंदी थी। कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर– फ़ारस के दूत अब्दुर रज्ज़ाक ने दुर्गो की सात पंक्तियों का उल्लेख किया। इनसे शहर के साथ कृषि भूमि व जंगलों को भी घेरा जाता था

किलेबंदी के तीन घेरे थे– पहले से कृषि भूमि को घेरे थी, दूसरी नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग के चारों ओर तथा तीसरी शासकीय केन्द्र को घेरी होती थी।

9. विजयनगर में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू–भाग में क्यो समाहित किया जाता था ?

उत्तर– 1. मध्यकालीन घेराबंदियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना था।

2. ये घेराबंदिया कई महिनों या वर्षों तक चल सकती थी। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे।

3. पूरे कृषि भू–भाग को बचाने के लिए अधिक व्यापक एव महंगी नीति को अपनाया।

10. विजयनगर शासकों की स्थापत्य कला के कौन–कौन से से तत्व तुर्क सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे ?

उत्तर– 1. किलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेश द्वारों पर बनी मेहराब और द्वार के ऊपर बनी गुम्बद तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य थी।

2. इस शैली को इण्डो–इस्लामिक (हिंद–इस्लामी) कहते है क्योंकि इसका विकास विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय स्थापत्य कला के सम्पर्क से हुआ था।

11. विजयनगर साम्राज्य में महानवमी डिब्बा का क्या धार्मिक महत्व था ?

उत्तर– 1. यह ऊँचे स्थान पर निर्मित विशालकाय मंच है जिसका आधार उभारदार उत्कीर्णन से पटा पड़ा है।

2. इसका उपयोग शासक अपने रुतबे, ताकत तथा अधिराज्य

शेखावाटी मिशन–100

का प्रदर्शन करने में करते थे।

3. इससे जुड़े अनुष्ठान दस दिन के हिंदू त्यौहार दशहरा, नवरात्री या महानवमी नामों से होता था।

4. इसके अनुष्ठान में मूर्तिपूजा, अश्व पूजा तथा भैसों की बली दी जाती थी।

5. नृत्य, कुश्ती, साज लगें घोड़ो, हाथियों, रथों एवं सैनिकों की शोभायात्रा होती थी।

12. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम् का क्या महत्त्व है ?

उत्तर– गोपुरम् राजकीय सत्ता की घोतक थी। ये राजकीय प्रवेशद्वार थे जो अक्सर केन्द्रीय देवालयों की मीनारो को बौना प्रतीत कराते थे और लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे।

13. विरूपाक्ष मंदिर की विशिष्टताएं बताइए ?

उत्तर– इसका निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था लेकिन विजयनगर साम्राज्य में इसका अधिक विस्तार हुआ। कृष्णदेव राय ने इसमें मण्डप एवं गोपुरम् का निर्माण करवाया था। केन्द्रीय देवालय पूरे परिसर के एक छोटे भाग तक सीमित रह गया था।

14. विट्ठल मंदिर का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर– ये महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप थे जो यहाँ के प्रमुख देवता थे। विट्ठल मंदिर में कई सभागार तथा रथ के आकार का मंदिर है। इसकी अन्य विशेषता रथ गलियाँ है जो मन्दिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती है। इसके दोनों ओर स्तंभ वाले मण्डप थे जिसमें व्यापारी अपनी दुकाने लगाते थे।

15. विजयनगर साम्राज्य की यात्रा करने वाले विदेशी यात्री कौन–कौन थे ?

उत्तर– 1. इटली का निकोलो दे कॉन्ती

2. फारस का अब्दुर रज़्ज़ाक

3. रूस का अफानासी निकितन

4. पुर्तगाल का दुआर्ते नूनिज बरबोसा

16. कृष्णदेव राय की विजयों के बारे में बताइए?

उत्तर– 1. कृष्णा व तुंगभद्रा नदियों के बीच का क्षेत्र (रायचूर दोआब) पर विजय (1512 ई.)

2. उड़ीसा के शासकों का दमन (1514 ई.)

3. बीजापुर के सुल्तान पर विजय (1520 ई.)

17. विजयनगर के शासक और सल्तनते दोनो एक दूसरे के स्थायित्व को निश्चित करने के लिए इच्छुक थे स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. दोनों में धार्मिक विभिन्नताए होने पर भी हमेशा या अपरिहार्य रूप से शत्रुता नही रखते थे।

2. कृष्ण देव राय ने बहमनी साम्राज्य के कई दावेदारों का समर्थन किया जिस पर उन्हें यवन राज्य की स्थापना करने वाला का विरूद्ध धारण किया था।

3. बीजापुर के सुल्तान ने कृष्णदेव राय की मृत्यु के पश्चात विजयनगर के उत्तराधिकार के विवाद को सुलझाया था।

18. तुंगभद्रा नदी के तट से लगे शहर के चट्टानी उत्तरी भाग का कई धार्मिक मान्यताओं से संबंध था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– 1. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार थे पहाड़ियाँ रामायण में उल्लिखित बाली व सुग्रीव के वानर राज्य की रक्षा करती थी।

2. स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी ने इन पहाड़ियों में विरुपाक्ष, जो राज्य का संरक्षक देवता तथा शिव को एक रूप माने जाते है से विवाह के लिए तप किया था।

3. विजयनगर साम्राज्य में पूर्वकालिक जैन मंदिर मिले हैं।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय – 8
किसान, जमींदार और राज्य
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अकबर के शासनकाल में 'अमील–गुजार' नामक अधिकारी का कार्य था ?

उत्तर– (अ) कानून और व्यवस्था संभालना
(ब) भूमि राजस्व का मूल्यांकन और संग्रह करना
(स) राजघराने का प्रभारी होना
(द) शाही खजाने की देखभाल करना। (ब)

2. अकबर के समय भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया था ?
(अ) 5 (ब) 6
(स) 4 (द) 3
उत्तर–(स)– पोलज, परौती, चचर, बंजर

3. इटली के किस यात्री ने (1690 ई. में भारत से होकर गुजरा था) इस बात का बड़ा सजीव चित्र पेश किया कि चाँदी तमाम दुनिया से होकर भारत पहुंचती थी ?
(अ) जोवान्नी कारेरी (ब) बर्नियर
(स) इब्न बतूता (द) अल–बिरुनी (अ)

4. अकबरनामा की रचना किसने की थी ?
(अ) बाबर (ब) अकबर
(स) अबुल फजल (द) इनायत खाँ (स)

5. खुद – काश्त और पाहि काश्त क्या है ?
(अ) सैनिक (ब) व्यापारी
(स) शासक (द) किसान (द)

6. मुगल काल में भारतीय–फारसी स्रोत निम्न में से किसके लिए 'मुजरियान' शब्द का इस्तेमाल करते थे ?
(अ) जर्मीदार (ब) जाति
(स) किसान (द) मुखिया (स)

7. जोवान्नी कारेरी ने भारत की यात्रा किस शताब्दी में की थी?
(अ) 15वीं शताब्दी (ब) 16वीं शताब्दी
(स) 17वीं शताब्दी (द) 18वीं शताब्दी (स)

8. जोवान्नी कारेरी कहां का निवासी था?
(अ) इटली (ब) फ्रांस
(स) मोरक्को (द) जापान (अ)

9. आइन–ए–अकबरी में कितने भाग हैं?
(अ) 3 (ब) 5
(स) 9 (द) 13 (ब)

10. आइन–ए– अकबरी का पहला भाग किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) मुल्क आबादी (ब) मंजिल आबादी
(स) सिपह– आबादी (द) परगना–आबादी (ब)

11. आइन के अनुसार दोनों मौसम मिलाकर, मुगल प्रांत आगरा में कितने फसलों की पैदावार होती थी?
(अ) 15 (ब) 28
(स) 39 (द) 43 (स)

12. आइन के अनुसार दोनों मौसम मिलाकर, दिल्ली प्रांत में कितनी फसलों की पैदावार होती थी ?
(अ) 15 (ब) 28
(स) 39 (द) 43 (द)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. 16–17 वीं सदी के दौरान हिन्दुस्तान में लगभग कितने प्रतिशत लोग गाँवों में रहते थे ?

उत्तर– 85 प्रतिशत

2. मुगल काल के भारतीय फारसी स्त्रोत किसान के लिए किस शब्द का प्रयोग करते थे ?

उत्तर– रैयत, मुजरियान

3. 17 वीं सदी के स्त्रोत कितने प्रकार के किसानों का उल्लेख करते हैं? उनके नाम लिखिए ?

उत्तर– (1) 17 वीं शताब्दी के स्त्रोत दो प्रकार के किसानों का उल्लेख करते हैं।
(2) खुद– काश्त किसान व पाहि काश्त – किसान

4. पंजाब में शाह नहर किसके समय बनी ?

उत्तर– मुगल बादशाह शाहजहां के समय।

5. जिन्स ए कामिल (सर्वोत्तम फसलें) फसलें कौनसी थी ?

उत्तर– कपास व गन्ना

6. मुकुंदराम चक्रवर्ती द्वारा लिखी गई बंगाली कविता कौनसी है?

उत्तर– चंडीमंगल

7. मुकुंदराम चक्रवर्ती द्वारा लिखी गई बंगाली कविता चंडीमंगल का नायक कौन हैं?

उत्तर–कालकेतु

शेखावाटी मिशन–100

8. मुगलकाल में खेतिहर समाज की बुनियादी इकाई क्या थी ?

उत्तर– गाँव

9. आइन–ए–अकबरी के लेखक कौन है ?

उत्तर– अबुल फजल

10. अबुल फजल किस शासक का दरबारी इतिहासकार था ?

उत्तर– मुगल शासक अकबर का

11. बाबरनामा किसकी रचना/आत्मकथा है?

उत्तर– मुगल शासक बाबर की

12. बाबर की रचना बाबरनामा के अनुसार सिंचाई के साधन कौन–से थे ?

उत्तर– (1) रहट (2) बाल्टियां

13. मुगलकाल में गाँव का मुखिया/पंचायत का मुखिया क्या कहलाता था ?

उत्तर– मुकद्दम या मंडल

14. मल्लाहजादाओं का शाब्दिक अर्थ है –

उत्तर– नाविकों के पुत्र

15. मुगलकालीन ऐसे दो स्थानों के नाम लिखिए, जहाँ महिला जमींदार पाई जाती थीं ?

उत्तर– पंजाब और बंगाल (बंगाल के राजशाही में)

16. 18 वीं सदी की सबसे बड़ी और मशहूर जमींदारियों में से एक थी .... की जमींदारी जिसकी कर्ता धर्ता एक स्त्री थी।

उत्तर– राजशाही

17. पायक कौन थे ?

उत्तर– पायक पैदल सैनिक होते थे, जो जमीन के बदले सैनिक सेवा देते थे।

18. 16 वीं–17 वीं सदियों के कृषि इतिहास को समझने के लिए हमारे लिए मुख्य स्रोत कौन–सा ऐतिहासिक ग्रंथ है ?

उत्तर– अबुल – फजल की आइन–ए–अकबरी

19. मुगलकालीन भू–राजस्व के इंतजामात में दो चरण कौन से थे ?

उत्तर – पहला चरण– जमा /कर निर्धारण (जमा निर्धारित रकम थी) दूसरा चरण–हासिल/वास्तविक वसूली (हासिल सचमुच वसूली गई रकम थी।

20. मवास का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

उत्तर– शरण देने वाला अड्डा

21. जीन्स–ए–कामिल से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – मुगलकाल में वाणिज्यिक फसलों को जीन्स–ए–कामिल कहा जाता था। गन्ना, कपास, नील तथा रेशम आदि नगदी फसलें थी, इसलिए इन्हें जीन्स–ए–कामिल कहा जाता था। मुगल राज्य भी किसानों को ऐसी फसलों की खेती करने के लिए बढ़ावा देता था क्योंकि इनसे राज्य को ज्यादा कर मिलता था ।

22. मुगल राज्य अपनी आमदनी का बहुत बड़ा हिस्सा कहां से उगाहता/प्राप्त करता था ?

उत्तर– कृषि उत्पादन से

23. खुद– काश्त से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – मुगल काल में खुद–काश्त उन किसानों को कहा जाता था, जो अपने ही गांव में स्थायी रूप से रहते थे तथा अपनी ही भूमि पर खेती करते थे।

24. पाही– काश्त से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – मुगल काल में पाही–काश्त उन किसानों को कहा जाता था, जो दूसरे गांव में जाकर खेती करते थे तथा वहां अस्थायी रूप से निवास करते थे।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. 17 वीं सदी के मुगलकालीन स्त्रोत भारत में कितने प्रकार के किसानों का उल्लेख करते हैं? वर्णन कीजिए। अथवा खुद–काश्त और पाहि काश्त किसानों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (1) 17 वीं शताब्दी के स्त्रोत दो प्रकार के किसानों का उल्लेख करते हैं।

(2) खुद– काश्त किसान व पाहि काश्त किसान।

मुगल काल में खुद–काश्त उन किसानों को कहा जाता था, जो अपने ही गांव में स्थायी रूप से रहते थे तथा अपनी ही भूमि पर खेती करते थे । मुगल काल में पाही–काश्त उन किसानों को कहा जाता था, जो दूसरे गांव में जाकर खेती करते थे तथा वहां अस्थायी रूप से निवास करते थे।

2. मुगलकालीन कृषि इतिहास लिखने में आईने अकबरी/आइन को स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने में कोई दो समस्याएं बताइये ? अथवा आइन–ए– अकबरी की किन्हीं दो सीमाओं/त्रुटियों / समस्याओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– जिन इतिहासकारों ने ध्यान से आइन का अध्ययन किया,

शेखावाटी मिशन–100

वे बताते हैं कि यह ग्रंथ पूरी तरह समस्याओं से परे नहीं है –

अ. आइन में जोड़ करने में गलतियाँ पाई गई है।

ब. आइन की एक और सीमा यह है कि इसके संख्यात्मक आंकड़ों में विषमताएं हैं। सभी सूबों से आंकड़े एक ही शक्ल में नहीं एकत्रित किए गए ।

स. जहां सूबों से लिए गए राजकोषीय आंकड़े बड़ी सावधानी से दिए गए हैं, वही उन्हीं इलाकों से कीमतों और मजदूरी जैसे इतने ही महत्वपूर्ण मापदंड इतने अच्छे से दर्ज नहीं किए गए हैं।

3. जजमानी प्रथा क्या थी ? / जजमानी व्यवस्था से आप क्या समझते है ?

उत्तर– जजमानी व्यवस्थाः– भारतीय ग्रामीण समाज में प्रचलित एक तरह की सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था थी, जिसमें समाज का एक वर्ग किसी दूसरे वर्ग को एक निश्चित सेवा प्रदान करता था जिसके बदले में सेवा प्रदान करने वाले वर्ग को सेवा का लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्ति से नकद धन के रूप में या फिर अधिकतर फसल के एक भाग के रूप में या धान्य या अन्य सामग्री प्रदान की जाती थी। उदाहरण 18 वीं सदी के स्त्रोत बताते हैं कि बंगाल में जमींदार उनकी सेवाओं के बदले लोहार, बढ़ई और सुनारों तक को रोज का भत्ता और खाने के लिए अनाज देते थे।

4. 17 वीं सदी में दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से कौन–कौन सी नयी फसलें भारतीय उपमहाद्वीप में पहुंची ?

उत्तर– 17वीं सदी में दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से कई नई फैसले भारतीय उपमहाद्वीप पहुंची ।

मक्का – मक्का भारत में अफ्रीका और स्पेन के रास्ते आया और 17वीं सदी तक इसकी गिनती पश्चिमी भारत की मुख्य फसलों में होने लगी ।

टमाटर, आलू और मिर्च जैसी सब्जियां नई दुनिया/ अमेरिका से लाई गई।

अनानास और पपीता जैसे फल भी नई दुनिया / अमेरिका से ही आई ।

5. एक छोटा गणराज्य की अवधारणा क्या थी ?/भारतीय गांव एक छोटा गणराज्य थे, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– 19वीं सदी के कुछ अंग्रेज अफसरों ने भारतीय गांवों को एक ऐसे 'छोटे गणराज्य' के रूप में देखा, जहां लोग सामूहिक स्तर पर भाईचारे के साथ संसाधनों और श्रम का बंटवारा करते थे ।

6. मुगलकालीन कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– 16वीं तथा 17वीं शताब्दी में महिलाएं और पुरुष कंधे से कंधा मिलाकर खेतों में काम करते थे। पुरुष खेत जोतते थे व हल चलाते थे और महिलाएं खेतों में बुवाई, निराई और कटाई के साथ–साथ पकी हुई फसलों का दाना निकलने का काम करती थी। किसान और दस्तकार महिलाएं जरूरत पड़ने पर न सिर्फ खेतों में काम करती थी बल्कि नियोक्ताओं के घरों पर भी जाती थी और बाजारों में भी ।

7. आइन के पहले तीनों भागों का उल्लेख कीजिए ? अथवा मंजिल आबादी, सिपह आबादी, मुल्क आबादी क्या है, उल्लेख कीजिए ? /हमारे लिए आइन अकबर के शासन के दौरान मुगल साम्राज्य के बारे में सूचनाओं की खान है, स्पष्ट कीजिए।/ आइन–ए–अकबरी पर एक लेख लिखिए ?

उत्तर– अकबरनामा के तीन भाग हैं, जिनमें से तीसरा भाग आईने अकबरी है। अकबर के शासन के 42वें वर्ष, 1598 ई. में पांच संशोधनों के बाद आईने – अकबरी को पूरा किया गया।

आइन पांच भागों का संकलन है। इसके पहले तीन भाग मंजिल आबादी, सिपह–आबादी तथा मुल्क आबादी हैं।

पहला भाग – मंजिल – आबादी के नाम से पहली किताब मुगल शाही घर परिवार और उसके रख–रखाव से संबंधित है।

दूसरा भाग सिपह– आबादी सैनिक व नागरिक प्रशासन और नौकरों की व्यवस्था के बारे में है। इस भाग में शाही अफसरों, विद्वानों, कवियों और कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां शामिल है।

तीसरा भाग मुल्क आबादी साम्राज्य व प्रांतों के वित्तीय पहलुओं तथा राजस्व की दरों के आंकड़ों की विस्तृत जानकारी देने के बाद 'बारह प्रांतों का बयान' देता है।

इस प्रकार आइन ने बादशाह को साम्राज्य के तमाम इलाकों में प्रचलित रिवाजों और पेशों की जानकारी दी। इस तरह हमारे लिए आइन अकबर के शासन के दौरान मुगल साम्राज्य के बारे में सूचनाओं की खान है।

8. 16 वीं–17वीं सदी / मुगलकाल में चाँदी का बहाव भारत की

शेखावाटी मिशन–100

ओर हुआ, इससे भारत को क्या लाभ हुआ ?

उत्तर– चाँदी के भारत की ओर बहाल के लाभ– भारत में चांदी के प्राकृतिक संसाधन नहीं थे, लेकिन चांदी के बहाव के कारण भारत में चांदी की उपलब्धता बनी । 16वीं से 18वीं सदी के बीच भारत में धातु मुद्रा, खासकर चांदी के रूपयों, की उपलब्धि में अच्छी स्थिरता बनी रही। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा संचार और सिक्कों की ढलाई में अभूतपूर्व विस्तार हुआ ।

9. मुगलकाल में भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया था, नाम लिखिए ? अथवा अकबर ने भूमि को खेती की बारम्बारता के आधार पर कितने भागों में बांटा था, नाम लिखिए।

उत्तर– अकबर ने भूमि को खेती की बारम्बारता के आधार पर चार भागों में बांटा था।

(1) पोलज– पोलज वह जमीन है, जिसमें प्रतिवर्ष खेती की जाती थी। जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता था।

(2) परौती– जिसमें एक वर्ष के अंतर पर खेती होती थी। इस भूमि को कुछ खास समय के लिए उर्वर शक्ति प्राप्त करने के लिए खाली छोड़ दिया जाता था ।

(3) चचर– चचर वह जमीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है।

(4) बंजर–बंजर वह जमीन है जो 5 साल या उससे अधिक समय तक खेती के काम में नहीं लाई जाए ।

10. मुगलकालीन भू–राजस्व प्रणाली/व्यवस्था का उल्लेख कीजिए ? अथवा मुगलकालीन भू–राजस्व प्रणाली में जमा एवं हासिल क्या थे, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– मुगल काल में राज्य की आय का मुख्य स्रोत भू– राजस्व था। इसी कारण मुगल शासकों ने भू– राजस्व प्रशासन में विशेष रूचि ली। राजस्व अधिकारी खेती की दुनिया में दाखिल हुए।

दीवान– दीवान अथवा वित्त मंत्री मुगलों का दूसरा सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंत्री होता था। दीवान के कार्यालय पर पूरे राज्य की वित्तीय व्यवस्था के देखरेख की जिम्मेदारी थी ।

अमिल–गुजार – यह सरकार में राजस्व का प्रमुख अधिकारी होता था। इसका मुख्य कार्य भूमिकर निर्धारित कर, उसकी वसूली करना तथा इकट्ठा भूमिकर को शाही खजाने में जमा करना था।

भू राजस्व के इंतजाम में दो चरण थे– कर निर्धारण और वास्तविक वसूली। जमा निर्धारित रकम थी और हासिल सचमुच वसूली गई रकम। मुगलकालीन भू– राजस्व व्यवस्था को एक सुनिश्चित स्वरूप प्रदान करने का श्रेय अकबर को ही प्राप्त था। अकबर के समय हर प्रांत में जुती हुई जमीन और जोतने लायक जमीन दोनों की नपाई की गई। अकबर ने भूमि को खेती की बारंबारता (उपज) के आधार पर चार श्रेणी में विभक्त किया–पोलज, परती, चचर, बंजर

11. 16–17 वीं शताब्दी में राज्य द्वारा जंगलों में घुसपैठ के क्या कारण थे ?

उत्तर– राज्य द्वारा जंगलों में घुसपैठ के कारण–

1. हाथियों की प्राप्ति के लिए–राज्य को सेना के लिए हाथियों की जरूरत होती थी। इसलिए जंगलवासियों से ली जाने वाली भेंट में अकसर हाथी भी शामिल होते थे। हाथियों की प्राप्ति के लिए राज्य जंगलों में घुसपैठ करता था।

2. जंगलों में शिकार अभियान के नाम पर बादशाह अपने विशाल साम्राज्य के कोने–कोने का दौरा करके साम्राज्य की भौगोलिक जानकारी जुटाने का प्रयास करता था ।

12. 16–17 वीं शताब्दी में वाणिज्यिक खेती जंगलवासियों के जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही थी ?

उत्तर– वाणिज्यिक खेती का प्रभाव एक ऐसा बाहरी कारक था, जो जंगलवासियों के जीवन को प्रभावित कर रहा था। जंगल के उत्पाद जैसे शहद, मधुमोम और लाक की बहुत मांग थी। लाक तो 17वीं सदी में भारत से समुद्र पार होने वाली निर्यात की मुख्य वस्तु थी। हाथी भी पकड़े और बेचे जाते थे । व्यापार के तहत वस्तुओं के अदला बदली भी होती थी। कुछ कबीले भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले जमीनी व्यापार में लगे थे, जैसे पंजाब का लोहानी कबीला ।

13. 16–17 वीं शताब्दी के प्रारंभ में कृषि इतिहास को जानने के स्त्रोत कौन–से है?

उत्तर– 1. अबुल फजल की आईने अकबरी

2. ईस्ट इंडिया कंपनी के दस्तावेज

3. गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान से मिले दस्तावेज

14. कृषि इतिहास लिखने के लिए आइन को स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने में क्या समस्याएं हैं?

उत्तर– किसानों के बारे में जो कुछ हमें आइन से पता चलता है, वह सत्ता के ऊंचे गलियारों का नजरिया है। ग्रामीण समाज

शेखावाटी मिशन–100

के क्रियाकलापों की जानकारी हमें उन लोगों से नहीं मिलती, जो खेतों में काम करते थे। अबुल फजल मुगल दरबार से जुड़े थे।

15. ''मुगल भारत में कृषि संबंधों की हमारी दास्तान तब तक अधूरी रहेगी जब तक गांव में रहने वाली एक ऐसे तबके की बात न कर लें जिसकी कमाई तो खेती से आती थी लेकिन जो कृषि उत्पादन में सीधे हिस्सेदारी नहीं करते थे। कथन की व्याख्या कीजिए। अथवा मुगल भारत में जमींदारों की भूमिका का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– ये जमींदार थे जो अपनी जमीन के मालिक होते थे और जिन्हें ग्रामीण समाज में ऊंची हैसियत की वजह से कुछ खास सामाजिक और आर्थिक सुविधाएं मिली हुई थीं । जमींदार की कमाई तो खेती से आती थी लेकिन वह कृषि उत्पादन में सीधे हिस्सेदारी नहीं करते थे। उन्हें किसानों से उपज का निर्धारण अंश प्राप्त करने का भी अधिकार था। जमींदारों की व्यक्तिगत जमीन थी जिस पर अकसर दिहाड़ी मजदूर या पराधीन मजदूर काम करते थे। जमींदार की व्यक्तिगत जमीन पर जमींदार के निजी इस्तेमाल के लिए खेती होती थी और इस पर मजदूरों से खेती कराते थे।

16. मुगलकाल में जमींदारों के ताकतवर होने के क्या कारण थे ?

उत्तर – जमींदारों को राजा का संरक्षण प्राप्त था। जमींदार राज्य की ओर से कर वसूल करते थे, इसके बदले उन्हें वित्तीय मुआवजा मिलता था।

जमींदारों के पास अपने किले थे और उनकी निजी सेना भी होती थी। सैनिक संसाधन उनकी ताकत का एक ओर जरिया था ।

17. पंचायत और गांव का मुखिया किस तरह ग्रामीण समाज का नियमन करते थे ?

उत्तर– गांव की पंचायत में बुजुर्गों का जमावड़ा होता था। आमतौर पर वे गांव के महत्वपूर्ण लोग हुआ करते थे। पंचायत का एक मुखिया होता था जिसे मुकद्दम या मंडल कहते थे। मुखिया का चुनाव गांव के बुजुर्गों के आम सहमति से होता था और इस चुनाव के बाद उन्हें इसकी मंजूरी जमींदार से लेनी पड़ती थी। पंचायत का खर्चा गांव के उस आम खजाने से चला था, जिसमें हर व्यक्ति अपना योगदान देता था। पंचायत का एक बड़ा काम यह सुनिश्चित करना था कि गांव में रहने वाले अलग–अलग समुदाय के लोग अपनी जाति की हदों के अंदर रहे। पंचायत को जुर्माना लगाने और समुदाय से निष्कासित करने जैसे ज्यादा गंभीर दंड देने का अधिकार था। समुदाय से बाहर निकालना एक कड़ा कदम था जो एक सीमित समय के लिए लागू किया जाता था।

ग्राम पंचायत के अलावा गांव में हर जाति की अपनी पंचायत होती थी। समाज में ये पंचायतें काफी ताकतवर होती थी। फौजदारी न्याय को छोड़ दे तो ज्यादातर मामलों में राज्य जाति पंचायत के फैसले को मानता था ।

अध्याय – 9
उपनिवेशवाद और देहात
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. संथाल विद्रोह कब हुआ था?
(अ) 1855—56 (ब) 1830—31
(स) 1757—58 (द) 1815—16 (अ)

2. रैयतवाड़ी एक............थी।
(अ) भू राजस्व व्यवस्था। (ब) सिंचाई व्यवस्था
(स) पुलिस प्रशासन व्यवस्था। (द) कानून व्यवस्था। (अ)

3. बंगाल में 1793 में किस गवर्नर जनरल ने इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू किया था?
(अ) मार्टिन बर्ड (ब) मुनरो
(स) कार्नवालिस (द) जान शोर। (स)

4. इस्तमरारी बन्दोबस्त सबसे पहले कहा लागू की गई?
(अ) बंगाल में (ब) बम्बई में।
(स) मद्रास में (द) उत्तर प्रदेश में। (अ)

5. बंगाल में इस्तमरारी बन्दोबस्त कब लागू हुआ?
(अ) 1790 (ब)। 1793
(स) 1795 (द) 1799 (ब)

6. 'राजा' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया जाता था ?
(अ) शक्तिशाली जमींदारों के लिए (ब) ताल्लुकदारों के लिए
(स) जोतदारों के लिए (द) रैयतदारों के लिए (अ)

7. ....में बर्दवान में जमींदारी की नीलामी की गई थी।

शेखावाटी मिशन–100

(अ) 1896 (ब) 1797

(स) 1697 (द) 1792 (ब)

8. अंग्रेजों के विवरणों में रैयत शब्द का प्रयोग ...... के लिए किया गया था।

(अ) श्रमिक (ब) मकान मालिक

(स) किसान (द) सरकारी कर्मचारी (स)

9. धनी किसानों के लिए........ शब्द का प्रयोग होता था ।

(अ) फौजदार (ब) जोतदार

(स) ताल्लुकदार (द) अमला (ब)

10. बाहरी लोगों को संथाल लोग क्या कहते थे?

(अ) परदेशी (ब) अंग्रेजी बाबू

(स) दिकू (द) जोरदार (स)

11. संथालों का नेतृत्व किसने किया।

(अ) सिधू मांझी व कान्हू (ब) फ्रांसिस बकन

(स) कार्नवालिस (द) बर्दवान के राजा (अ)

12. बुकानन कौन था ?

(अ) ब्रिटिश एजेन्ट (ब) राजस्व अधिकारी

(स) व्यापारी (द) सैनिक (अ)

13. अमेरिका में गृह युद्ध आरम्भ हुआ।

(अ) 1861 में (ब) 1761 में

(स) 1840 में (द) 1760 में (अ)

14. रेलों का युग प्रारम्भ होने से पहले .... कस्बा दक्कन से आने वाली कपास के लिए संग्रह केन्द्र था।

(अ) मिर्जापुर (ब) बम्बई

(स) मद्रास (द) दिल्ली (अ)

15. जमींदारों की असफलता के कारण थे–

(अ) प्रारंभिक माँगों का ऊँचा होना।

(ब) जमींदारों का देय राशि चुकाने में असफल होना।

(स) राजस्व का असमान होना।

(द) उपरोक्त सभी (द)

16. औपनिवेशिक काल में गाँव के मुखिया क्या कहलाते थे?

(अ) हवलदार (ब) मण्डल

(स) गाँटीदार (द) उक्त सभी (द)

17. बर्दवान में इस्तमरारी बंदोबस्त किसके शासनकाल में लागू किया गया ?

(अ) तेज चंद (ब) बहादुर शाह

(स) मीर जाफर (द) मीर कासिम (अ)

18. फ्रांसिस बुकानन पेशे से क्या था?

(अ) चिकित्सक (ब) व्यापारी

(स) सैनिक (द) जौहरी (अ)

19. ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी को बंगाल की दीवानी कब प्राप्त हुई थी ?

(अ) 1769 (ब) 1775

(स) 1753 (द) 1765 (द)

20. औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम .... में स्थापित किया गया था।

(अ) बंगाल (ब) गुजरात

(स) मुंबई (द) मैसूर (अ)

21. इस्तमरारी बंदोबस्त को कब लागू किया गया था?

(अ) 1757 ई. (ब) 1764 ई.

(स) 1793 ई. (द) 1799 ई. (स)

22. पांचवी रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी?

(अ) 1857 ई. (ब) 1793 ई.

(स) 1813 ई. (इ) 1805 ई. (स)

23. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी?

(अ) 1813 ई. (ब) 1875 ई.

(स) 1878 ई. (द) 1899 ई. (स)

24. ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई ?

(अ) 1813 ई. (ब) 1857 ई.

(स) 1878 ई. (द) 1899 ई. (ब)

25. मैनचेस्टर कॉटन कंपनी कब बनाई गई?

(अ) 1853 ईस्वी (ब) 1857 ईस्वी

(स) 1858 ईस्वी (द) 1859 ईस्वी (द)

26. अमेरिका में गृह युद्ध .... में खत्म हुआ था।

(अ) 1793 (ब) 1857

(स) 1865 (द) 1886 (स)

27. भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में कौन–सी रिपोर्ट तैयार की गई थी?

(अ) सातवीं रिपोर्ट (ब) आठवीं रिपोर्ट

(स) दसवीं रिपोर्ट (द) पांचवी रिपोर्ट (द)

28. दामिन–इ–कोह का क्षेत्र किस जनजाति से संबंधित था ?

(अ) संथाल (ब) गरासिया

(स) पहाड़िया (द) भील (अ)

शेखावाटी मिशन–100

29. राजस्व इकट्ठा करते समय जमीदार का एक अधिकारी जिसे आमतौर पर. कहते थे, गांव में आता था।
(अ) अमला (ब) दरबारी
(स) सेनापति (द) नायक (अ)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. पांचवी रिपोर्ट एक ऐसी रिपोर्ट है जो एक .... द्वारा तैयार की गई थी।

उत्तर– प्रवर समिति

2. .... को पहाड़ियां जीवन का प्रतीक माना जाता है।

उत्तर– कुदाल

3. हल को किसकी की शक्ति का प्रतिनिधि माना जाता था?

उत्तर– बाशिदों/संथालों

4. ....के सीमांकन के बाद संथालों की बस्तियां बड़ी तेजी से बढ़ी।

उत्तर– दामिन–इ–कोह

5. जो राजस्व प्रणाली बंबई दक्कन में लागू की गई उसे......... . कहा जाता है।

उत्तर– रैयतवाडी

6. मुबई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त .... के दशक में किया गया।

उत्तर– 1820

7. .... के दशक से पहले, ब्रिटेन में कच्चे माल के तौर पर आयात की जाने वाली समस्त कपास का तीन चौथाई भाग .... से आता था ।

उत्तर– 1860, अमेरिका

8. .... में अंग्रेजों ने एक परिसीमन कानून पारित

उत्तर– 1859

9. इस्तमरारी बंदोबस्त .... ने राजस्व की राशि निश्चित करने के लिए लागू की थी।

उत्तर– ईस्ट इंडिया कंपनी।

10. अमेरिकी स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान .... ब्रिटिश सेना का कमाण्डर था।

उत्तर– कार्नवालिस।

11. .... का शाब्दिक अर्थ है वह व्यक्ति जिसके पास लाठी या डंडा हो।

उत्तर– लठियाल।

12. 19 वीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में, ... ने राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया।

उत्तर– बुकानन।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. दक्कन दंगा आयोग द्वारा 1875 के दंगों हेतु किसे उत्तरदायी माना गया ?

उत्तर– साहूकार एवं ऋण दाता की शोषण नीतियों को।

2. फ्रांसिस बुकानन किस गवर्नर जनरल का शल्य चिकित्सक भी रहा था?

उत्तर– लार्ड वेलेजली का।

3. रेगुलेटिंग एक्ट क्या था ?

उत्तर– ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के कार्यकलापों को विनियमित करने वाला अधिनियम।

4. अंग्रेजों ने भारत के विभिन्न भागों में भू राजस्व संबंधी कौन सी प्रणालियाँ प्रचलित की थी ?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी बंदोबस्त और महालवाड़ी बंदोबस्त ।

5. वह कौनसा प्रांत था जहां पर सबसे पहले ग्रामीण समाज को पुर्नव्यवस्थित करने और भूमि संबंधी अधिकारों की नयी व्यवस्था तथा एक नयी राजस्व प्रणाली स्थापित करने के प्रयत्न किए गये थे?

उत्तर– बंगाल में

6. इस्तमरारी बंदोबस्त कब व कहां लागू किया गया?

उत्तर– सन् 1793 में, बंगाल में।

7. योमॅन किसे कहा जाता था?

उत्तर– छोटे किसानों को

8. अंग्रेजों के विवरणों में रैयत शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

उत्तर– किसानों के लिए

9. बंगाल में धनी किसानों को किस नाम से पुकारा जाता था?

उत्तर– जोतदार

10. कुदाल को किन लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है?

उत्तर– कुदाल को पहाड़ियां लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है।

11. हल को किन लोगों की शक्ति का प्रतिनिधि माना जाता है?

उत्तर– संथालों की

12. संथाल विद्रोह कब और किसके नेतृत्व में हुआ?

उत्तर– 1855–56 ई. में, सिधू मांझी और कान्हू के नेतृत्व में

13. दक्कन विद्रोह/ आंदोलन कब और किस स्थान पर हुआ?

उत्तर– 12 मई 1875 ई. को, पूना (आधुनिक पुणे) जिले के गांव सूपा में

शेखावाटी मिशन–100

14. दक्कन विद्रोह के स्वरूप/प्रकृति के बारे में बताइए?

उत्तर– सब जगह दक्कन विद्रोह का स्वरूप एक समान था। किसानों ने साहूकारों से उनके बही खातों और ऋणबंधों की मांग करते हुए उन पर हमला बोल दिया। किसानों ने साहूकारों के बही खाते जला दिए और ऋणबंध नष्ट कर दिए गए।

15. जो राजस्व प्रणाली बम्बई दक्कन में लागू की गई उसे किस नाम से जाना जाता हैं?

उत्तर– जो राजस्व प्रणाली बंबई दक्कन में लागू की गई उसे रैयत्तवाडी कहा जाता है।

16. बर्दवान में की गई नीलामी की घटना क्या थी?

उत्तर– 1797 ई० में बर्दवान की भूसंपदा को नीलाम किया गया था। इसका निश्चित भू–राजस्व की अदायगी नहीं कर सका था। इसे सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को बेच दिया गया था।

17. किरायाजीवी शब्द किसका घोतक है ?

उत्तर– किरायजीवी शब्द ऐसे लोगों का घोतक है जो अपनी संपत्ति के किराए की आय पर जीवन यापन करते है।

18. 1770 ई० के दशक में बंगाल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट के दौर से क्यों गुजर रही थी?

उत्तर– (1) इस समय बंगाल में बार–बार अकाल पड़ रहे थे।

(2) खेती की पैदावार कम होती जा रही थी।

19. रैयत एवं शिकमी रैयत से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– (1) रैयत किसानों को कहा जाता था। वे कुछ जमीन खुद जोतते थे तथा भू–राजस्व जमीदार को देते थे।

(2) शिकमी रैयत, रैयत से पट्टे पर प्राप्त जमीन को जोतते थे तथा उन्हें भू राजस्व देते थे।

20. इस्तमरारी बंदोबस्त को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त को स्थायी बंदोबस्त भी कहते हैं।

21. इतमरारी बंदोबस्त / भू राजस्व व्यवस्था क्या थी।

उत्तर– इसमें बंगाल के जमींदारों व कंपनी के बीच कर वसूलने की एक स्थायी व्यवस्था थी। जिसमें राजस्व की दर निश्चित होती थी। इस बंदोबस्त में जमींदार गाँव में भू–स्वामी नहीं बल्कि राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) होता था।

22. सूर्यास्त का नियम/कानून क्या था?

उत्तर– इस कानून के अनुसार यदि जमींदार द्वारा निश्चित तारीख को सूर्य अस्त होने तक लगान / भू–राजस्व नहीं दिया गया तो उसकी जमीदारी नीलाम हो जायेगी।

23. अमला कौन था? उसे पेश आने वाली कोई दो समस्याएँ बताएँ।

उत्तर– अमला जमीदार का एक भू राजस्व अधिकारी था। जिसके माध्यम से जमींदार राजस्व का सग्रहण करता था–

(1) फसलों के खराब होने पर रैयत उसे भू–राजस्व अदा नहीं करते थे।

(2) जोतदार जो गाँव में काफी प्रभावशाली होते थे अमला के मार्ग में बाधा उत्पन्न करते थे।

24. जोतदार कौन थे? ये किन अन्य नामों से जाने जाते थे?

उत्तर– (1) जोतदार गाँव के धनी किसान थे।

(2) वे हवलदार एवं गांटीदार नामक नामों से जाने जाते थे।

25. ग्रामीण बंगाल के बहुत से इलाकों में जोतदार एक ताकतवर हस्ती क्यों था?

उत्तर– (1) जोतदारों के पास भूमि के बड़े–बड़े टुकड़े थे। वे किसानों के हितैषी थे।

(2) उनका स्थानीय व्यापार एवं साहूकारी पर पूरा नियंत्रण था।

26. पहाड़ियां से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– राजमहल की पहाड़ियों के आस–पास रहने वाले लोग पहाड़ियां कहलाते थे। पहाड़ियां लोग जंगल की उपज से अपनी गुजर बसर करते थे और झूम खेती किया करते थे।

27. रैयतवाड़ी राजस्व व्यवस्था के बारे में बताइए?

अथवा

रैयतवाडी बंदोबस्त क्या था?

उत्तर– (1) रैयतवाड़ी व्यवस्था में राजस्व की राशि लगान सीधे किसान (रैयत) के साथ तय किया गया।

(2) रैयतवाड़ी व्यवस्था में भिन्न–भिन्न प्रकार की भूमि से होने वाली औसत आय का अनुमान लगा लिया जाता

(3) हर 30 साल बाद लगान अदायगी की पुनः समीक्षा की जाएगी।

28. ताल्लुकदार शब्द को परिभाषित कीजिए ?

उत्तर– वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक यानी संबंध हो आगे चलकर इस शब्द को क्षेत्रीय इकाई के अर्थ में प्रयुक्त किया जाने लगा।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. गांव में जमीदारों के मुकाबले जोतदार अधिक प्रभावशाली क्यों थे?

उत्तर–जोतदार गांवों के धनी किसान होते थे जिनके पास भूमि के बड़े–बड़े टुकड़े थे, जमीदारों के विपरीत वे मुख्य रूप से गांव

शेखावाटी मिशन–100

में ही निवास करने के कारण भी रैयत से उनका ज्यादा जुड़ाव था तथा वे किसान हितेषी थे। साथ ही उनका स्थानीय व्यापारी एवं साहुकारों पर पूर्ण नियंत्रण था।

2. दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारों को किस प्रकार की सामग्री उपलब्ध कराती है?

अथवा

दक्कन दंगा रिपोर्ट को इतिहासकारों के लिए क्यों महत्वपूर्ण माना जाता है?

उत्तर– अध्ययन करने संबंधी बहुमूल्य सामग्री उपलब्ध कराती हैं। इसमें आयोग ने दंगा पीड़ित जिलों का भ्रमण किया। इन जिलों में रहने वाले किसानों, साहूकारों एवं चश्मदीद गवाहों के बयान संकलित किए। इसमें भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में राजस्व की दरों, कीमतों एवं ब्याज के संबंध में विस्तृत आँकडे एकत्रित किए गए। इनके अतिरिक्त जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई विभिन्न रिर्पोटों को भी संकलित किया गया।

3. दक्कन दंगा रिपोर्ट क्या थी? इसके अनुसार रैयत विद्रोह का क्या कारण था?

उत्तर– जब विद्रोह दक्कन में फैला तो भारत सरकार के दबाव के कारण बम्बई सरकार ने दंगों की जाँच के लिए दक्कन दंगा आयोग का गठन किया

(1) दक्कन दंगा आयोग ने जो रिपोर्ट तैयार की, उसे 1878 में ब्रिटिश संसद में पेश किया गया।

(2) दक्कन दंगा रिपोर्ट में कहा गया कि दक्कन विद्रोह का कारण सरकारी मांग नहीं थी, बल्कि ये विद्रोह ऋणदाताओं या साहूकारों के शोषण के विरुद्ध था।

4. ब्रिटिश अधिकारियों की इस्तमरारी बंदोबस्त को लागू करने के पीछे क्या मंशा थी?

उत्तर– ब्रिटिश अधिकारियों का मानना था कि यदि सरकार की राजस्व मांग स्थायी रूप से निर्धारित कर दी गई तो कंपनी राजस्व की नियमित प्राप्ति की आशा कर सकेगी। अधिकारियों को यह आशा थी कि इस प्रक्रिया से छोटे किसानों (योमॅन) और धनी भूस्वामियों का एक ऐसा वर्ग उत्पन्न हो जाएगा जिसके पास कृषि में सुधार करने के लिए पूँजी और उद्यम दोनों होंगे। उन्हें उम्मीद थी कि ब्रिटिश शासन से पालन पोषण पाकर, यह वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

5. फ्रांसिस बुकानन कौन था?

अथवा

ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंट के रूप में बुकानन की भूमिका का परीक्षण कीजिए ?

उत्तर– (1) फ्रांसिस बुकानन एक चिकित्सक था जो भारत आया और बंगाल चिकित्सा सेवा में कार्य किया।

(2) वह भारत के गवर्नर जनरल लार्ड वेलेजली का शल्य चिकित्सक रहा।

(3) उसने कलकत्ता में एक चिड़ियाघर की स्थापना की, जो कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर कहलाया।

(4) बुकानन ने ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंट के रूप में राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया। बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों में प्राकृतिक संसाधनों की खोज की और उन संसाधनों में फेरबदल करके उसे अधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सके उससे संबंधित सुझाव भी दिए।

6. संथाल विद्रोह के कारण बताइए ?

अथवा

संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह क्यों किया ?

उत्तर– (1) संथालों ने जिस जमीन को साफ करके खेती शुरू की थी उस पर सरकार / अंग्रेज भारी लगान लगा रही थी।

(2) साहूकार लोग बहुत ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे और कर्ज अदा न किए जाने की दशा में जमीन पर ही कब्जा कर रहे थे। जमींदार दामिन–इ– कोह के क्षेत्र पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

7. इस्तमरारी बंदोबस्त में राजस्व राशि के भुगतान में जमींदार क्यों चूक करते थे?

अथवा

इस्तमरारी बंदोबस्त में जमींदार के राजस्व के भुगतान में असफल होने के क्या कारण थे?

अथवा

इस्तमरारी बंदोबस्त में जमींदारों की जमींदारी नीलाम होने के क्या कारण थे?

उत्तर– (1) कंपनी द्वारा प्रारंभिक राजस्व माँग को ज्यादा तय करना– कंपनी का सोचना था कि भविष्य में अनाज की कीमतों में वृद्धि होने और खेती का विस्तार होने से आय में वृद्धि हो जाने पर भी कंपनी उस वृद्धि में अपने हिस्से का दावा नहीं कर सकेंगी। इसलिए कंपनी ने राजस्व माँग को

शेखावाटी मिशन–100

पहले ही ज्यादा तय किया।

(2) कृषि उपजों की कीमतें कम होनाः– 1793 में राजस्व माँग को ज्यादा तय किया गया था. जबकि 1790 के दशक के समय कृषि उपजों की कीमतें कम थी. जिससे किसानों को जमींदारों को लगान देना मुश्किल था और जमींदारों को कंपनी को लगान देना मुश्किल था।

8. अगर आप ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी होते तो बंगाल में जमींदारों की शक्ति को नियंत्रित व विनियमित करने के लिए क्या प्रयास करते?

अथवा

औपनिवेशिक भारत में बंगाल में जमींदारों को नियंत्रित, विनियमित करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने कौनसे प्रयास किए?

उत्तर– (1) जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग कर दिया गया।

(2) सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया।

(3) उनकी कचहरियों/अदालतों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रख दिया गया।

(4) जमींदारों से स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गई।

9. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियंत्रण बनाए रखते थे?

अथवा

जमींदारों द्वारा अपनी जमींदारी बचाने के लिए किस प्रकार प्रतिरोध किया गया?

अथवा

जमीदारों ने अपनी जमींदारी बचाने के लिए कौनसे प्रयास किए?

अथवा

जींदारों का आसानी से विस्थापन संभव नहीं था. स्पष्ट कीजिए?

उत्तर– राजस्व की अत्यधिक मांग और अपनी भू–संपदा की नीलामी की समस्या से निपटने के लिए जमीदारों ने इन दबावों से उबरने के लिए अनेक रास्ते निकाल लिए।

(1) फर्जी बिक्री– जमीदार द्वारा कंपनी की राजस्व मांग को जान–बूझकर रोक दिया जाता था। जब भू– संपदा का कुछ हिस्सा नीलाम किया गया तो जमींदार के आदमियों ने ही अन्य खरीददारों के मुकाबले ऊँची–ऊँची बोलियाँ लगाकर संपत्ति को खरीद लिया।

(2) संपत्ति स्त्रियों के नाम करना– कंपनी ने यह निर्णय ले रखा था कि स्त्रियों की संपत्ति को नहीं छीना जाएगा। इसलिए जमींदारों ने अपनी जमीदारी का कुछ हिस्सा स्त्रियों के नाम कर दिया।

10. पहाड़ियां लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

उत्तर– (1) पहाड़ियां– राजमहल की पहाड़ियों के आस–पास रहने वाले लोग पहाड़ियां कहलाते थे। पहाड़ियां लोग जंगल की उपज से अपनी गुजर बसर करते थे और झूम खेती किया करते थे। पहाड़ियां लोग कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच लेते थे, इसलिए कुदाल को पहाड़ियां लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है।

(2) संथालः– संथाल लोग स्थायी कृषि करते थे, जंगलों को काटकर व हल से जोतकर बंजर जमीन को कृषि योग्य बनाने में सक्षम थे। वाणिज्यिक फसलों की खेती करते थे तथा व्यापारियों व साहूकारों से लेन–देन करते थे।

11. दामिन–इ–कोह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

उत्तर– 1832 ई. तक भागलपुर से राजमहल तक का भू–भाग दामिन–इ–कोह के रूप में सीमांकित किया गया। इसे संथालों की भूमि घोषित किया गया। उन्हें इस इलाके के भीतर रहना था, हल चलाकर खेती करनी थी और स्थायी किसान बनना था।

12. पहाड़ियां लोग बुकानन को संदेह और अविश्वास की दृष्टि से क्यों देखते थे ?

उत्तर– जब 1810–11 की सर्दियों में बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया तो पहाड़ियां लोगों ने बुकानन को संदेह और अविश्वास की दृष्टि से देखा क्योंकि शाति स्थापना के अभियानों के अनुभव और क्रूरतापूर्ण दमन की यादों के कारण उनके मन में धारणा बन गई थी कि प्रत्येक गोरा आदमी एक ऐसी शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रहा है जो उनसे उनके जंगल और जमीन छीन कर उनकी जीवन शैली और जीवित रहने के साधनों को नष्ट करने पर उतारू हैं।

13. पहाड़ियां लोगों के दो कार्य बताइए?

शेखावाटी मिशन–100

अथवा

पहाड़ियों लोगों का जीवन (जिदंगी)/ आजीविका घनिष्ठ रूप से जंगलों से जुड़ा हुआ था। स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः– पहाडियां लोगों की जिंदगी जंगल से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई थी।

(1) जंगल में शिकार करना।

(2) खाने के लिए महुआ के फूल इकट्ठा करना

(3) झूम खेती करना।

(4) रेशम के कीड़े पालन

(5) खाद्य बटोरना जंगल से।

(6) लड़कियों से काठ कोयला बनाना आदि।

14. अंग्रेजों को संथाल अगुआ/आदर्श बाशिंदे क्यों प्रतीत हुए, स्पष्ट कीजिए ?

अथवा

अंग्रेजों द्वारा संथालो को राजमहल की पहाड़ियों में बसाने का निश्चय क्यों किया ?

उत्तरः– अंग्रेजों ने संथालों को जंगल में बसने का निमंत्रण दिया, क्योंकि अंग्रेज पहाड़ियां को अपने वश में करके स्थाई कृषि के लिए एक स्थान पर बसाने में असफल रहे। पहाड़ियां लोग जंगल काटने व हल को हाथ लगाने को तैयार नहीं थे जबकि संथाल आदर्श बाशिंदे प्रतीत हुए क्योंकि उन्हें जंगलों का सफाया करने में कोई हिचक नहीं थी और ये हल के माध्यम से भूमि को पूरी ताकत लगाकर जोतते थे।

15. अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर– अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले ब्रिटेन, अमेरिकी कपास पर निर्भर था। अमेरिकी गृहयुद्ध से अमेरिका से आने वाली कच्ची कपास के आयात में भारी गिरावट आई। भारत को संदेश भेजा गया कि ब्रिटेन को कपास का अधिक मात्रा में निर्यात करें। इस कारण दक्कन के गाँवों के रैयतों को कपास के उत्पादन हेतु अचानक असीमित ऋण उपलब्ध होने लगा। बम्बई दक्कन में कपास की कृषि को प्रोत्साहन दिया गया, जिससे कपास का उत्पादन बढ़ता गया। इस कारण भारतीय रैयतों की आमदनी में इजाफा हुआ तथा रैयत धनवान होने लगे ।

16. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति कुद्ध क्यों थे ?

उत्तर– (1) ऋणदाता वर्ग संवेदनहीन हो गया था, वह रैयतों की हालात पर तरस नहीं खा रहा था।

(2) ऋणदाता देहात के प्रथागत मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे।

(3) सामान्य मानक के अनुसार ब्याज मूलधन से अधिक नहीं लिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा था।

17. 'भाड़ा–पत्र' क्या होता था ?

उत्तर– जब किसान ऋणदाता का ऋण नहीं चुका पाता था तो उसे अपनी जमीन, गाड़ियां, पशुधन आदि ऋणदाता को देने पड़ते थे, अब ऋणदाता ने किसानों को उसकी ही जमीन और पशुधन को–भाड़े पर दिए और उसे एक भाड़ा पत्र (किराया नामा) लिखाना पड़ता था।

18. बंबई दक्कन में ऋणदाता/साहूकार लोग रैयतों को ठगने के लिए कौन–कौन से हथकंडे/तरीके अपनाते थे?

उत्तर– (1) ऋणदाता ने 1859 के परिसीमन कानून को घुमाकर अपने पक्ष में कर लिया और रैयत से हर तीसरे वर्ष मूलधन व ब्याज को जोड़कर मूलधन के रूप में दर्ज कर नया बंधपत्र भरवाने लगा।

(2) रैयतों को ऋण चुकाने पर भी उसकी रसीद देने से इंकार करना ।

(3) बंधपत्रो में जाली आंकड़े भर लेते थे।

(4) किसानों की फसल नीची कीमतों पर ले लेते थे।

19. अच्छी उपज के बाद भी दक्कन के रैयतों पर ऋणभार क्यों बढ़ता गया?

उत्तर– कंपनी द्वारा राजस्व मांग में वृद्धि करनाः बंबई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 और 1830 के दशकों में किया गया। अब अगला बंदोबस्त (30 वर्ष बाद) करने का समय आ गया था और इस नए बंदोबस्त में राजस्व मांग को नाटकीय ढंग से 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया।

20. रैयतों को ऋणदाताओं के चंगुल से बचाने के लिए अंग्रेजों ने क्या समाधान निकाला ?

उत्तर– 1859 ई. में अंग्रेजों ने एक परिसीमन कानून पारित किया जिसमें यह कहा गया कि ऋणदाता और रैयत के बीच हस्ताक्षरित ऋण पत्र केवल तीन वर्षों के लिए ही मान्य होंगे। परिसीमन कानून का उद्देश्य बहुत समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था।

शेखावाटी मिशन–100

21. पहाड़ियां लोगों द्वारा मैदानी भागों पर आक्रमण के क्या कारण थे ?

उत्तर– (1) अभाव व अकाल

(2) अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए

(3) बाहरी लोगों के साथ राजनीतिक संबंध बनाने हेतु।

22. दक्कन विद्रोह के कारणों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर–(1) कंपनी की राजस्व मांग ज्यादा होनाः– बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 के दशक में किया गया। मांगा गया राजस्व इतना अधिक था कि बहुत से स्थानों पर किसान अपने गाँव छोड़कर नए क्षेत्रों में चले गए।

(2) कंपनी द्वारा राजस्व मांग में वृद्धि करनाः बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 और 1830 के दशकों में किया गया। अब अगला बंदोबस्त करने का समय आ गया था और इस नए बंदोबस्त में राजस्व मांग को नाटकीय ढंग से 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया।

(3) कृषि उत्पादों की कीमतों में तीव्र गति से गिरावट आना– 1832 के बाद कृषि उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई जिससे किसानों की आय में गिरावट आई।

23. संथालों के राजमहल की पहाड़ियों पर बसने से पहाडियां लोगों का जीवन किस प्रकार प्रभावित हुआ?

अथवा

संथालों और पहाड़ियों के बीच लड़ाई हल और कुदाल के बीच लड़ाई थी। सिद्ध कीजिए?

उत्तर– पहाड़ियां लोग राजमहल की पहाडियों में झूम कृषि करते थे। वे अपने कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच कर खेती करते थे। पहाड़ियाँ लोगों के लिए खतरा बना संथालों का इस क्षेत्र में आगमन। संथाल लोग वहां के जंगलों का सफाया करते हुए, इमारती लकड़ी को काटते हुए, जमीन को जोतते हुए और चावल तथा कपास उगाते हुए इलाके में बड़ी संख्या में घुसे चले आ रहे थे। चूंकि संथाल लोगों ने निचली पहाड़ियों पर अपना कब्जा जमा लिया था. इसलिए पहाड़ियों को राजमहल की पहाड़ियों में ओर भीत्तर की ओर पीछे हटना पड़ा। इस प्रकार हल और कुदाल के बीच की यह लडाई बहुत लंबी चली।

24. इस्तमरारी बंदोबस्त को बंगाल के बाहर लागू नहीं करने के पीछे के मुख्य कारण बताइए?

अथवा

बंबई दक्कन में राजस्व की नई प्रणाली लागू करने का मुख्य कारण बताइए?

उत्तर– (1) इस्तमरारी बंदोबस्त में राजस्व की मांग सदैव के लिए निर्धारित थी जबकि 1810 ई. के बाद खेती की उपजों की कीमतों में वृद्धि हुई और बंगाल के जमींदारों को लाभ हुआ। औपनिवेशिक सरकार इस बढ़ी हुई आय में अपने हिस्से का कोई दावा नहीं कर सकती थी।

(2) औपनिवेशिक सरकार को अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए भू राजस्व को अधिक से अधिक बढ़ाने के नए तरीकों पर विचार करना पड़ा। इसलिए 19 वीं शताब्दी में औपनिवेशिक शासन में शामिल किए गए नये प्रदेशों में नए राजस्व बंदोबस्त किए गए।

25. 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध समाप्त होने के बाद दक्कन के किसानों के लिए ऋण का स्त्रोत क्यों सूख गया?

उत्तर– 1865 ई. में अमेरिका में गृहयुद्ध समाप्त हो गया तो वहाँ कपास का उत्पादन फिर से चालू हो गया. इस कारण भारतीय कपास की माँग घटती जा रही थी और कपास की कीमतों में भी गिरावट आ गयी। साहूकार अब ऋण देने के लिए तैयार नहीं थे, जिससे रैयतों के लिए ऋण का स्त्रोत सूख गया।

26. ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व अधिकारी डेविड रिकाडों के विचारों से क्यों प्रभावित थे, बताइए?

अथवा

डेविड रिकार्डों के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– राजस्व अधिकारी इंग्लैंड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डेविड रिकार्डों के विचारों से प्रभावित थे। डेविड रिकार्डों के विचारों के अनुसार भूस्वामी को उस समय लागू औसत लगान से अधिक प्राप्ति होने लगे तो भूस्वामी को अधिशेष आय होगी जिस पर सरकार को कर लगाने की आवश्यकता होगी। यदि कर नहीं लगाया गया तो किसान किरायाजीवी में बदल जाएंगे और उनकी अधिशेष आय का भूमि के सुधार में उत्पादक रीति से निवेश नहीं होगा।

27. पांचवी रिपोर्ट पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर– सन् 1813 में ब्रिटिश संसद में पेश की गई थी। यह उन

शेखावाटी मिशन–100

रिपोटों में से पांचवीं रिपोर्ट थी जो भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई थी। अक्सर पांचवी रिपोर्ट के नाम से उल्लेखित यह रिपोर्ट 1002 पृष्ठों में थी, जिसमें जमीदारों और रैयतों की अर्जियां, भिन्न–भिन्न जिलों के कलेक्टरों की रिपोर्ट, राजस्व विभागों से संबंधित सांख्यिकी तालिकाएं और अधिकारियों द्वारा बंगाल और मद्रास के राजस्व तथा न्यायिक प्रशासन पर लिखित टिप्पणियां शामिल की गई थी।

अध्याय – 10
विद्रोही और राज
(अंक भार – 6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. भारत में 1857 के विद्रोह की शुरुआत कहाँ से हुई थी?
(अ) मेरठ (ब) लखनऊ
(स) दिल्ली (द) झाँसी (अ)

2. मेरठ में सिपाहियों ने विद्रोह की शुरुआत कब की थी?
(अ) 10 मई, 1857 (ब) 11 मई, 1857
(स) 12 मई, 1857 (द) 15 मई, 1857 (अ)

3. 1857 के विद्रोह के समय मुगल बादशाह कौन था?
(अ) अकबर (ब) बहादुर शाह
(स) जहांगीर (द) शाहजहाँ (ब)

4. कानपुर में विद्रोहियों का नेतृत्व किसने किया था?
(अ) बाजीराव (ब) वाजिद अली शाह
(स) मीर मोहम्मद (द) नाना साहिब (द)

5. 1858 के अंत में जब विद्रोह विफल हो गया तो पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहिब भाग कर किस स्थान पर चले गए
(अ) भूटान (ब) नेपाल
(स) श्रीलंका (द) दिल्ली (ब)

6. युद्ध के दौरान झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की मृत्य कब हुई थी?
(अ) जून,1857 (ब) अगस्त,1957
(स) जून, 1858 (द) अगस्त, 1858. (स)

7. 'खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी' नामक कविता का लेखन किसने किया था?
(अ) महादेवी वर्मा (ब) रामधारी सिंह दिनकर
(स) शुभालक्ष्मी (द) सुभद्रा कुमारी चौहान (द)

8. बिहार के जमींदार कुँवर सिंह ने बगावत का नेतृत्व कहा से शुरू किया?
(अ) आरा (ब) पूर्निया
(स) पटना (द) भिमल (अ)

9. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढहने की खबर पर लोगों ने किसे अपना नेता घोषित कर दिया था?
(अ) मोहम्मद हाजी (ब) फारूक कादिर
(स) अली रजा (द) बिरजिस कद्र (द)

10. जाट कुटुम्ब से संबद्ध वह व्यक्ति जिसने उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना से विद्रोह की शुरुआत की थी?
(अ) शाह मल (ब) राज मल
(स) कान मल (द) राम राज (अ)

11. चौरासी देस (चौरासी गाँव) के मुखियाओं और काश्तकारों को संगठित किया एवं न्याय भवन की स्थापना का कार्य क्रांति के दौरान किसने किया?
(अ) कान मल (ब) राम राज
(स) शाह मल (द) राजा राम (स)

12. किसने 1856 में अंग्रेजो के खिलाफ जिहाद का नारा दिया एवं फैजाबाद से क्रांति का नेतृत्व किया?
(अ) मोलवी मोहम्मद अली (ब) शौकत अली
(स) अहमदुल्ला शाह (द) जवान अलीशाह (स)

13. छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम (झारखंड) के एक आदिवासी काश्तकार जिसने क्रांति के दौरान कोल आदिवासियों का नेतृत्व सँभाला था।
(अ) मोनू (ब) सोनू
(स) राजू (द) गोनू (द)

14. गवर्नर जनरल जिसने एन्फील्ड राइफलों (Enfield riflè) का इस्तेमाल शुरू किया था?
(अ) हेनरी हार्डिंग (ब) लॉर्ड डलहौजी
(स) लॉर्ड कैनिंग (द) हेनरी मैन (अ)

15. 1851 में किस गवर्नर जनरल ने अवध की रियासत के बारे में कहा था ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।?
(अ) लॉर्ड डलहौजी (ब) हेनरी हार्डिंग

शेखावाटी मिशन–100

(स) लॉर्ड कैनिंग (द) लार्ड विलियम बेंटिंग (अ)

16. वाजिद अली शाह को कुशासन का आरोप लगा कर लखनऊ से हटा कर किस स्थान पर निष्कासित कर दिया गया था?

(अ) मेरठ (ब) कलकत्ता

(स) दिल्ली (द) झांसी (ब)

17. लॉर्ड डलहौजी के समय कब अवध को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित कर दिया गया?

(अ) 1855 ई (ब) 1856 ई

(स) 1857 ई (द) 1858 ई (ब)

18. सहायक संधि(Subsidiary Alliance) प्रणाली 1798 ई. में किसके द्वारा तैयार की गई थी?

(अ) लॉर्ड वेलेजली (ब) हेनरी हार्डिंग

(स) लॉर्ड कैनिंग (द) लॉर्ड डलहौजी (अ)

19. 'एकमुश्त बंदोबस्त' के नाम से ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था को अवध में कब लागू की गई?

(अ) 1855 ई (ब) 1856 ई

(स) 1857 ई (द) 1858 ई (ब)

20. किस क्षेत्र को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था।

(अ) मेरठ (ब) आगरा

(स) अवध (द) गोरखपुर (स)

21. 'आजमगढ़ घोषणा कब की गई थी ?

(अ) 5 अगस्त,1857 (ब) 25 अगस्त, 1857

(स) 15 अगस्त,1858 (द) 5 अगस्त, 1858 (ब)

22. 1859 में रिलीफ ऑफ लखनऊ (लखनऊ की राहत) नामक चित्र किसने बनाया था?

(अ) जोजेफ नोएल पेटन (ब) टॉमस जोन्स बार्कर

(स) हेनरी हेवलॉक (द) कैम्पबेल (ब)

23. 1859 में इन मेमोरियम अर्थात स्मृति में नामक चित्र किसने बनाया था?

(अ) जोजेफ नोएल पेटन (ब) टॉमस जोन्स बार्कर

(स) हेनरी हेवलॉक (द) कैम्पबेल (अ)

24. 'रिलीफ ऑफ लखनऊ' चित्र में निम्न में से कौन अंग्रेज जनरल चित्रित नहीं है?

(अ) कैम्पबेल (ब) ऑट्रम

(स) हेवलॉक (द) बार्कर (द)

25. कानपुर में सिपाहियों से अपनी रक्षा करती अंग्रेज महिला मिस व्हीलर को अंग्रेजों द्वारा निर्मित एक चित्र में किस रूप में दर्शाया गया है।

(अ) वीरता की मूर्ति (ब) स्वतन्त्रता की देवी

(स) कल्याण स्वरुपम (द) संघर्ष की देवी (अ)

26. द क्लिमेंसी किस गवर्नर जनरल को कहा जाता हैं?

(अ) लॉर्ड डलहौजी (ब) हेनरी हार्डिंग

(स) लॉर्डकैनिंग (द) लार्ड विलियम बेंटिंग (स)

रिक्त स्थान

1. अहमदुल्ला शाह को रिहा होने पर...............के विद्रोहियों ने अपना नेता चुन लिया।

उत्तर– 22वीं नेटिव इन्फेंट्री

2. मौलवी अहमदुल्ला शाह पालकी में बैठकर ढोल–नगाड़े और अपने समर्थकों के साथ चलते थे जिससे लोग उनको .... कहने लगे थे।

उत्तर– डंका शाह

3. एक अफवाह यह थी कि................के 100 साल पूरा होते ही 23 जून 1857 को अंग्रेजी राज खत्म हो जाएगा।

उत्तर–प्लासी की जंग

4. उत्तर भारत के विभिन्न भागों से गाँव–गाँव में .... बँटने की भी रिपोर्ट आ रही थी।

उत्तर– चपातियाँ

5. गवर्नर जनरल ....के नेतृत्व में सरकार पश्चिमी शिक्षा, पश्चिमी विचारों और पश्चिमी संस्थानों के जरिए भारतीय समाज को सुधारने का सद्कार्य कर रही थी।

उत्तर– लॉर्ड विलियम बेंटिंक

6. ....से अवध में सहायक संधि थोप दी गई थी।

उत्तर–1801

7. ताल्लुकदारों के रवैये को रायबरेली के पास स्थित कालाकंकर के राजा ....ने सबसे अच्छी तरह व्यक्त किया था।

उत्तर–हनवन्त सिंह

8. अवध पर कब्जे में अंग्रेजों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी। उन्हें लगता था कि वहाँ की जमीन ....और.............की खेती के लिए मुफीद (लाभदायक) है?

उत्तर–नील, कपास

9. ....को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर–रानी झाँसी

10. ....में शाह मल को युद्ध में मार दिया गया।

उत्तर– जुलाई 1857

11. बहादुर शाह के नाम से जारी की गई घोषणा में .... दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया गया।

उत्तर–मुहम्मद और महावीर

12. अंग्रेज शासन ने दिसंबर 1857 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश स्थित .... के हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ भड़काने के लिए 50,000 रुपये खर्चकिए।

उत्तर–बरेली

13. अवध में..............नाम के एक अंग्रेज अफसर का अनुमान था कि कम से कम तीन–चौथाई वयस्क पुरुष आबादी विद्रोह में शामिल थी।

उत्तर –फॉरसिथ

14. गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को...........कहा जाता था।

उत्तर–रेजीडेंट

15. लखनऊ में विद्रोह की शुरुआत..................को हुई थी।

उत्तर–30 मई

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. मेरठ से चलकर सिपाहियों का एक जत्था घोड़ों पर सवार होकर दिल्ली कब पहुँचा?

उत्तर– 11 मई, 1857

2. हिंदुओं और मुसलमानों को एकजुट करने और फिरंगियों का सफाया करने के लिए किन भाषाओं में अपीलें जारी की गई।

उत्तर– हिंदी उर्दू और फारसी

3. किन बड़े शहरों में साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों के गुस्से का शिकार बनने लगे?

उत्तर– लखनऊ, कानपुर, बरेली

4. कानपुर के नाना साहिब किसके उत्तराधिकारी थे?

उत्तर– पेशवा बाजीराव द्वितीय

5. रानी लक्ष्मी बाई ने क्रांति के समय कहाँ से नेतृत्व किया था?

उत्तर– झाँसी

6. अंग्रेजो के खिलाफ सबसे लम्बा संघर्ष किस स्थान से चला था?

उत्तर– अवध (लखनऊ)

7. अवध के तालुकेदारों ने किसके नेतृत्व मे विद्रोह किया था?

उत्तर– बेगम हजरत महल

8. शाहमल की मृत्यु क्रांति के दौरान कब हुई थी?

उत्तर– जुलाई, 1857

9. 1857 में ब्रिटिश पुलिस द्वारा किसे फैजाबाद जेल में बंद कर दिया गया था?

उत्तर– अहमदुल्ला शाह

10. अहमदुल्ला शाह को किस सैन्य बटालियन ने अपना नेता चुना?

उत्तर– 22वीं नेटिव इन्फैंट्री

11. अहमदुल्ला शाह ने चिनहाट के विख्यात संघर्ष में हिस्सा लेकर किसके नेतृत्व वाली ब्रिटिस सेना को पराजित किया?

उत्तर– हेनरी लॉरेंस

12. 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर– एन्फील्ड राइफलों का इस्तेमाल शुरू किया जाना उसके कारतूसों में गाय व सुअर की चर्बी का इस्तेमाल होता था।

13. अंग्रेजो ने भारत में कौनसे सामाजिक सुधार किये?

उत्तर– सती प्रथा को खत्म किया एवं हिंदू विधवा विवाह को वैधता प्रदान की।

14. दत्तकता को अवैध घोषित कर देने जैसे बहानों के जरिए अंग्रेजों ने किन रियासतों पर कब्जे कर लिए थे?

उत्तर– झाँसी एवं सतारा

15. शासकीय दुर्बलता (कुशासन) का आरोप लगा कर किस रियासत का विलय किया गया था?

उत्तर– अवध

16. सहायक संधि प्रणाली की कोई एक शर्त बताइये?

उत्तर– अंग्रेजों का सहयोगी पक्ष न तो किसी और शासक के साथ संधिकर सकेगा और न ही अंग्रेजों की अनुमति के बिना किसी युद्ध में हिस्सा लेगा।

17. वाजिद अली को नवाब हटाने पर वहाँ की दरबारी संस्कृति पर क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर–नवाब को हटाए जाने से दरबार और उसकी संस्कृति भी खत्म हो गई। संगीतकारों, नर्तकों, कवियों, कारीगरों, बावर्चियों, नौकरों, सरकारी कर्मचारियों और बहुत सारे लोगों की रोजी–रोटी जाती रही।

18. अवध में 1857 का विद्रोह एक विदेशी शासन के खिलाफ लोक–प्रतिरोध की अभिव्यक्ति कैसे बन गया था?

उत्तर– अवध में विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं ने राजकुमारों,

शेखावाटी मिशन–100

ताल्लुकदारों, किसानों और सिपाहियों को एक–दूसरे से जोड़ दिया था।

19. अवध अधिग्रहण के बाद 1856 में वहाँ कौनसी ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था लागू कर दी गई?

उत्तर– एकमुश्त बंदोबस्त

20. एकमुश्त बंदोबस्त में मध्यस्थ की भूमिका कौन निभा रहे थे?

उत्तर– ताल्लुकदार

21. एकमुश्त बंदोबस्त से ताल्लुकेदारो पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर–एकमुश्त बंदोबस्त में ताल्लुकदारों को उनकी जमीनों से बेदखल किया जाने लगा।

22. रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया ?

उत्तर– नवाब वाजिद अली शाह

23. अवध के सिपाहियों में असंतोष का क्या कारण था?

उत्तर– सिपाही कम वेतन और वक्त पर छुट्टी न मिलने के कारण असंतुष्ट थे।

24. विद्रोहियों द्वारा देश में हिंदू और मुस्लिम एकता हेतु क्या प्रयास किया गया था।

उत्तर– इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में पेश किया जा रहा था जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों दोनों का नफा–नुकसान बराबर था।

25. अंग्रेजो ने 1857 के विद्रोह का दमन कैसे किया?

उत्तर– मई–जून, 1857 में पारित किए गए कई कानूनों के जरिए न केवल समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया, बल्कि आम अंग्रेजों को भी ऐसे हिंदुस्तानियों पर मुकदमा चलाने और उनको सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था।

26. 24 अक्टूबर, 1857 को द क्लिमेंसी ऑफ केनिंग (केनिंग का दयाभाव) चित्र किस मैगजीन में छपा था?

उत्तर– पञ्च

27. अवध के अधिग्रहण का वहाँ की जनता पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर– अवध के अधिग्रहण से वहाँ की जनता अंग्रेजों के विरुद्ध हो गई क्योंकि बहुत से लोग बेरोजगार हो गए।

28. लखनऊ रेजीडेन्सी के घेरे में विद्रोहियों द्वारा लखनऊ का कौनसा कमिश्नर मारा गया ?

उत्तर– सर हेनरी लॉरेन्स

29. आजमगढ़ घोषणा किसके द्वारा जारी की गई थी?

उत्तर– बहादुरशाह जफर के द्वारा।

30. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व करने वाले चार नेताओं के नाम लिखिए।

उत्तर– नाना साहिब, लक्ष्मी बाई, कुँवर सिंह, अहमदउल्ला शाह

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों द्वारा हिन्दू–मुस्लिम एकता के लिए क्या–क्या कदम उठाए गए ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए?

उत्तर– 1857 में विद्रोहियों द्वारा जारी की गई घोषणाओं में, जाति और धर्म का भेद किए बिना, समाज के सभी तबकों का आह्वान किया जाता था। मुस्लिमों द्वारा की गई घोषणाओं में हिंदुओं की भावनाओं का ख़याल रखा जाता था। इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में पेश किया जा रहा था जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों, दोनों का नफा–नुकसान बराबर था।

2. 1857 के विद्रोह के समय भारतीय सैनिकों में असंतोष के क्या कारण थे? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1856 ई. में सैनिकों को अंग्रेजी सरकार द्वारा एनफील्ड राइफल्स दी गई। ऐसी अफवाह थी कि इसके कारतूसों पर गाय और सुअर की चर्बी के खोल लगे हैं और इन्हें मुँह से खींचना होगा। इससे हिन्दू तथा मुस्लिम दोनों धर्मों के सैनिकों को धर्म भ्रष्ट होने का भय था।

3. मेरठ के विद्रोहियों ने विद्रोह के बाद क्या निर्णय लिया था?

उत्तर–मेरठ के सिपाहियों ने सबसे पहले जो काम किए, उनमें एक यह था कि वे फौरन दिल्ली गए और उन्होंने बूढ़े हो चुके मुगल बादशाह बहादुर शाह द्वितीय (जफर) से 1857 के विद्रोह का नेतृत्व स्वीकार करने की दरख्वास्त की उन्होंने नाममात्र का नेता बनने की जिम्मेदारी ली।

4. 1857 का विद्रोह इतना सुनियोजित कैसे था?

उत्तर– इतिहासकार चार्ल्सबॉल ने लिखा है कि देशी अफसरों की एक पंचायत रात को कानपुर सिपाही लाइनों में जुटती थी। चूँकि सिपाही लाइनों में रहते थे और सभी की जीवनशैली एक जैसी थी और उनमें बहुत सारे प्रायः एक ही जाति के होते थे, इसलिए इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि वे इकट्ठा बैठकर अपने भविष्य के बारे में फैसले ले रहे होंगे।

5. नाना साहिब ने 1857 के विद्रोह मे अपनी भागेदारी कैसे निभाई थी?

उत्तर–कानपुर में सिपाहियों और शहर के लोगों ने पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहिब के सामने बगावत की

शेखावाटी मिशन–100

बागडोर संभालने के सिवा और कोई विकल्प ही नहीं छोड़ा था। इस प्रकार नाना साहिब ने कानपुर में बगावत की बागडोर संभाली थी। 1858 के अंत में जब विद्रोह विफल हो गया तो नाना साहिब भाग कर नेपाल चले गए।

6. रानी लक्ष्मी बाई ने 1857 के विद्रोह में क्या योगदान दिया?

उत्तर– झाँसी में रानी लक्ष्मी बाई को आम जनता के दवाब में बगावत का नेतृत्व सँभालना पड़ा। रानी झाँसी को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया गया, जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही थी। जून, 1858 में युद्ध के दौरान रानी झाँसी को मृत्य हो गई।

7. 1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था ?

उत्तर– 1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण ब्रिटिश सेना द्वारा एनफील्ड राइफलों के लिए दिए गए नए कारतूस थे। ऐसी अफवाह थी कि इसके कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी के खोल लगे हैं और इन्हें प्रयोग हेतु मुँह से खींचना होगा। इससे हिन्दू तथा मुस्लिम दोनों धर्मों के सैनिकों को धर्म भ्रष्ट होने का भय था।

8. शाहमल ने 1857 की क्रांति में क्या योगदान दिया था?

उत्तर– जाट कुटुम्ब से संबद्ध शाह मल उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के एक बड़े गाँव के रहने वाले थे। उन्होंने चौरासी देस (चौरासी गाँव) के मुखियाओं और काश्तकारों को संगठित किया। स्थानीय स्तर पर राजा कहलाने वाले शाहमल ने एक अंग्रेज अफसर के बंगले में डेरा डाला, उसे न्याय भवन का नाम दिया और वहीं से झगड़ों और विवादों का फैसला करने लगे। 1857 के विद्रोही शाह मल को जुलाई, 1857 में एक युद्ध में मार दिया गया।

9. 1857 की क्रांति में मौलवी अहमदुल्ला शाह ने क्या योगदान दिया?

उत्तर– 1856 में मौलवी अहमदुल्ला शाह को अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का प्रचार करते और लोगों को विद्रोह के लिए तैयार करते थे हुए गाँव–गाँव जाते देखा गया था। वे एक पालकी में बैठकर ढोल–नगाड़े और अपने समर्थकों के साथ चलते थे। इसीलिए लोग उन्हें डंका शाह कहने लगे थे। बहुत सारे लोग मानते थे कि अहमदुल्ला शाह के पास जादुई शक्तियाँ हैं और अंग्रेज उनका बाल भी बाँका नहीं कर सकते। 1857 में ब्रिटिश पुलिस द्वारा उन्हें फैजाबाद जेल में बंद कर दिया गया। अहमदुल्ला शाह को रिहा होने पर 22वीं नेटिव इन्फेंट्री के विद्रोहियों ने अपना नेता चुन लिया। उन्होंने चिनहाट के विख्यात संघर्ष में हिस्सा लिया, जिसमें हेनरी लॉरेंस की अगुवाई वाली टुकड़ियों को मुँह की खानी पड़ी।

10. 1857 की क्रांति में कौनसी अफवाहें फेल रही थी?

उत्तर– विद्रोही सिपाहियों का कहना था कि अगर वे एन्फील्ड राइफलों में लगे कारतूसों को मुँह से लगाएँगे, तो उनकी जाति और मजहब, दोनों भ्रष्ट हो जाएँगे, क्योंकि कारतूसों पर गाय और सुअर की चर्बी का लेप लगा था। एक अफवाह यह थी कि अंग्रेज सरकार ने हिंदुओं और मुसलमानों की जाति और धर्म को नष्ट करने के लिए, बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया है।

11. 1820 के दशक से अंग्रेज कौनसे सुधार कर रहे थे?

उत्तर– सरकार पश्चिमी शिक्षा, पश्चिमी विचारों और पश्चिमी संस्थानों के जरिए भारतीय समाज को सुधारने के लिए खास तरह की नीतियाँ लागू कर रही थी। भारतीय समाज के कुछ तबकों की सहायता से उन्होंने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्थापित किए थे जिनमें पश्चिमी विज्ञान और उदार कलाओं के बारे में पढ़ाया जाता था। अंग्रेजों ने सती प्रथा को खत्म करने (1829) और हिंदू विधवा विवाह को वैधता देने के लिए कानून बनाए थे।

12. लार्ड वेलेजली के द्वारा तैयार सहायता संधि प्रणाली की कौनसी शर्ते थी?

उत्तर– (1) अंग्रेज अपने सहयोगी की बाहरी और आंतरिक चुनौतियों से रक्षा करेंगी।

(2) सहयोगी पक्ष के भूक्षेत्र में एक ब्रिटिश सैनिक टुकड़ी तैनात रहेगी।

(3) सहयोगी पक्ष को इस टुकड़ी के रख–रखाव की व्यवस्था करनी होगी।

(4) सहयोगी पक्ष न तो किसी और शासक के साथ संधिकर सकेगा और न ही अंग्रेजों की अनुमति के बिना किसी युद्ध में हिस्सा लेगा।

13. 'ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा' शब्दार्थ बताइये?

उत्तर– ये शब्द 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने अवध की

शेखावाटी मिशन–100

रियासत के बारे में कहे थे 1801 से अवध में सहायक संधि थोप दी गई थी। इस संधि में शर्त थी कि नवाब अपनी सेना खत्म कर दे, रियासत में अंग्रेज टुकड़ियों की तैनाती की इजाजत दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेजीडेंट की सलाह पर काम करे। अपनी सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद नवाब अपनी रियासत में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिनोदिन अंग्रेजों पर निर्भर होता जा रहा था। अब विद्रोही मुखियाओं और ताल्लुकदारों पर उसका कोई नियंत्रण नहीं था। और अंततः 1856 में इस रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित कर दिया गया।

14. देह से जान जा चुकी थी। अवध के सन्दर्भमें कथन का क्या आशय है?

उत्तर– नवाब वाजिद अली शाह पर कुशासन का आरोप लगाकर उन्हें गद्दी से हटाकर कलकत्ता निष्कासित कर दिया गया। मगर सच यह है कि लोग उन्हें दिल से चाहते थे। जब वे अपने प्यारे लखनऊ से विदा ले रहे थे, तो बहुत सारे लोग विलाप करते हुए कानपुर तक उनके पीछे गए थे। नवाब के निष्कासन से पैदा हुए दुख और अपमान के इस व्यापक अहसास को उस समय के बहुत सारे प्रेक्षकों ने दर्ज किया है। उन्हीं में से एक ने लिखा था, कि देह (अवध रियासत) से जान (नवाब वाजिद अली शाह) जा चुकी थी। शहर की काया बेजान थी।

15. अवध पर अंग्रेजों का अधिकार हो जाने के बाद ताल्लुकदारों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर– अंग्रेजों के आने से पहले ताल्लुकदारों के पास हथियारबंद सिपाही होते थे। उनके अपने किले थे। अगर वे नवाब की संप्रभुता को स्वीकार कर लें और अपने ताल्लुका का राजस्व चुकाते रहें तो उनके पास काफी स्वायत्तता भी होती थी। अंग्रेज ने अधिग्रहण के फौरन बाद ताल्लुकदारों की सेनाएँ भंग कर दी और उनके दुर्ग ध्वस्त कर दिए।

16. विद्रोहियों द्वारा वैकल्पिक सत्ता की तलाश हेतु क्या प्रयास किया गया था?

उत्तर– ब्रिटिश शासन ध्वस्त हो जाने के बाद दिल्ली, लखनऊ और कानपुर जैसे स्थानों पर विद्रोहियों ने एक प्रकार की सत्ता. और शासन संरचना स्थापित करने का प्रयास किया। विद्रोहियों द्वारा स्थापित शासन संरचना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की जरूरतों को पूरा करना था, लेकिन ज्यादातर मामलों में ये संरचनाएँ अंग्रेजों की मार बरदाश्त नहीं कर पाई।

17. अंग्रेजों ने 1857 के विद्रोह के दमन हेतु क्या प्रयास किया था?

उत्तर– मई–जून, 1857 में पारित किए गए कई कानूनों के जरिए न केवल समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया, बल्कि आम अंग्रेजों को भी ऐसे हिंदुस्तानियों पर मुकदमा चलाने और उनको सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था। अंग्रेजों ने इस एकता को तोड़ने के लिए उत्तरप्रदेश के बड़े जमींदारों को आश्वासन दिया कि उन्हें उनकी जागीरें लौटा दी जाएँगी।

18. लार्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धान्त हड़प नीति क्या थी ?

उत्तर– लार्ड डलहौजी ने व्यपगत सिद्धान्त हड़प नीति द्वारा कम्पनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासकों पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया और उनकी मृत्यु के पश्चात उनके राज्य को कम्पनी राज्य में सम्मिलित कर लिया गया। इस नीति के तहत झांसी और सतारा का विलय कम्पनी राज्य में कर लिया गया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेज समर्थक राज्य को भी 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर विलय किया गया।

19. 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण –

(1) मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के साथ अपमानजनक व्यवहार

(2) व्यपगत नीति के आधार पर राज्यों का विलय

(3) अवध का कुशासन के शासन के आधार पर विलय

(4) जमींदारों में अग्रेजी शासन के प्रति असंतोष

20. 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख सैनिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख सैनिक कारण

(1) अवध के सैनिकों में असंतोष

(2) यूरोपीय अधिकारियों के द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार।

21. 1857 की क्रांति के प्रमुख परिणाम बताइये।

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– 1857 की क्रांति के प्रमुख परिणाम–

(1) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन का अंत।

(2) भारत सरकार अधिनियम 1858 से ब्रिटेन के भारतीय क्षेत्रों को ब्रिटिश रानी के नाम पर शासित किया जाने लगा।

(3) घोषणा के द्वारा देशी राज्यों को विश्वास दिलाया गया कि भविष्य में भारत में ब्रिटिश प्रशासित राज्य का विस्तार नहीं किया जायेगा।

(4) 1857 की क्रांति के फलस्वरूप भारतीय लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार हुआ और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का प्रारंभ माना जाता है।

22. ऐतिहासिक आजमगढ घोषणा क्या थी?

उत्तर– 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा 25 अगस्त 1857 को मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर के नाम से जारी किया गया। इस उद घोषणा में अंग्रेजी शासन के अत्याचार एवं उत्पीडन की निंदा की गई और –मुस्लिम एकता पर बल दिया गया और समाज के प्रत्येक वर्ग जमीदारों, व्यापारियों, पंडित फकीरों, मौलवीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ इस पवित्र युद्ध में भाग लेने का आहवान किया गया।

अध्याय – 11

महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन

(अंक भार –7)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. किस इतिहासकार के अनुसार दक्षिण अफ्रीका ने ही गाँधी को महात्मा बनाया ?
(अ) रोमिला थापर (ब)चन्द्रन देवनेसन
(स) आर मजुमदार (द) यदुनाथ सरकार (ब)

2. मोहनदास करमचंद गाँधी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे?
(अ) जनवरी 1915ई० (ब) जनवरी 1914ई०
(स) फरवरी 1915ई० (द) फरवरी 1914ई० (अ)

3. गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे?
(अ) मो0 अली जिन्ना (ब) मोतीलाल नेहरू
(स) गोपाल कृष्ण गोखले (द) लोकमान्य तिलक (स)

4. भारत में राष्ट्रीय आन्दोलन को खुला समर्थन किस उद्यमि ने दिया था?
(अ) जमशेदजी टाटा (ब) अंवालाल साराभाई
(स) जी.डी. बिड़ला (द) आरडी–टाटा (स)

5. गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री कौन था?
(अ) चर्चिल (ब) मैक डोनाल्ड
(स) बाल्डविन (द) चैम्बरलेन (ब)

6. दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधी जी ने पुनः सविनय अवज्ञा प्रारम्भ किया उस समय भारत का वायसराय कौन था ?.
(अ) लॉर्ड इर्विन (ब) लॉर्ड वावेल
(स) लाई माउण्ट बेटन (द) लॉर्ड विलिंग्डन (द)

7. कांग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब दिया?
(अ) सितम्बर 1939 ई. (ब) अक्टूबर 1939 ई.
(द) सितम्बर 1940 ई. (द) अक्टूबर 1940 ई. (ब)

8. क्रिप्स मिशन भारत कब आया था?
(अ) 1942 ई. (ब) 1941 ई.
(स) 1940 ई. (द) 1939 ई. (अ)

9. कैबिनेट मिशन भारत कब आया था ?
(अ) 1945 ई. (ब) 1944 ई.
(स) 1945 ई. (द) 1946 ई. (द)

10. मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस का आहवान कब किया ?
(अ) 15 अगस्त 1947 ई.
(ब) 16 अगस्त 1946 ई०
(स) 15 अग्रस्त 1946 ई०
(द) 8 अगस्त 1946 ई. (ब)

11. गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह किया था?
(अ) इंग्लैण्ड में (ब) भारत में
(स) दक्षिण अफ्रिका में (द) दक्षिणी अमेरिका में (स)

12. किस वर्ष लन्दन में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन नहीं हुआ
(अ) 1930 ई. (ब) 1931 ई.
(स) 1932 ई. (द) 1933 ई. (द)

13. अखिल बंगाल सविनय अवज्ञा परिषद का गठन किया ?
(अ) महात्मा गाँधी (ब) जे. एम. सेनगुप्ता
(स) विपिन चन्द्रपाल (द) नालनी सेनगुप्ता (ब)

14. नमक सत्याग्रह के समय भारत के वायसराय थे?
(अ) लार्ड वेवल (ब) लार्ड माउन्टबेटन

शेखावाटी मिशन–100

(स) लार्ड कर्जन (द) लार्ड इरविन (द)

15. पहला राष्ट्रीय आन्दोलन जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया था?

(अ) नमक सत्याग्रह (ब) असहयोग आन्दोलन

(स) भारत छोड़ो आन्दोलन (द) चम्पारण सत्यागृह (अ)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. गाँधी जी दक्षिण अफ्रिका से कब लौटे थे, उस दिन को किस रूप में मनाया जाता है

उत्तर– जनवरी 1915 को , उस दिन 9 जनवरी को अप्रवासी दिवस मनाते है।

2. किस इतिहास ने कहाँ कि दक्षिण अफ्रिका ने ही गाँधी को महात्मा बनाया ?

उत्तर– इतिहासकार चंद्रन देवनेसन ने

3. लाल–बाल–पाल के नाम से कौन जाने जाते है? ये किन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते थे ?

उत्तर– लाल – लाला लाजपत राय –पंजाब का

बाल– बाल गंगाधर तिलक महाराष्ट्र का

पाल –विपिन चंद्र पाल बंगाल का।

4. गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे? उन्होंने गाँधीजी को क्या सलाह दी?

उत्तर–गोपाल कृष्ण गोखले। गाँधी जी को एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा कर यहा की भूमि व लोगो को समझने की सलाह दी।

5. महात्मा गाँधी की भारत में प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति कहां हुई थी ? यहां गांधीजी ने क्या विचार प्रकट किए–

उत्तर– प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी 1916 ई. में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई थी। यहां पर गाँधी जी ने मजदूरों, गरीबों एवं किसानों की अनुपस्थिति को लेकर विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथों लिया।

6. महात्मा गाँधी का भारत में प्रथम सत्याग्रह कौनसा था?

उत्तर– प्रथम सत्याग्रह 1917 ई. में चम्पारण का था। दिसम्बर 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में जानकारी मिली की सरकार नील की खेती करने के लिए कठोरता अपनाती है।

7. महात्मा गाँधी ने गुजरात में किन अभियानों का संचालन किया ?

उत्तर– 1. 1918 ई. में अहमदाबाद में श्रम विवाद में हस्तक्षेप कर कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की माँग की।

2. खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य के किसानों का लगान माफ करने की मांग की।

8. महात्मा गाँधी के अमेरिकी जीवनी के लेखक कौन थे ?

उत्तर– लुई फिशर

9. असहयोग आन्दोलन को वापस क्यो लिया गया ?

उत्तर– फरवरी 1922 ई. में संयुक्त प्रांत के चौरी–चौरा पुरवा में आन्दोलन करने वालों के द्वारा पुलिस थाने में आग लगाने से पुलिस वालों की जान जाने के कारण ।

10. असहयोग आंदोलन के लिए अमेरिकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे ?

उत्तर– असहयोग आन्दोलन गांधी जी के जीवन के युग का ही नाम हो गया। यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किंतु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था।

11. 1924 ई. में जेल से रिहा होने पर गाँधीजी ने किन कार्यों पर जोर दिया ?

उत्तर– आयातित वस्त्रों के स्थान पर खादी से बने कपड़े के उपयोग पर जोर, छूआ–छूत को समाप्त करना, बाल विवाह समाप्त करना तथा हिन्दू–मुसलमानों के बीच सौहार्द्ध स्थापित करना।

12. साइमन कमिशन भारत में कब व क्यों आया तथा इसे अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर– 1928 ई. में।

उपनिवेश की स्थितियों की जांच–पड़ताल के लिए। इसे श्वेत कमीशन कमीशन के नाम से जाना जाता है क्योकि इसमें एक भी भारतीय नही था।

13. कांग्रेस का 1929 ई. का वार्षिक अधिवेशन कहाँ आयोजित हुआ, इसकी अध्यक्षता किसने की थी तथा इसमें कौन–से प्रस्ताव पारित किए गए?

उत्तर– 1929 ई का अधिवेशन लाहौर में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ इसमे पूर्ण स्वराज्य अथवा पूर्ण स्वतंत्रता की उद्घोषणा की गई, एवं 26 जनवरी 1930 ई. से स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई।

14. औपनिवेशिक भारत में मनाये जाने वालें स्वतंत्रता दिवस पर क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे ?

उत्तर– राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरुआत होती है, शेष दिवस में रचनात्मक कार्य होते जैसे सूत कताई, अछूतों की सेवा

शेखावाटी मिशन–100

हिन्दू–मुस्लमानों का पुनर्मिलन, एवं निषिद्ध कार्य करके मनाया जाता था।

15. रजवाड़ों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए किनकी स्थापना की गई ?

उत्तर– प्रजा मण्डलों की स्थापना

16. औपनिवेशिक सरकार द्वारा नमक को क्यों नष्ट किया जाता था?

उत्तर– यदि नमक को लाभ पर न बेच पाती तो सरकार उस नमक को नष्ट कर देती थी।

17. दाण्डी यात्रा का कवरेज किस पत्रिका ने किया था?

उत्तर– अमेरिकी समाचार पत्रिका टाइम ने।

18. गाँधी को किस कार्यकर्ता ने समझाया की आन्दोलनों को पुरुषों तक ही सीमित न रखे ?

उत्तर– समाजवादी कार्यकर्ता कमला देवी चट्टोपाध्याय।

19. दाण्डी मार्च यात्रा कब व कहाँ से प्रारम्भ हुई तथा कब व कहाँ समाप्त हुई?

उत्तर– 12 मार्च 1930 ई. को साबरमती आश्रम से प्रारम्भ तथा 6 अप्रैल 1930 को दाण्डी में समाप्त हुई।

20. दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधत्व किसने किया था?

उत्तर– महात्मा गाँधी ने।

21. गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री कौन था?

उत्तर– मैकडोनाल्ड

22. दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने पुनः सविनय अवज्ञा आरम्भ किया उस समय भारत का वायसराय कौन था ?

उत्तर– लार्ड विलिंग्डन

23. 'गांधी–इर्विन समझौते' की शर्तों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1. सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेना
2. सारे कैदियों की रिहाई
3. तटवर्ती इलाको मे नमक बनाने की छूट

24. महात्मा गाँधी ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का विरोध क्यों किया था?

उत्तर– गाँधीजी का मानना था कि ऐसा करने पर दलितों को समाज की मुख्यधारा में एकीकरण नही हो पाएगा और वे सवर्ण हिन्दुओं से हमेशा के लिए अलग हो जाएंगें।

25. 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट से भारतीयों को क्या आश्वासन मिला?

उत्तर– सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन मिला जिसके तहत सीमित मताधिकार के आधार पर 1937 ई. में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 11 प्रांतो में से 8 में सरकार बनाई थी।

26. कांग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब व क्यों दिया?

उत्तर– अक्टूबर 1939 ई० कांग्रेस चाह रही थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजो की सहायता के बदले युद्ध समाप्ति पर पूर्ण स्वतंत्रता मिलेगी लेकिन एसा नही हुआ।

27. मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यों मनाया ?

उत्तर– दिसम्बर 1939 ई कांग्रेस मंत्री मंत्रिमण्डलों द्वारा त्याग–पत्र दिये जाने पर ।

28. यह कथन किसका है। 'उन्हे सम्राट का सर्वोच्च मंत्री इसलिए नियुक्त नहीं किया गया है कि वह ब्रिटिश साम्राज्य के टुकड़े–टुकड़े कर दें'।

उत्तर– ब्रिटिश प्रधानमंत्री बिस्टन चर्चिल

29. मुस्लिम लीग ने 1940 ई० के लाहौर अधिवेशन में क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर– उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की मांग का प्रस्ताव रखा।

30. क्रिप्स मिशन भारत कब आया था ?

उत्तर– मार्च 1942 ई. को

31. भारत छोड़ो आन्दोलन, के समय स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना कहाँ–कहाँ हुई थी?

उत्तर– पश्चिम में सतारा एवं पूर्व में मेदिनीपुर में

32. प्रति सरकार (समानांतर सरकार) ने क्या–क्या कार्य किए ?

उत्तर– 1. जन अदालतों का आयोजन 2. रचनात्मक कार्य

33. द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों की भागीदारी प्राप्त करने का प्रयास किस वायसराय ने किया

उत्तर– लार्ड लिनलिथगों

34. कैबिनेट मिशन भारत कब आया था ? उसका क्या प्रयास था ?

उत्तर– 30 मार्च 1946 ई. को। कांग्रेस व मुस्लिम लीग को एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया जिसमें भारत के भीतर ही प्रांतों को सीमित स्वायत्तता दी जा सकती थी।

35. मुस्लिम लीग ने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' का आहवान कब किया ?

उत्तर– 16 अगस्त 1946 ई० को

36. मोहनदास करमचंद गाँधी को राष्ट्रपिता की उपाधि किसने दी?

उत्तर– दिल्ली में सविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने ।

37. गाँधीजी की जीवनी किसने लिखी थी ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– डी.जी. तेंदुलकर ने ।

38. गाँधीजी की हत्या कब व किसने की थी?

उत्तर–30 जनवरी 1948 ई. को नाथूराम गोडसे ने ।

39. महात्मा गाँधी ने किन समाचार पत्रों का सम्पादन किया था?

उत्तर– हरिजन, यंग इण्डिया एवं इण्डियन ऑपिनियन ।

40. ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया था?

उत्तर– प0 जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान लिखे गए पत्रों का संकलन किया था

41. राष्ट्रीय आन्दोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्वपूर्ण स्रोत क्यो है?

उत्तर– (1) समाचार पत्रों में राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित सभी घटनाओं की जानकारी मिल जाती है।

(2) राष्ट्रीय आन्दोलन के नेताओं के विचारों की जानकारी मिल जाती है।

(3) ब्रिटिश सरकार के दृष्टिकोण का पता चलता है।

42. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया?

उत्तर– यह जन सामान्य से जुड़ा हुआ था। यह स्वदेशी व आर्थिक प्रगति का प्रतीक था। गाँधीजी प्रतिदिन स्वयं कुछ समय चरखा चलाने में व्यतीत करते थे।

43. गांधीजी के बलिदान की तुलना अब्राहम लिंकन के बलिदान से करने वाली पत्रिका कौन सी थी ?

उत्तर– अमेरिका से प्रकाशित होने वाली 'टाइम' पत्रिका।

44. 'व्हाट कांग्रेस एण्ड गांधी हेव डन टू दी अनटचेबल्स' किसकी रचना है–

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर।

लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. रॉलेट एक्ट पर टिप्पणी लिखिए–

उत्तर– सर सिडनी रॉलेट ने एक अधिनियम पारित किया था जिसमें प्रेस पर प्रतिबन्ध लगा दिया तथा बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी

2. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड पर टिप्पणी लिखो ?

उत्तर– रौलेट एक्ट के विरोध में आन्दोलन हुआ जिसका सबसे अधिक प्रभाव पंजाब में पड़ा। पंजाब के राष्ट्रवादियों की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में शांतिपूर्ण चल रही सभा पर जनरल डायर ने गोली चलाने के आदेश दे दिए।

3. खिलाफत आंदोलन क्या था? गाँधीजी ने इसका समर्थन क्यों किया था?

उत्तर– यह आन्दोलन मुहम्मद अली व शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों ने चलाया था इनकी माँगे थी कि पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान, अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे। खलीफा के पास इतना क्षेत्र हो वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बना सके ।

गाँधी जी असहयोग को खिलाफत के साथ इसलिए मिलाना चाहते थे कि भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय – हिंदू और मुसलमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देंगे।

4. असहयोग आन्दोलन के लिए अमरीकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे ?

उत्तर– असहयोग आंदोलन गाँधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किंतु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था। इसके लिए प्रतिवाद परित्याग और स्व–अनुशासन आवश्यक थे। यह स्वशासन के लिए एक प्रशिक्षण था।

5. महात्मा गाँधी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया?

उत्तर– आम लोगों की तरह वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा में बोलते थे। अन्य नेताओं की तरह वे सामान्य जनसमूह से अलग नहीं खड़े होते थे बल्कि वे उनसे सहानुभूति रखते तथा उनसे घनिष्ठ संबंध भी स्थापित कर लेते थे।

6. किसान महात्मा गाँधी को किस तरह देखते थे ?

उत्तर– किसान मानते. थी उन्हे राजा द्वारा किसानों के दुख तकलीफों में सुधार के लिए भेजा गया है तथा उनके पास सभी अधिकारियों के निर्देशों को अस्वीकृत करने की शक्ति है। गाँधीजी की शक्ति अंग्रेज बादशाह से उत्कृष्ट मानते थे।

उन्हे गाँधी बाबा, गाँधी महाराज, महात्मा के नाम से, उद्धारक, दमनात्मक अधिकारियों से सुरक्षा करने वाले, और उनके जीवन में मान–मर्यादा और स्वायत्तता वापस लाने वाले के रूप मे मानते थे।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न–

1. असहयोग आन्दोलन के कारणों का मूल्यांकन कीजिए–

उत्तर– ब्रिटिश भारत की समसामयिक परिस्थितियों ने असहयोग

शेखावाटी मिशन–100

आन्दोलन की शुरुआत का कार्य किया–

1. रॉलेट एक्ट – सर सिडनी रॉलेट ने एक अधिनियम पारित किया था जिसमें प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया तथा बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी। इस कानून में न वकील, न अपील, न दलील केवल गिरफ्तारी थी जिसका पूरे भारत में विरोध हुआ था।

2. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड – रॉलेट एक्ट के विरोध में आन्दोलन हुआ जिसका सबसे अधिक प्रभाव पंजाब में पड़ा जहां के राष्ट्रवादियों की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में शांतिपूर्ण चल रही सभा पर जनरल डायर ने गोली चलाने के आदेश दे दिए जिसमें कई लोग मारे गए।

3. खिलाफत आन्दोलन – यह आन्दोलन मुहम्मद अली व शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुस्लमानों ने चलाया था इनकी माँगे थी कि पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा को नियन्त्रण बना रहे। खलीफा के पास इतना क्षेत्र हो वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बना सके। गाँधीजी असहयोग को खिलाफत के साथ इसलिए मिलाना चाहते थे कि भारत के दो प्रमुख भारतीय समुदाय – हिन्दू और मुस्लमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देगें।

2. असहयोग आन्दोलन एक तरह का प्रतिरोध कैसे था ? उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1. महात्मा गाँधी के नेतृत्व में चलाया गया यह आन्दोलन में ब्रिटिश शासन की गलत नीतियों के विरुद्ध एक जन प्रतिरोध था।

2. ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपे गए रॉलेट एक्ट कानून को वापस लेने के लिए पूरे भारत में आंदोलन हुआ जिसमें पूरे बाजार एवं स्कूल बंद रहे।

3. कांग्रेस, व गाँधीजी खिलाफत आंदोलन का समर्थन करके देश के दो समुदाय – हिंदू एवं मुस्लमान को मिलाकर औपनिवेशिक शासन के प्रति जनता के सहयोग को अभिव्यक्त करने का माध्यम था।

4. इसमें सरकारी विद्यालय में शिक्षक एवं विद्यार्थीयों ने जाना छोड़ दिया। वकीलो ने अदालते छोड़ दी एवं श्रमिक वर्ग ने हड़ताल द्वारा समर्थन किया। किसानों ने कर देने से मना कर सरकारी आदेशों की अवहेलना की।

5. असहयोग का प्रभाव देहात में भी पड़ा जिसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते है

(क) आंध्र की पहाड़ी जनजातियों ने वन्य कानूनों की अवहेलना की।

(ख) अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए।

(ग) कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया।

6. किसानों, श्रमिकों एवं अन्य ने अपने मेल खाते तरीकों का इस्तेमाल कर अपने ढंग से इसकी व्याख्या करके औपनिवेशिक शासन के प्रति असहयोग का रास्ता अपनाया।

3. नमक कानून स्वतंत्रता संघर्ष का महत्त्वपूर्ण मुदा क्यों बन गया था?

अथवा

महात्मा गाँधी की दाण्डी मार्च का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

उत्तर– गाँधीजी ने नमक जिसके उत्पादन एवं विक्रय पर राज्य को एकाधिकार दे दिया था जिसे घृणित कानून मानते हुए उसे तोड़ने का निश्चय किया। प्रत्येक घर में नमक का प्रयोग अपरीहार्य था लेकिन घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया, जिस कारण दुकानों से ऊंचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया।

इसके विरोध स्वरूप गाँधी ने इसे तोड़ने के लिए एक यात्रा का नेतृत्व करने का निर्णय लिया इसकी पूर्व सूचना लॉर्ड इरविन को दे दी थी। गाँधी जी 12 मार्च 1930 ई. को साबरमती आश्रम से दाण्डी के लिए यात्रा शुरू कर 6 अप्रैल 1930 ई. नमक उठा कर नमक कानून तोड़ा। दाण्डी यात्रा के समय देश के अन्य भागों में भी समान्तर नमक यात्राएँ आयोजित की गई।

नमक कानून का स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान–

नमक यात्रा ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी जो निम्न है–

(1) आदिवासियों ने औपनिवेशिक वन कानूनों का उल्लंघन किया जिसके कारण वे अपने जगलों में जा नहीं सकते थे

(2) फैक्ट्रीयों में मजदूरों ने हड़ताल की

(3) वकीलों ने ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार किया।

(4) विद्यार्थियों ने सरकारी संस्थानों में पढ़ने से इनकार कर दिया।

(5) नमक यात्रा में सभी जातियो व धर्मो के लोगो ने समान रूप से भाग लिया।

शेखावाटी मिशन–100

(6) किसानों ने लगान देने से मना किया।

4. नमक यात्रा के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों के साथ संवादों की समीक्षा कीजिए –

अथवा

गोलमेज सम्मेलन में हुई वार्ता से कोई नतीजा क्यों नहीं निकल पाया ?

उत्तर– दाण्डी यात्रा ने पूरे भारत में राष्ट्रीयता की, लहर चला दी, पूरे भारत में सरकारी आदेशों की अवमानना होने लगी थी तो अंग्रेजों को अहसास हो गया कि यदि भारतीयों को सत्ता में भागीदारी नहीं दी तो हम ज्यादा समय तक भारत में शासन नहीं कर पायेगें इसलिये भारतीय दलों के साथ लंदन में गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

(1) प्रथम गोलमेज सम्मेलन– यह नवम्बर 1930 ई. में आयोजित किया गया जिसमें देश के प्रमुख नेता सविनय अवज्ञा आंदोलन के कारण शामिल नहीं हुए इसलिए बैठक निरर्थक साबित हुई। इसलिए अंग्रेजों ने गांधीजी को जनवरी 1931 में जेल से रिहा कर वायसराय लॉर्ड इरविन से वार्ता के बाद कांग्रेस दूसरें सम्मेलन में भाग लेने को तैयार हुए।

(2) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन– यह सम्मेलन नवम्बर 1931 ई. में लंदन में आयोजित हुआ जिसमें कांग्रेस का नेतृत्व गांधी कर रहे थे इस बैठक का भी कोई नतीजा नहीं निकला क्योंकि गाँधी जी ने सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे/भारत का प्रतिनिधित्व करती है। गांधीजी के इस दावे को निम्न ने को चुनौती दी–

(क) मुस्लिम लीग – मुस्लिम लीग ही मुस्लिम अल्पसंख्यकों के हित में काम करती है।

(ख) राजे–रजवाडे – इन्होने दावा किया कांग्रेस का उनके नियंत्रण वाले भूभाग पर कोई अधिकार नहीं है।

(स) बी–आर अंबेडकर –इन्होने कहा कि गाँधी जी और कांग्रेस पार्टी निचली जातियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते है।

इन सब विरोधो के बीच सम्मेलन में कोई नतीजा नहीं निकला। गाँधी जी को खाली हाथ लौटना पड़ा। भारत लौटने पर उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन पुनः शुरू किया।

(3) तृतीय गोलमेज सम्मेलनः– तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932 ई. में आयोजित हुआ उसमें कांग्रेस ने भाग नहीं लिया। प्रधानमंत्री रेम्जे मैकडोनाल्ड ने सम्मेलन के बाद श्वेत पत्र जारी कर दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जिसे साम्प्रदायिक पंचाट के नाम से जाना जाता है।

5. भारत छोड़ो आंदोलन का क्या महत्व है ?

उत्तर– द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर कांग्रेस ने फैसला लिया कि युद्ध समाप्त होने के बाद भारत को स्वतंत्रता दे तो कांग्रेस युद्ध प्रयासों में सहायता देगी लेकिन सरकार ने यह बात नहीं मानी तो कांग्रेस के मंत्रीमण्डलो ने सामूहिक त्याग–पत्र दे दे दिया। फिर वावेल योजना एवं क्रिप्स मिशन के असफल होने पर गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला लिया जो अगस्त 1942 ई० में प्रारम्भ हुआ जिसे 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नाम दिया।

इस आंदोलन में राष्ट्रीयता को नया आयाम दिया इसका बहुत महत्व था

(1) कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी बिना किसी कार्यक्रम के देशभर के युवा कार्यकर्ता हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिये आंदोलन चलाते रहे।

(2) कांग्रेस में जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी सदस्यों ने भूमिगत होकर आंदोलन चलाया रहे।

(3) पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर जैसे कई जिलों में स्वतंत्र सरकार (प्रतिसरकार) की स्थापना की गई। जिसमें सतारा की प्रति सरकार 1946 ई० तक चलती रही।

(4) इसमें लाखो आम हिन्दुस्तानी शामिल थे इसलिए इसे जनांदोलन माना जाता है।

(5) युवाओं ने अपनी कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता चुना।

6. महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आंदोलन को स्वरूप को किस तरह बदल डाला?

उत्तर–(1) गाँधी जी ने 1915ई में भारत में आने पर पूरे भारत का दौरा शुरू किया फिर स्थानीय आंदोलनो– चम्पारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा में सत्याग्रह का सफल परीक्षण किया।

(2) देश की बहुसंख्यक कृषक व मजदूर जनता को राष्ट्रीय आंदोलन में जोड़ा।

(3) भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की शाखाए खोली जिससे कांग्रेस का जनाधार बढ़ा।

(4) असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन से राष्ट्रीयता की भावना जागृत की जिसमें जनता के सभी वर्गो से

शेखावाटी मिशन–100

भाग लिया।

(5) महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल कर समानता का अधिकार प्रदान किया।

(6) छूआ–छूत विरोधी संघर्ष, हिन्दू मुस्लिम एकता व सामाजिक बुराइयों को दूर करने को कार्य किया।

7. निजी पत्रों और आत्मकथाओं से किसी व्यक्ति के बारे में क्या पता चलता है? ये स्रोत सरकारी ब्योरो से किस तरह भिन्न होते है ?

उत्तर– व्यक्ति के लेखन एवं भाषणों के माध्यम से हमें व्यक्ति के सार्वजनिक एवं व्यकिगत विचारों का पता चलता है। व्यक्तिगत –पत्रों में उनके निजी विचारो की झलक मिलती है। इन पत्रों में हमें लिखने वाले का अपना गुस्सा और पीड़ा, असंतोष और बेचैनी, अपनी आशाएँ और हताशाएं व्यक्त करते हुए देख सकते हैं।

मनुष्य इनमे से बहुत सारी बातों को अपने सार्वजनिक वक्तव्यों में व्यक्त नही कर सकता। बहुत सारे पत्र व्यक्तियों को लिखे जाते है लेकिन वे कुछ हद तक जनता के लिए भी होते हैं। उन पत्रों की भाषा इस अहसास से भी तय होती है कि संभव है, उन्हे एक दिन प्रकाशित कर दिया जाएगा, इसलिए निजी पत्रों में भी बहुत सारे लोग अपना मत स्वतंत्रतापूर्वक व्यक्त नहीं कर पाते।

आत्मकथाओं में हमें उस अतीत का पता चलता है जो मानवीय विवरणों के हिसाब से समृद्ध होती है। आत्मकथाएँ स्मृति के आधार पर लिखी जाती है। आत्मकथा लिखना अपनी तस्वीर को पढ़ने का तरीका होता है तथा वह औरो की नजर में अपनी जिन्दगी को अलग तरह से दर्शाना चाहता है। पढ़ने वालों को वह देखने का प्रयास करना चाहिए जो हमे लेखक नहीं दिखाना चाहता है, उनकी चुप्पियों का कारण समझना चाहिए।

ये स्त्रोत सरकारी ब्योरों से पूर्णतः भिन्न होते हैं क्योंकि सरकारी ब्योरों में नीचे का अधिकारी अपने अधिकारियों को जताने का प्रयास करता है कि सब कुछ सही चल रहा है। राजद्रोह व विद्रोह की संभावना मानते हुए भी वे खुद को इस बात का आश्वासन देना चाहते है कि इन आशंकाओं का कोई आधार नहीं है।

अध्याय – 12
संविधान का निर्माण
(अंक भार – 6)

अतिलघुत्तरात्मक एवं लघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. भारत का संविधान कब अस्तित्व में आया?

उत्तर– दिनांक 26 जनवरी 1950

2. भारत के संविधान को किस अवधि के बीच सूत्रबद्ध किया गया?

उत्तर– भारत के संविधान को 9 दिसंबर 1946 से 26 नवंबर 1949 के बीच सूत्रबद्ध किया गया।

3. भारतीय संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए थे।

उत्तर– 11

4. संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें से कितने दिन बैठकों में गए?

उत्तर– 165 दिन

5. भारत आजाद कब हुआ?

उत्तर– 15 अगस्त 1947 को

6. रॉयल इंडियन नेवी (शाही भारतीय नौसेना) के सिपाहियों का विद्रोह कब हुआ?

उत्तर– 1946 के वसंत में

7. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसने प्रस्तुत/ पेश किया था?

उत्तर– 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

8. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– राजेन्द्र प्रसाद

9. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर

10. भारत सरकार के संवैधानिक सलाहकार कौन थे?

उत्तर– बी. एन. राव

11. हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं है। ये शब्द किसने, कब तथा कहाँ कहे थे?

उत्तर– 'हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।' ये शब्द जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में कहे थे।

12. संविधान सभा के किस सदस्य को संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया दिखाई देता था ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिडी को

13. सोमनाथ लाहिडी कौन थे? उनके संविधान सभा के बारे में क्या विचार थे?

उत्तर (1) सोमनाथ लाहिडी संविधान सभा में एक कम्युनिस्ट सदस्य थे। उनका विचार था कि संविधान सभा वास्तव में अंगेजों द्वारा बनाई गई है एवं यह अंग्रेजों की योजना को साकार करने का कार्य कर रही है।

14. जब गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 में चुनाव हुए तो 11 में से कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी?

उत्तर– 8

15. भारत सरकार के प्रशासनिक अधिकारी एस. एन. मुखर्जी की संविधान निर्माण में क्या भूमिका थी?

उत्तर– एस.एन. मुखर्जी की भूमिका मुख्य योजनाकार की थी। एस. एन. मुखर्जी जटिल प्रस्तावो को स्पष्ट वैधिक भाषा में व्यक्त करने की क्षमता रखते थे।

16. भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में किन दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

उत्तर – भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में एस. एन. मुखर्जी तथा बी. एन. राव नामक दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

17. ब्रिटिश शासन में किस कानून के जरिए प्रांतीय विधायिकाओं में सीमित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था लागू हुई थी?

उत्तर– 1919 के मोटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम द्वारा।

18. 1919 के मोटेग्य चेम्सफोड सुधारों की रुपरेखा किसने तैयार की थी?

उत्तर– एडविन मोटेग्यू ने।

19. पृथक निर्वाचिका एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है यह किसने कहां?

उत्तर– सरदार वल्लभ भाई पटेल ।

20. भारतीय संविधान के निर्माण से पहले के कुछ वर्ष उथल पुथल वाले कैसे थे?

उत्तर– (1) 1942 ई० में चला भारत छोडो आंदोलन।

(2) सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज द्वारा की गई कार्यवाहियो।

(3) मुस्लिम लीग द्वारा तीव्रता से फैलाया जा रहा साम्प्रदायिकता का विष।

21. संविधान सभा का गठन कब हुआ ? उसके कितने सदस्य थे?

उत्तर– (1) संविधान सभा का गठन जुलाई 1946 ई० में किया गया था।

(2) इसके कुल सदस्य 389 थे।

(3) इसमें कांग्रेस के 82 प्रतिशत सदस्य थे।

22. संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कब बुलाया गया था? इसका उद्देश्य क्या था?

उत्तर– (1) संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसंबर 1946 ई० को बुलाया गया था।

(2) इसका उद्‌देश्य भारतीय संविधान का निर्माण करना था।

23. संविधान सभा में भाषायी अल्पसंख्यकों ने कौन सी दो माँगे का प्रस्ताव रखा?

उत्तर (1) उन्हें मातृभाषा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले।

(2) भाषाओं के आधार पर प्रांतो का पुनर्गठन किया जाए।

24. संविधान सभा में कितने सदस्यों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई? इनमें से किन्ही दो सदस्यों के नाम लिखे?

उत्तर– (1) संविधान सभा में 6 सदस्यों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

(2) इनमें से दो सदस्यों के नाम जवाहरलाल नेहरु एवं बी. आर. अंबेडकर थे।

25. संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य कौन थे?

उत्तर– संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य जवाहरलाल नेहरु, वल्लभभाई पटेल एवं डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद थे।

26. दमित जातियों के विकास के लिए संविधान सभा द्वारा दिये गये किन्हीं दो सुझावों का उल्लेख कीजिए

उत्तर– (1) अस्पृश्यता का उन्मूलन किया जाए।

(2) हिंदू मंदिरों के द्वार सभी जातियों के लिए खोल दिए जाएँ।

(3) निचली जातियों को विधायिकाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाए।

26. दमित जातियों के दो मुख्य समर्थक नेता कौन थे

उत्तर– दमित जातियो के दो मुख्य समर्थक नेता बी० आर० अंबेडकर एवं जे. नागप्पा थे।

27. संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– (1) देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी।

(2) प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कामों में अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा। प्रत्येक प्रॉत को एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

28. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले त्रिगुट में कौन कौन से सदस्य शामिल थे?

उत्तर– (1) जवाहरलाल नेहरु

(2) वल्लभ भाई पटेल

(3) राजेंद्र प्रसाद ।

29. किसके पास संविधान सभा में संविधान के प्रारुप को पारित करवाने की जिम्मेदारी थी?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर के पास संविधान सभा में संविधान के प्रारूप की जिम्मेदारी थी।

30. बी० पोकर बहादुर ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका का समर्थन क्यों किया ?

उत्तर– (1) मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर मुसलमान अच्छी प्रकार नहीं समझ सकते।

(2) मुसलमानों की शासन में सार्थक हिस्सेदारी के लिए।

32. बी. पोकर बहादुर की मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग से अधिकाँश राष्ट्रवादी क्यों भड़क उठे ?

उत्तर– (1) वे इसे लोगों को बाँटने की एक चाल समझते थे।

(2) वे इसे एक ऐसा विष समझते थे जिसने संपूर्ण राजनीति को विषैला कर दिया है।

33. गोविंद वल्लभ पत ने बी. पोकर बहादुर द्वारा की गई पूर्ण निर्वाचिका की मांग की क्यो आलोचना की?

उत्तर– (1) वह इसे एक आत्मघाती माँग समझते थे।

(2) इस कारण अल्पसंख्यक स्थायी रूप से अलग थलग हो जाएंगे।

34. उन्हें सहारों की जरूरत है। उन्हें एक सीढी चाहिए। ये शब्द किसने तथा किनके लिए कहे?

उत्तर– ये शब्द एन० जी० रंगा ने गरीबों एवं दबे कुचले लोगों के लिए कहे।

35. आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता कौन था? उसने किस बात पर बल दिया?

उत्तर– (1) आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता जयपाल सिंह थे।

(2) उन्होंने आदिवासियों की सुरक्षा तथा आम जनता के स्तर पर लाने के लिए आवश्यक परिस्थितियों की रचना करने पर बल दिया।

36. जयपाल सिंह आदिवासियों के लिए सीटों का आरक्षण क्यों जरूरी मानते थे?

उत्तर– (1) जयपाल सिंह आदिवासियों एवं शेष समाज के मध्य भावनात्मक एवं भौतिक अंतर को कम करना चाहते थे

(2) वह चाहते थे कि आदिवासियों की आवाज अन्य लोग भी सुने।

37. पृथक निर्वाचिको का समर्थन करने वाले किन्ही दो नेताओं के नाम लिखें।

उत्तर– पृथक निर्वाचिका का समर्थन करने वाले किन्ही दो नेताओ के नाम बी० पोकर बहादुर एवं बी० आर० अम्बेडकर थे।

38. पृथक निर्वाचिका आत्मघाती साबित होगी क्योंकि इससे अल्पसंख्यक बहुसंख्यकों से कट जाएंगे? यह किसने कहाँ?

उत्तर– बेगम ऐजाज रसूल।

39. संविधान सभा में यह किसने कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की व्याख्या आर्थिक स्तर पर की जानी चाहिए?

उत्तर– किसान आंदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले एन.जी. रंगा ने।

40. हिन्दुस्तानी भाषा के प्रश्न पर महात्मा गाँधी को क्या लगता था? अथवा गाँधीजी ने इस बात पर बल क्यों दिया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा हिन्दुस्तानी होनी चाहिए?

उत्तर– महात्मा गाँधी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से उर्दू के मेल से बनी समझ सके। हिंदी और हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के बहुत बड़े भाग की भाषा थी। यह हिंदू और मुसलमान दोनों के द्वारा महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की हैः वह हिंदुओं और मुसलमानों को, उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।

41. 'मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी। अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रुपांतरित

शेखावाटी मिशन–100

नहीं कर पाएँगे। निराशा का भाव शुरु से उन्हें अपंग बना देगा।' यह कथन किसका है?

उत्तर– गोविंद वल्लभ पंत ।

42. संविधान की प्रारुप समिति के अध्यक्ष भीमराव अम्बेडकर के साथ कौनसे दो वकील काम कर रहे थे, जिन्होने संविधान के प्रारूप पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए?

उत्तर– (1) गुजरात के के. एम. मुंशी

(2) मद्रास के अल्लादि कृष्णा स्वामी अय्यर।

43. भारतीय संविधान में विषयों की कितनी सूचियों का उल्लेख है। उनका नाम लिखिए ? अथवा संविधान के मसौदे में कितनी सूचियां बनायी गयी थी?

उत्तर– 3 सूचियां थी –

1. संघ सूची 2. राज्य सूची 3. समवर्ती सूची

44. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– अनुच्छेद 356 में गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दे दिया गया।

45. संविधान में केंद्र को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या प्रावधान किए गए? कोई दो लिखिए।

उत्तर– (1) केंद्रीय सूची में सभी महत्त्वपूर्ण विषय रखे गए।

(2) अनुच्छेद 356 के अधीन गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार राज्य सरकार के सभी अधिकारों को अपने हाथ में ले सकती है।

46. राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें सबसे उल्लेखनीय कौन थे?

उत्तर– राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें उल्लेखनीय मद्रास के के. संतनम थे।

47. हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध में क्या तर्क दिया गया?

उत्तर (1) अनेक लोग सोचते थे कि हिंदी को उन पर जबरदस्ती थोपा जा रहा है।

(2) दक्षिण भारत के लोग हिंदी भाषा को नहीं समझते थे।

48. भारतीय संविधान के किन दो अभिलक्षणों पर काफी हद तक सहमति थी?

उत्तर– (1) प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देना।

(2) धर्मनिरपेक्षता की नीति पर बल देना।

49. भारतीय संविधान में दिए गए कोई तीन मौलिक अधिकार बताए।

उत्तर– (1) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14, 16.17)

(2) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)

(3) सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29, 30)

50. केंद्रीय सूची के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– भारतीय संविधान की केंद्रीय अथवा संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व के विषय दिए गए है। इन पर कानून बनाने का अधिकार केवल केंद्र को है। इनमें प्रमुख है विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा।

51. राज्य सूची के विषय में आप क्या जानते है ?

उत्तर– राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्य सरकारों के पास है। इनमें महत्वपूर्ण है स्थानीय स्वशासन, पुलिस एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य।

52. समवर्ती सूची पर प्रकाश डालिए।

उत्तर – भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में 52 (मूलतः 47) विषय सम्मिलित है। इन विषयो पर केंद्र एवं राज्य सरकारे दोनों ही कानून बना सकती है लेकिन टकराव की स्थिति में केंद्रीय सरकार को प्राथमिकता दी जाती है।

53. वयस्क मताधिकार क्या है?

उत्तर– वयस्क मताधिकार का अर्थ है कि प्रत्येक स्त्री पुरुष जिसकी आय 18 वर्ष अथवा इससे अधिक है बिना किसी भेदभाव के मत देने का अधिकार आयु 18 वर्ष

54. संविधान सभा में कौन–कौन से सदस्यों ने शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता पर जोर दिया और क्यो?

उत्तर– (1) डॉ भीमराव अम्बेडकर

(2) गोपालस्वामी अय्यर

(3) बालकृष्ण शर्मा

(4) सड़कों पर हो रही हिंसा का हवाला देते हुए बहुत सारे सदस्यों ने बार बार यह कहा कि केन्द्र की शक्तियों में भारी इजाफा होगा चाहिए ताकि सांप्रदायिक हिंसा को रोक सके।

55. वह एक शक्तिशाली और एकीकृत केन्द्र चाहते हैं, 1935 के गवर्नमेंट एक्ट में हमने जो केन्द्र बनाया था उससे भी ज्यादा शक्तिशाली केन्द्र। यह किसने कहा?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

शेखावाटी मिशन–100

56. हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी उस भाषा का नाम लिखिए जिसे महात्मा गाँधी राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलाना चाहते थे?

उत्तर– हिन्दुस्तानी भाषा

57. राष्ट्रीय आदोलन के दौरान किस राजनेता ने दमित जातियों के लिए पथक निर्वाचिका की माँग की थी?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

58. ब्रिटिश शासन में कब कार्यपालिका को आशिंक रूप से प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाया गया और कब उसे पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया?

उत्तर– (1) 1919 के मोटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम के द्वारा कार्यपालिका को आंशिक रूप से विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।
(2) 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के द्वारा कार्यपालिका को पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया।

59. यह सुझाव किसने दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भाषा भारत की राजकीय भाषा होगी ?

उत्तर– भाषा समिति ने।

60. भारत में हुए विभिन्न जन आंदोलनों का एक महत्वपूर्ण पहलू कौन सा था?

उत्तर– व्यापक हिन्दू मुस्त्रिम एकता इन जन आंदोलनों का एक अहम पहलू था।

61. संविधान सभा के किस सदस्य ने महात्मा गाँधी के आह्वान पर दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार जारी रखा?

उत्तर– श्रीमती दुर्गा बाई ने।

62. संविधान सभा के एक शुरुआती सत्र में संयुक्त प्रान्त के किस एक कांग्रेसी सदस्य ने इस बात के लिए पुरजोर शब्दों में आवाज उठाई कि हिंदी को संविधान निर्माण की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए?

उत्तर– आर.वी. धुलेकर।

63. अर्धरात्रि के इस क्षण में जब दुनिया सो रही है, भारत जीवन और स्वतंत्रता की और जाग रहा है। यह कथन किसका है?

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरु

64. संविधान सभा में यह प्रस्ताव किसने पेश किया कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज तीन पट्टियों का तिरंगा झंडा होगा जिसके बीच में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरु

65. 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार नवजात राष्ट्र को किन दो प्रमुख समस्याओं के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

उत्तर– 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार को शरणार्थियों की समस्या एवं देशी रियासतो के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

66. अग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कौन से सवैधानिक सुधार पारित किए?

उत्तर– अंग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 1909 ई०, 1919 ई० तथा 1935 ई० के संवैधानिक सुधार पारित किए।

67. जवाहरलाल नेहरु ने संविधान सभा के सामने उद्देस्य प्रस्ताव पेश करते समय क्या कहाँ था?

उत्तर– 13 दिसंबर 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया। इसमें भारत को एक स्वतंत्र सम्प्रभु गणराज्य घोषित किया गया था। नागरिको को न्याय, समानता व स्वतंत्रता का आश्वासन दिया गया था, और यह वचन दिया गया था कि अल्पसंख्यकों, पिछडे–व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए जाएँगे...। इन उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए नेहरू ने भारतीय प्रयोग को एक व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ में प्रस्तुत किया।

68. संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी ने संविधान सभा की चर्चाओं में क्या विचार व्यक्त किये?

उत्तर– उन्हें संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया दिखाई देता था। उन्होने सदस्यों तथा आम भारतीयों से आग्रह किया कि वे साम्राज्यवादी शासन के प्रभाव से खुद को पूरी तरह आजाद करें। लाहिडी ने अपने साथियों को समझाया कि संविधान सभा अंग्रेजो की बनाई हुई है और वह अंग्रेजों की योजना को साकार करने का काम कर रही है।

69. पृथक निर्वाचिका के विरोध में आवाज उठाने वालों में कौन कौन शामिल थे?

उत्तर– (1) आर वी. घुलेकर
(2) सरदार वल्लभभाई पटेल
(3) गोविंद वल्लभ पन्त

शेखावाटी मिशन–100

(4) बेगम ऐजाज रसूल

70. संविधान में केन्द्र को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए किए गए किन्ही तीन प्रावधानो का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– (1) केन्द्रीय सूची में बहुत अधिक विषय रखे गये।

(2) खनिज पदार्थों एवं आधारभूत उद्योगों पर केन्द्र सरकार का ही नियन्त्रण रखा गया। सीमा शुल्क एवं कम्पनी कर पर केंद्र सरकार को नियन्त्रण दिया गया।

(3) अनुच्छेद 356 के तहत राज्यपाल की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के समस्त अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दिया गया।

71. किसान आदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले वाले एन.जी एन.जी. रंगा ने संविधान सभा के सामने क्या आह्वान किया?

उत्तर– उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की व्याख्या आर्थिक स्तर पर की जानी चाहिए रंगा की नजर में असली अल्पसंख्यक गरीब और दबे–कुचले लोग थे। जब तक संविधानसम्मत अधिकारों को लागू करने का प्रभावी इंतजाम नहीं किया जाएगा तब तक गरीबों के लिए इस बात का कोई मतलब नहीं है कि अब उनके पास जीने का, पूर्ण रोजगार का अधिकार आ गया हैय या अब वे सभा कर सकते हैं, सम्मेलन कर सकते है, संगठन बना सकते है और उनके पास अन्य नागरिक स्वतंत्रताएँ हैं। यह जरूरी था कि ऐसी परिस्थितियाँ बनाई जाएँ जहाँ संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों का जनता प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सके। रंगा ने कहा कि, उन्हें सहारों की जरूरत है। उन्हें एक सीढ़ी चाहिए।

72. जयपाल सिंह आदिवासियों के लिए क्या चाहते थे?

उत्तर– जयपाल सिंह पृथक निर्वाचिका के हक में नहीं थे लेकिन उनको भी यह लगता था कि विधायिका में आदिवासियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए सीटों के आरक्षण की व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह औरो को आदिवासियो की आवाज सुनने और उनके पास आने के लिए मजबूर किया जा सकेगा।

73. संविधान सभा में दमित जातियों के अधिकारों के लिए िकस–किस ने आवाज उठाई थी?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर, मद्रास के सदस्य जे. नागप्पा, के. जे. खांडेलकर

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न–

1. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था?

उत्तर– 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरु ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा फ्रेमवर्क सुझाया जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ाना था। यथा–

(1) इसमें भारत को एक स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य घोषित किया गया।

(2) इसमें समस्त नागरिको को स्वतंत्रता, समानता और न्याय का आश्वासन दिया गया।

(3) इसमें इस बात पर भी बल दिया गया कि अल्पसंख्यको, पिछडे व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए जाएंगे।

(4) इसी अवसर पर नेहरू ने बोलते हुए कहा कि उनकी दृष्टि अतीत में हुए उन ऐतिहासिक प्रयोगों की ओर जा रही है जिनमें अधिकारों के ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए थे।

(5) नेहरु ने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य होगा लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक–दूसरे में समावेश करें तथा भारतीय संदर्भ में इनकी रचनात्मक व्याख्या करें।

2. संविधान सभा के ऐसे दो महत्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी।

उत्तर– संविधान के कुछ ऐसे महत्वपूर्ण अभिलक्षण भी है, जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। यथा–

(1) वयस्क मताधिकार संविधान का एक केन्द्रीय अभिलक्षण वयस्क मताधिकार है। इस पर संविधान सभा में प्रायः आम सहमति थी। यह सहमति प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देने पर थी। इसके पीछे एक खास किस्म का भरोसा था जिसके पूर्व उदाहरण अन्य देश के इतिहास में नहीं थे। दूसरे लोकतंत्रों में पूर्ण वयस्क मताधिकार धीरे–धीरे कई चरणों से गुजरते हुए, लोगों को मिला।

(2) धर्मनिरपेक्षता पर बल हमारे संविधान का दूसरा महत्वपूर्ण अभिलक्षण था धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परन्तु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय सन्दभों में उसके मुख्य

शेखावाटी मिशन–100

अभिलक्षणों का जिक्र आदर्श रूप में किया गया था। ऐसा मूल अधिकारों की श्रृंखला को रचने के जरिये किया गया, विशेषकर धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारा (अनुच्छेद 25–28), सास्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29–30) एवं समानता का अधिकारः (अनुच्छेद 14, 16, 17)। भारतीय राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता में राज्य व धर्म के बीच पूर्ण विच्छेद नहीं रहा। संविधान सभा ने इन दोनों के बीच एक विवेकपूर्ण फासला बनाने की कोशिश की है।

3. सविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

उत्तर– संविधान सभा की भाषा समिति ने राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिन्दी के समर्थकों और विरोधियों के बीच पैदा हो गए गतिरोध को तोड़ने के लिए फार्मूला विकसित कर लिया था। समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी। समिति का मानना था कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हमें धीरे–धीरे आगे बढ़ना चाहिए। प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कार्यों में अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहेगा प्रत्येक प्रांत को अपने कामों के लिए कोई एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

इस प्रकार संविधान सभा की भाषा समिति ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर विभिन्न पक्षों की भावनाओं को शांत करने और सर्वस्वीकृत समाधान पेश करने का प्रयास किया था।

4. संविधान के अनुसार केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का बँटवारा किस प्रकार किया गया?

उत्तर– संविधान के मसविदे में समस्त विषयों की तीन सूचियों बनाई गई हैं। ये हैं (1) केन्द्रीय या संघ सूची,
(2) राज्य सूची और
(3) समवर्ती सूची। यथा

(1) केन्द्रीय सूची में दिए गए विषय केवल केन्द्र सरकार के अधीन रखे गए है।

(2) राज्य सूची के विषय केवल राज्य सरकारों के अन्तर्गत रखे गये हैं।

(3) समवर्ती सूची में दिए गए केन्द्र और राज्य दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

परंतु अन्य संघों की तुलना में बहुत ज्यादा विषयों को केवल केंद्रीय नियंत्रण में रखा गया गया था। समवर्ती सूची में भी प्रांतों की इच्छाओं की उपेक्षा करते हुए बहुत ज्यादा विषय रखे गए जिन पर कानून बनाने का अधिकार राज्यों से ज्यादा केंद्र के पास होता था। खनिज पदार्थ एवं प्रमुख उद्योगों पर भी केंद्र सरकार को ही नियंत्रण दिया गया अनुच्छेद 356 में गवर्नर की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के समस्त अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दिया गया है।

5. संविधान में राजकोषीय संघवाद की भी एक जटिल व्यवस्था बनाई गयी। स्पष्ट कीजिये?

उत्तर– कुछ करो (जैसे– सीमा शुल्क और कंपनी कर) से होने वाली सारी आय केंद्र सरकार के पास रखी गई, कुछ अन्य मामलों में (जैसे– आय कर और आबकारी शुल्क) में होने वाली आय राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बॉट दी गई तथा अन्य मामलों से होने वाली आय (जैसे राज्य स्तरीय शुल्क) पूरी तरह राज्यों को सौंप दी गई। राज्य सरकारों को अपने स्तर पर भी कुछ अधिभार और कर वसूलने का अधिकार दिया गया। उदाहरण के लिए, वे जमीन और संपत्ति कर, ब्रिकी कर तथा बोतलबंद शराब पर अलग से कर वसूल कर सकते थे।

6. महात्मा गाँधी को ऐसा क्यों लगता था कि हिन्दुस्तानी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए

अथवा

महात्मा गाँधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनाना चाहते थे? व्याख्या कीजिए।

उत्तर– 1930 के दशक तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यह मान लिया था कि हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया जाए। गाँधीजी का मानना था कि हरेक व्यक्ति को ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सके। हिन्दी और उर्दू के समिश्रण से बनी हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी और यह विविध संस्कृतियों के आदान–प्रदान से समृद्ध हुई एक साझी भाषा थी। जैसे–जैसे समय बीता, बहुत तरह के स्त्रोतो से नए–नए शब्द और अर्थ इसमें समाते गए और उसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत सारे लोग समझने लगे। महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की आदर्श भाषा हो सकती है। वह हिन्दुओं और मुसलमानों को उत्तर और दक्षिण के लोगों

को एकजुट कर सकती है। इन सभी कारणो से गाँधीजी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे।

7. प्रांतों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में क्या तर्क दिए गए?

उत्तर– राज्यों के अधिकारों की सबसे शक्तिशाली हिमायत मद्रास के सदस्य के संतनम ने प्रस्तुत की। उन्होंने प्रान्तो के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिये–

(1) उन्होंने कहा कि न केवल राज्यों को बल्कि केन्द्र को ताकतवर बनाने के लिए शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है। यदि केन्द्र के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियों होगी तो वह प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएगा। उसके कुछ दायित्वों को कम करने से और उन्हें राज्यों को सौंप देने से केन्द्र ज्यादा मजबूत हो सकता है।

(2) संतनम का दूसरा तर्क यह था कि शक्तियों का मौजूदा वितरण उन्हें पंगु बना देगा। राजकोषीय प्रावधान प्रांतों को खोखला कर देगा क्योंकि भू–राजस्व के अलावा ज्यादातर कर केन्द्र सरकार के अधिकार में दे दिए गए हैं। यदि पैसा ही नहीं होगा तो राज्यों में विकास परियोजनाएँ कैसे चलेंगी।

(3) संतनम ने एक और तर्क देते हुए कहा कि अगर पर्याप्त जाँच–पड़ताल किए बिना शक्तियों का प्रस्तावित वितरण लागू कर दिया गया तो हमारा भविष्य अंधकार में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ही सालों में सारे प्रान्त केन्द्र के विरुद्ध उठ खड़े होंगे। उडीसा के एक सदस्य के अनुसार बेहिसाब केन्द्रीकरण के कारण केन्द्र बिखर जाएगा।

8. संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से कैसे प्रभावित होती थी? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– (1) जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों के तर्क समाचार पत्रों में छपते थे तथा समस्त प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।

(2) सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए देश की जनता के सुझाव भी आमन्त्रित किये जाते थे।

(3) कई भाषायी अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की माँग करते थे।

(4) धार्मिक अल्पसंख्यक अपने विशेष हित सुरक्षित करवाना चाहते थे और दलित जाति के लोग शोषण के अन्त की माँग करते हुए राजकीय संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।

9. वे कौनसी ऐतिहासिक ताकते थी जिन्होने संविधान का स्वरूप तय किया?

उत्तर– भारतीय संविधान सभा द्वारा 9 दिसम्बर 1946 से 26 नवम्बर 1949 तक संविधान का निर्माण किया गया। संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली प्रमुख ताकतें निम्नलिखित भीः–

(1) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः–

सविधान के स्वरूप को तय करने वाली प्रमुख ताकतों में कांग्रेस पार्टी की भूमिका सर्वाधिक थी। संविधान सभा में लगभग 82 प्रतिशत सदस्य इसी पार्टी के थे। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में जवाहर लाल नेहरु, सरदार वल्लभ भाई पटेल व डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रमुख थे। जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्द्देश्य प्रस्ताव पेश किया। सरदार पटेल ने अनेकानेक रिर्पोटों के प्रारूप लिखे तथा राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा की अध्यक्षता की।

(2) दलित एवं आदिवासी ताकतैः–

संविधान सभा के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकतों में दलित एवं आदिवासी नेता भी प्रमुख भूमिका निभा रहे थे। इनमें सर्वाधिक भूमिका बी. आर. अम्बेडकर की थी। संविधान सभा की प्रारूप समिति की अध्यक्षता करते हुए अम्बेडकर ने संविधान सभा में दलित जातियों के पक्ष में पुरजोर दलिले देकर विशेष रियायते प्राप्त की।

(3) जनमत सहभागिताः–

संविधान सभा में हुई चर्चाओ को अखबारों में छापा जाता था जिसे पढ़कर जनता भी अपनी तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करती थी। अतः जनमत को भी संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकत माना जाता है।

(4) बुद्धिजीवी वर्गः संविधान के स्वरूप को तय करने में बुद्धिजीवी वर्ग ने भी प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से महती भूमिका निभाई। इन्होंने देश की जनता को जायत करके राष्ट्रीयता के स्वरूप को ही बदल डाला।

10. विभिन्न समूह अल्पसंख्यक शब्द को किस तरह परिभाषित कर रहे थे?

उत्तर– सामान्यतः अल्पसंख्यक शब्द से हमारा तात्पर्य राष्ट्र की कुल जनसंख्या में किसी वर्ग अथवा समुदाय के कम अनुपात से है परन्तु अलग अलग लोगों ने अपने अपने ढंग से अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित किया है, जो इस प्रकार है–

शेखावाटी मिशन–100

(1) मद्रास के बी. पोकर बहादुर के अनुसार मुसलमान अल्पसंख्यक थे, क्योंकि मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर–मुसलमान अच्छी प्रकार से नहीं समझ सकते, न ही अन्य समुदायों के लोग मुसलमानों का कोई सही प्रतिनिधि चुन सकते हैं।

(2) कुछ लोग दमित वर्ग के लोगों को हिन्दुओं से अलग करके देख रहे थे, और उनके लिए अधिक स्थानों का आरक्षण चाह रहे थे।

(3) एन.जी. रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक गरीब और दबे–कुचले लोग थे। रंगा आदिवासियों को अल्पसंख्यक मानते थे। उनका शोषण व्यापारियों, जमींदारों तथा सूदखोरों द्वारा किया जा रहा था। जयपालसिंह ने भी आदिवासियों को अल्पसंख्यक बताया।?

(4) एन.जी. रंगा के अनुसार अल्पसंख्यक तथाकथित पाकिस्तानी प्रान्तों में रहने वाले हिन्दू, सिंख और यहाँ तक मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं। असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है, यह जनता इतनी दमित, उत्पीड़ित और कुचली हुई हैं कि अभी तक साधारण नागरिक को मिलने वाले लाभ नहीं उठा पा रही है।

शेखावाटी मिशन 100 मॉडल प्रश्न पत्र

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026

विषय–इतिहास, कक्षा –12

बहुविकल्पात्मक प्रश्न – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक) निम्न प्रश्नों (i) से (xviii) के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए–

(i) कौन से राजवंश के शासक अपने नाम के आगे देवपुत्र की उपाधि लगाते थे –
(अ) मौर्य (ब) सातवाहन
(स) कुषाण (द) शक

(ii) किस शासक के लिए देवनां प्रिय उपाधि का प्रयोग हुआ है।
(अ) अशोक (ब) हर्षवर्धन
(स) चंद्रगुप्त मौर्य (द) समुद्रगुप्त

(iii) महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की महत्वाकांक्षी परियोजना किसके नेतृत्व में प्रारंभ हुई –
(अ) डॉ. बी. आर. अंबेडकर (ब) आचार्य चनालस्वामी
(स) भाट सारथी (द) वी. एस. सुकंथाकर

(iv) किन शासकों को उनके मातृनाम से जाना जाता था –
(अ) गुप्त (ब) मौर्य
(स) सातवाहन (द) शक

(v) सांची का स्तूप कहां स्थित हैं –
(अ) बिहार (ब) कर्नाटक
(स) मध्य प्रदेश (द) महाराष्ट्र

(vi) उत्तराधिकार संघर्ष का प्रत्यक्षदर्शी कौन सा विदेशी यात्री था– यात्री था –
(अ) इब्नबतूता (ब) मनुकी
(स) बर्नियर (द) अल बिरूनी

(vii) इब्नबतूता ने किसे अपना श्रुति लेखक नियुक्त किया –
(अ) इब्न जुजाई (ब) मनुकी
(स) बर्नियर (द) अल बिरूनी

(viii) बंगाल क्षेत्र में भक्ति आंदोलन को लोकप्रिय बनाने वाले संत कौन थे।
(अ) रैदास (ब) गुरु नानक
(स) बासवन्ना (द) चैतन्य महाप्रभु

(ix) शैव मत से संबंधित भक्ति आंदोलन के संत किस नाम से जाने जाते थे –
(अ) नयनार (ब) अलवार
(स) नटराज (द) गौरांग

(x) विजयनगर के शासकों की उपाधि थी –

(अ) नायक (ब) राय

(स) सम्राट (द) रावल

(xi) असम के वे लोग जो जमीन के बदले राजा को सैनिक सेवा देते थे, कहलाते थे –

(अ) नायक (ब) अमीन

(स) पायक (द) सुयूरगल

(xii) आईने अकबरी की रचना किसने की।

(अ) रहीम (ब) चाणक्य

(स) अबुल फजल (द) बाणभट्ट

(xiii) स्थाई बंदोबस्त का जनक कौन था –

(अ) लॉर्ड कॉर्नवालिस (ब) जॉन शोर

(स) मार्टिन बर्ड (द) मुनरो

(xiv) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल की दीवानी..... में प्राप्त हुई थी –

(अ) 1815 ई. (ब) 1757 ई.

(स) 1765 ई. (द) 1858 ई

(xv) यदि आप हंपी पुरातत्व स्थल को देखना चाहते हैं तो आपको निम्न में से किस राज्य की यात्रा करनी पड़ेगी –

(अ) महाराष्ट्र (ब) कर्नाटक

(स) गुजरात (द) आंध्र प्रदेश

(xvi) किस देशी राज्य को कुशासन के आरोप के आधार पर कंपनी राज्य में सम्मिलित किया गया –

(अ) बंगाल (ब) अवध

(स) जौनपुर (द) बिहार

(xvii) किस अमेरिकी पत्रिका ने गांधी जी के बलिदान की तुलना अब्राहम लिंकन के बलिदान से की –

(अ) नेचर (ब) टाइम

(स) इंडियन ऑपिनियन (द) कॉमनवील

(xviii) रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया –

(अ) वाजिद अली शाह (ब) बिरजिस कद्र

(स) लार्ड डलहौजी (द) लार्ड कैनिंग

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो (i) से (vi) –

(अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु .... है।

(ii) अधिकतर राजवंश .... प्रणाली का अनुसरण करते थे।

(iii) इतिहासकार .... ने सांची को वृक्ष और सर्प पूजा का केंद्र माना था।

(iv) .... ने 1342 ईस्वी में विदेशी यात्री इब्नबतूता को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया।

(v) गवर्नर जनरल के प्रतिनिधि को .... कहा जाता था।

(vi) .... के सीमांकन के बाद संथालों की बस्तियां बड़ी तेजी से बढी।

3. अति लघुत्तरात्मक प्रश्न –(अंकभार प्रत्येक 1 अंक) (i) से (xii) निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द दिया एक पंक्ति में दीजिए –

(i) हर्ष चरित की रचना किसने की ?

(ii) मनुस्मृति का संकलन कब हुआ ?

(iii) बौद्ध धर्म की दो प्रमुख शाखाओं के नाम बताइए।

(iv) खालसा पंथ की स्थापना किस सिक्ख गुरु ने की ?

(v) दक्षिण भारत रोमन साम्राज्य के अंतर्गत न होते हुए भी व्यापारिक दृष्टि से रोमन साम्राज्य से संबंधित था। स्पष्ट कीजिए।

(vi) बर्नियर में मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया ?

(vii) कृष्ण देवराय द्वारा तेलुगु भाषा में रचित ग्रंथ का नाम बताइए।

(viii) जजमानी व्यवस्था क्या थी ?

(ix) खुद काश्त और पाहि काश्त में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(x) व्यपगत सिद्धांत/हड़प नीति किस गवर्नर जनरल ने लागू की ?

(xi) साइमन कमीशन को श्वेत कमीशन की संज्ञा क्यों दी जाती है?

(xii) संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसने प्रस्तुत किया ?

खंड – ब

लघु उत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द) (अंकभार प्रत्येक 2 अंक)

4. सिंधु सभ्यता की कृषि प्रौद्योगिकी की दो विशेषताएं बताइए। (2 अंक)

5. अभिलेख आज भी इतिहास जानने के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)

6. गोत्र प्रणाली के दो सिद्धांत बताइए। (2 अंक)

7. उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए/इब्नबतूता ने तत्कालीन भारत की डाक व्यवस्था का वर्णन किस प्रकार किया है ? (2 अंक)

8. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम का क्या महत्व है ? (2 अंक) 9.

शेखावाटी मिशन–100

9. रैयतवाड़ी बंदोबस्त की दो प्रमुख विशेषताएं बताइए। (2अंक)

10. 1857 की क्रांति में विद्रोहियों द्वारा हिंदू – मुस्लिम एकता स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। (2 अंक)

11. बौद्ध दर्शन के अनुसार चार आर्य सत्य कौनसे हैं ? (2 अंक)

12. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929 ई.) का क्या ऐतिहासिक महत्व है ? (2 अंक)

13. संविधान सभा की किन दो अभिलक्षणों पर काफी हद तक सहमति थी ? (2 अंक)

खंड – स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

14. सांची के कौन–कौन से प्रतीक लोक परंपराओं से जुड़े हुए हैं ?

अथवा (3 अंक)

बौद्ध मूर्तिकला में बुद्ध को प्रतीकों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया गया है। स्पष्ट कीजिए। (3 अंक)

15. अंग्रेजों ने भारत के गांव को एक छोटा गणराज्य कहा है। विवेचना कीजिए। (3 अंक)

अथवा

मुगलकाल में भूमि का वर्गीकरण कैसे किया गया ? (3 अंक)

16. 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी? (3 अंक)

अथवा

विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गए?

17. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शो पर जोर दिया गया था?

अथवा (3 अंक)

वे कौनसी ऐतिहासिक ताकतें थी जिन्होंने संविधान का स्वरूप तय किया? (3 अंक)

खण्ड – द

निबंधात्मक प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

18. क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि हड़प्पा सभ्यता के शहरों की जल निकास प्रणाली, नगर–योजना की ओर संकेत करती है ?

अथवा

हड़प्पा सभ्यता की भारतीय संस्कृति को धार्मिक क्षेत्र में प्रमुख देन क्या हैं ? (4 अंक)

19. भक्ति आंदोलन में मीराबाई के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

अथवा (4 अंक)

भक्ति आंदोलन में निर्गुण परंपरा/कबीर – नानक के योगदान का वर्णन कीजिये। / कबीरदास आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं जो सत्य की खोज में रूढ़िवादी, धार्मिक–सामाजिक संस्थाओं, विचारों और व्यवहारों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखते हैं। विश्लेषण कीजिए। (4 अंक)

20. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों का अंकन कीजिए –

(i) कालीबंगन (ii) अजंता

(iii) पाटलिपुत्र (iv) मेरठ (4 अंक)

अथवा

(i) लोथल (ii) सांची

(iii) मंदसौर (iv) अवध (4 अंक)

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन 100 मॉडल प्रश्न पत्र

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026

विषय–इतिहास, कक्षा –12

बहुविकल्पात्मक प्रश्न – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्नपत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं
3. जिन प्रश्नों के आंतरिक खंड हैं उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
4. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खंड – अ

1. बहुचयनात्मक प्रश्नः निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) बाणभट्ट किस शासक के दरबारी कवि थे ?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) बिंबिसार
(स) हर्षवर्धन (स) अशोक

(ii) धर्मशास्त्र के अनुसार विवाह के कितने प्रकार थे?
(अ) चार (ब) छह
(स) आठ (द) दस

(iii) सर्वप्रथम किस सम्राट ने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किए हुए स्तंभों पर लिखवाए थे?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य (ब) हर्षवर्धन
(स) बिंबिसार (द) अशोक

(iv) विशाल महाकाव्य महाभारत में वर्तमान में कितने श्लोक हैं?
(अ) 1 लाख से अधिक (ब) 10 हजार से अधिक
(स) 50 हजार से अधिक (द) 2 लाख से अधिक

(v) सालभंजिका व गजलक्ष्मी की मूर्ति किस स्तूप के तोरणद्वार पर उत्कीर्ण है।
(अ) सांची (ब) अमरावती
(स) पेशावर (द) मथुरा

(vi) मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर किसने कहा था?
(अ) इब्नबतुता (ब) अलबिरुनी
(स) मनूकी (द) फ्रांस्वा बर्नियर

(vii) इब्नबतुता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार थे ?
(अ) 11 (ब) 17
(स) 28 (द) 33

(viii) विष्णु के उपासक क्या कहलाते थे ?
(अ) वीर शैव (ब) जैन
(स) अलवार (द) नयनार

(ix) निम्न में से निर्गुण भक्ति संत कौनसे हैं?
(अ) कबीर (ब) नानक
(स) मीरा (द) अ व ब दोनों

(x) कृष्ण देवराय का संबंध किस वंश से था?
(अ) संगम (ब) सुलुव
(स) तुलुव (द) अराविन्दु

(xi) तालीकोटा का युद्ध कब लड़ा गया था?
(अ) 1465 ई. (ब) 1542 ई.
(स) 1565 ई. (द) 1529 ई.

(xii) आईन–ए–अकबरी की रचना किसने की थी?
(अ) अकबर (ब) अबुल फजल
(स) जहाँगीर (द) बाबर

(xiii) किस शासक के काल में जुती हुई जमीन और जोतने लायक जमीन की नपाई की गई।
(अ) बाबर (ब) अकबर
(स) शाहजहाँ (द) जहाँगीर

(xiv) जोतदार कौन थे?
(अ) गरीब किसान (ब) धनी किसान
(स) जमीदार (द) रैयत

(xv) दामीन–ए–कोह का क्षेत्र किस जनजाति से संबंधित था ?
(अ) संथाल (ब) पहाड़िया
(स) भील (द) गरासिया

(xvi) रियासत में गवर्नर जनरल का प्रतिनिधि क्या कहलाता था ?
(अ) गर्वनर (ब) रेजीडेंट
(स) नवाब (द) दीवान

(xvii) सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है?
(अ) लार्ड डलहोजी (ब) लार्ड केनिंग
(स) लार्ड वेलेजली (द) लार्ड रिपन

(xviii) नमक सत्याग्रह के समय भारत के वायसराय कौन थे ?
(अ) लार्ड बेवेल (ब) लार्ड इरविन
(स) माउंट बेटन (द) लार्ड कर्जन

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः–(अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) काँसे की नृतकी .... से मिली है।
(ii) महाश्वेता देवी की लघुकथा का शीर्षक .... है।
(iii) बर्नियर ने .... प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना ।
(iv) सूफियों ने लंबी कविताएँ .... लिखी ।
(v) समकालीन लोग विजयनगर साम्राज्य को .... नाम से पुकारते थे।
(vi) .... बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था।

3. अति लघुतरात्मक प्रश्नः निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द

शेखावाटी मिशन–100

अथवा अंक पंक्ति में दीजिए। (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) अर्थशास्त्र का रचियता कौन था ?

(ii) मनुस्मृति की रचना कब व किस काल में हुई ?

(iii) लगभग 5 वी शताब्दी ईसवीं के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख मिलता है।

(iv) बुद्ध के बचपन का नाम क्या था ?

(v) इब्नबतुता ने किन दो भारतीय शहरों का वर्णन किया? नाम लिखिए।

(vi) हम्पी की खोज कब और किसने की?

(vii) मुगलकालीन ग्रामीण समाज के बारे में जानने के कोई दो स्रोतों के नाम लिखिए।

(viii) इस्तमरारी बन्दोबस्त कब और कहाँ लागू किया गया ?

(ix) संथाल विद्रोह कब और किसके नेतृत्व में हुआ?

(x) राज्य हड़प नीति किसकी थी?

(xi) गांधी जी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे ?

(xii) संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?

खंड – ब

लघुतरात्मक प्रश्नः (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)
(अंकभार प्रत्येक 2 अंक)

4. हड़प्पाकालीन कृषि प्रौद्योगिकी की कोई दो विशेषताएँ बताइए

5. मगध के शक्तिशाली महाजनपद बनने के कोई दो कारण बताइये।

6. पितृवंशिता और मातृवंशिकता में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

7. नैतिकवाद और भौतिकवाद में अन्तर बताइये।

8. इब्नबतुता भारतीय डाक प्रणाली देखकर क्यों चकित हुआ, उल्लेख कीजिए।

9. अमरनायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक राजनैतिक खोज थी स्पष्ट कीजिए।

10. दामिन–ए–कोह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

11. 'ये गिलास फल एक दिन हमारे मुँह में आकर गिरेगा' उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा गया।

12. चौरी–चौरा कांड से आप क्या समझते हैं?

13. संविधान में केंद्र को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या प्रावधान किए गए, कोई दो प्रावधान लिखिए।

खंड–स

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)
(अंकभार प्रत्येक 3 अंक)

14. किसानों से जमींदारों के रिश्तों में पारस्परिकता, पैतृकवाद और सरंक्षण का पुट था। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आईन से सूबों के नीचे की इकाई सरकारों के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

15. सांची के स्तूप की लोककला पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

पौराणिक हिंदू धर्म के उदय का उल्लेख करते हुए मंदिर परम्परा के विकास के माध्यम से इसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

16. संविधान सभा के ऐसे दो महत्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमती थी।

अथवा

संविधान सभा में हुई चर्चाएं जनमत से कैसे प्रभावित होती थी? स्पष्ट कीजिए।

17. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) गोलमेज सम्मेलन (ii) खिलाफत आंदोलन

(iii) असहयोग आंदोलन

अथवा

आप किस आधार पर कह सकते हैं कि भारत छोड़ो आंदोलन गांधीजी द्वारा देश को आजाद करवाने के प्रयासों में से एक सफल प्रयास था। विवेचना कीजिए।

खंड–द

निम्बन्धात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

18. हडप्पा सभ्यता में धार्मिक मान्यताओं की पुष्टि हुई है, विवेचना कीजिए। (4)

अथवा

सिंधु सभ्यता में सामाजिक भिन्नताओं के अवलोकन में शवाधान प्रक्रिया एवं विलासिता की वस्तुओं की खोज महत्वपूर्ण साधन थे। वर्णन कीजिए।

19. ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह का विवेचन कीजिए । (4)

अथवा

बाबा गुरुनानक का जीवन एवं शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

20. भारत के रेखा– मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए (1+1+1+1=4)

(i) अंबाला (ii) मिताथल

(iii) मास्की (iv) माडा

अथवा

भारत के रेखा– मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए। (1+1+1+1=4)

(i) दैमाबाद (ii) कलिंग

(iii) मथुरा (iv) इद्रप्रस्थ

शेखावाटी मिशन–100

मानचित्र कार्य

N
300 km
200 mi
© d-maps.com
प्रमुख सैन्धव पुरास्थल
हड़प्पा
बनावली
कालीबंगा
राखीगढ़ी
मोहनजोदड़ो
कोटदीजी
चन्हुदड़ो
धौलावीरा
लोथल
नागेश्वर

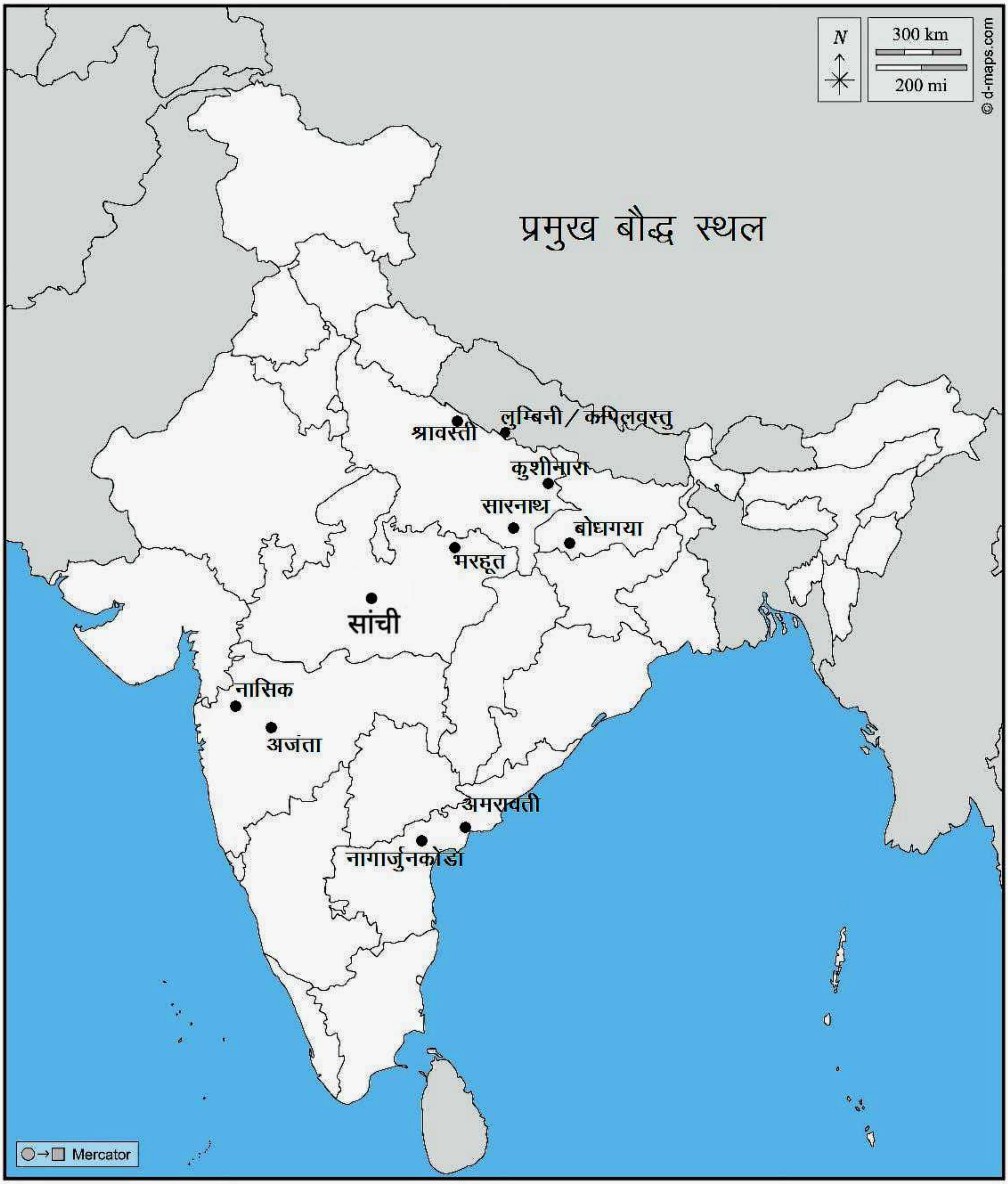
प्रमुख बौद्ध स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
श्रावस्ती
लुम्बिनी / कपिलवस्तु
कुशीनारा
सारनाथ
बोधगया
भरहूत
सांची
नासिक
अजंता
अमरावती
नागार्जुनकोंडा
Mercator

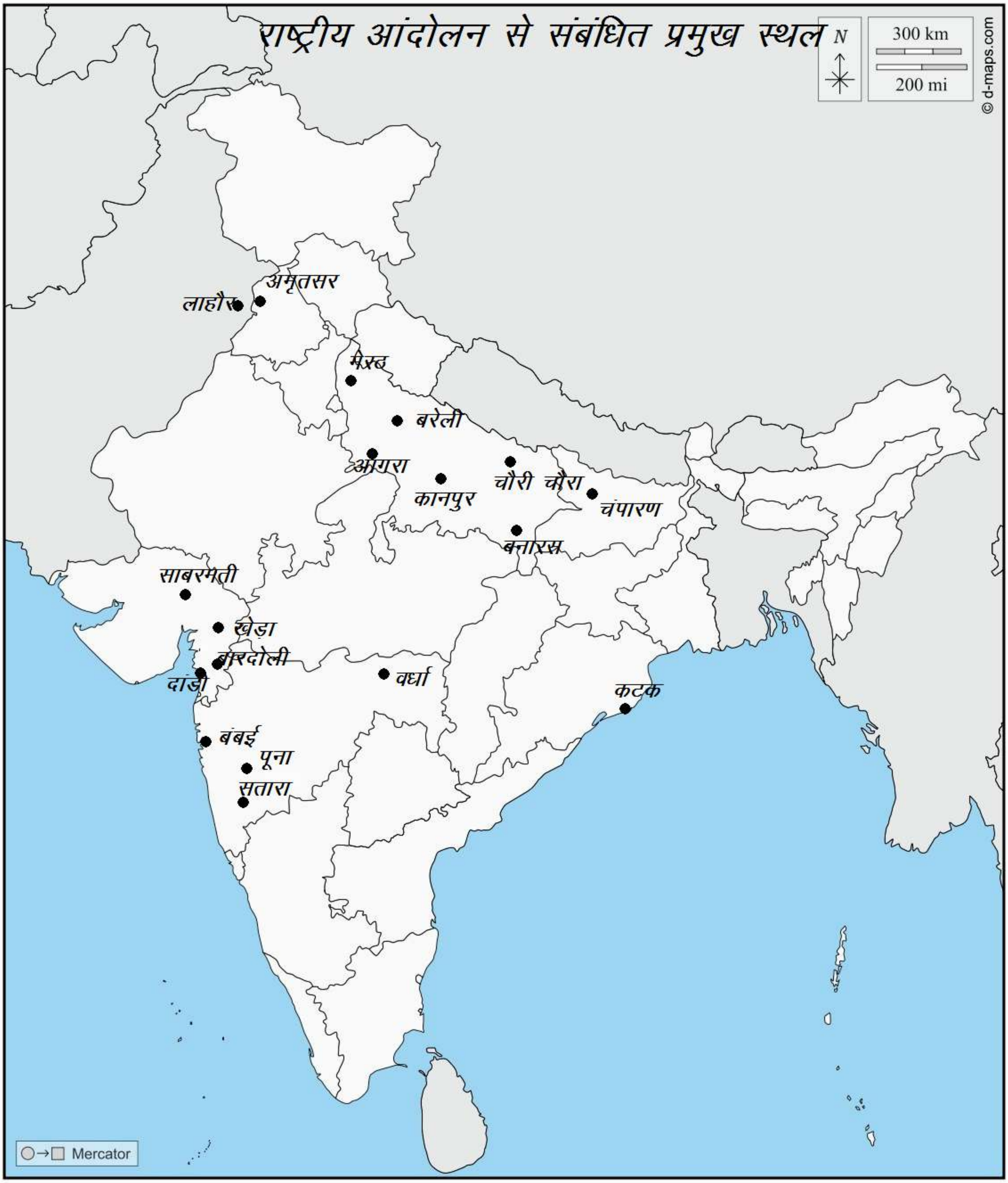
राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित प्रमुख स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
अमृतसर
लाहौर
मेरठ
बरेली
आगरा
कानपुर
चौरी चौरा
चंपारण
बनारस
साबरमती
खेड़ा
बारदोली
दांडी
वर्धा
कटक
बंबई
पूना
सतारा
Mercator

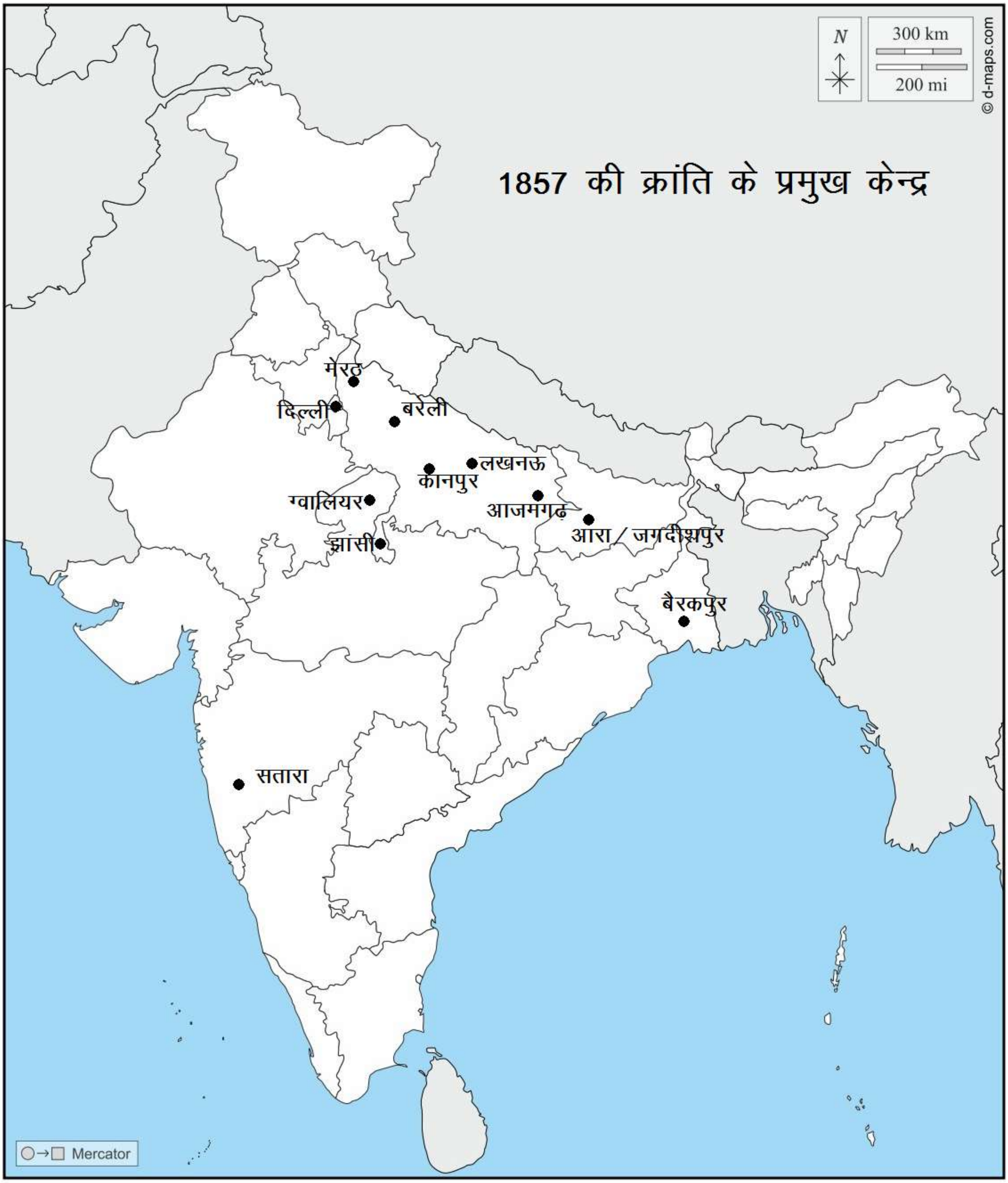

1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
मेरठ
दिल्ली
बरेली
लखनऊ
कानपुर
ग्वालियर
आजमगढ़
आरा / जगदीशपुर
झांसी
बैरकपुर
सतारा
Mercator

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
तक्षशिला
पानीपत
मथुरा
आमेर
फतेहपुर सीकरी
अजमेर
इलाहबाद
पाटलीपुत्र
बर्धमान
कलकत्ता
मंदसौर
सूरत
बम्बई
मद्रास / चेन्नई
Mercator

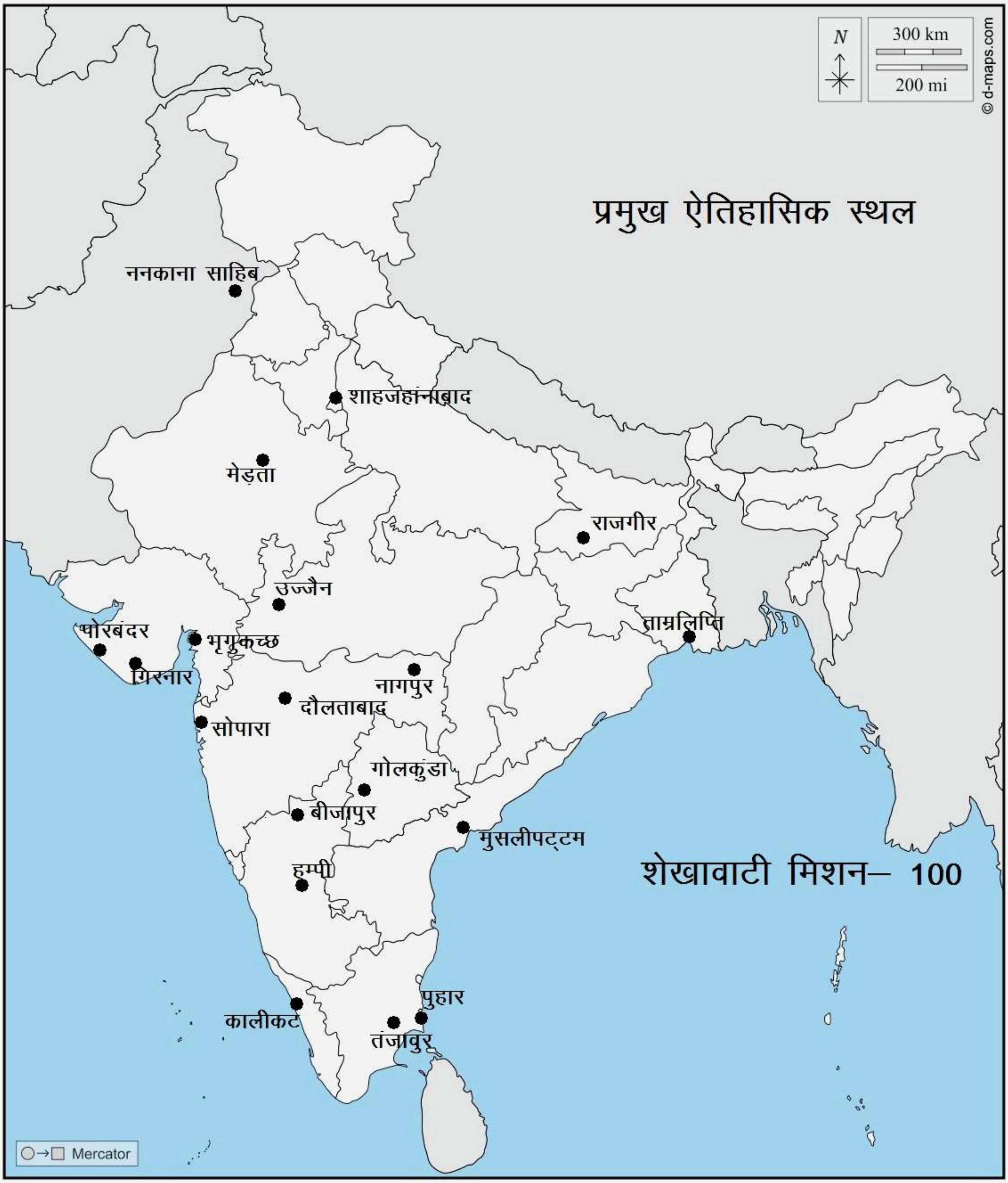

N
300 km
200 mi
© d-maps.com
प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
ननकाना साहिब
शाहजहांनाबाद
मेड़ता
राजगीर
उज्जैन
ताम्रलिप्ति
पोरबंदर
भृगुकच्छ
गिरनार
नागपुर
दौलताबाद
सोपारा
गोलकुंडा
बीजापुर
मुसलीपट्टम
शेखावाटी मिशन– 100
हम्पी
पुहार
कालीकट
तंजावुर
Mercator

महाजनपद

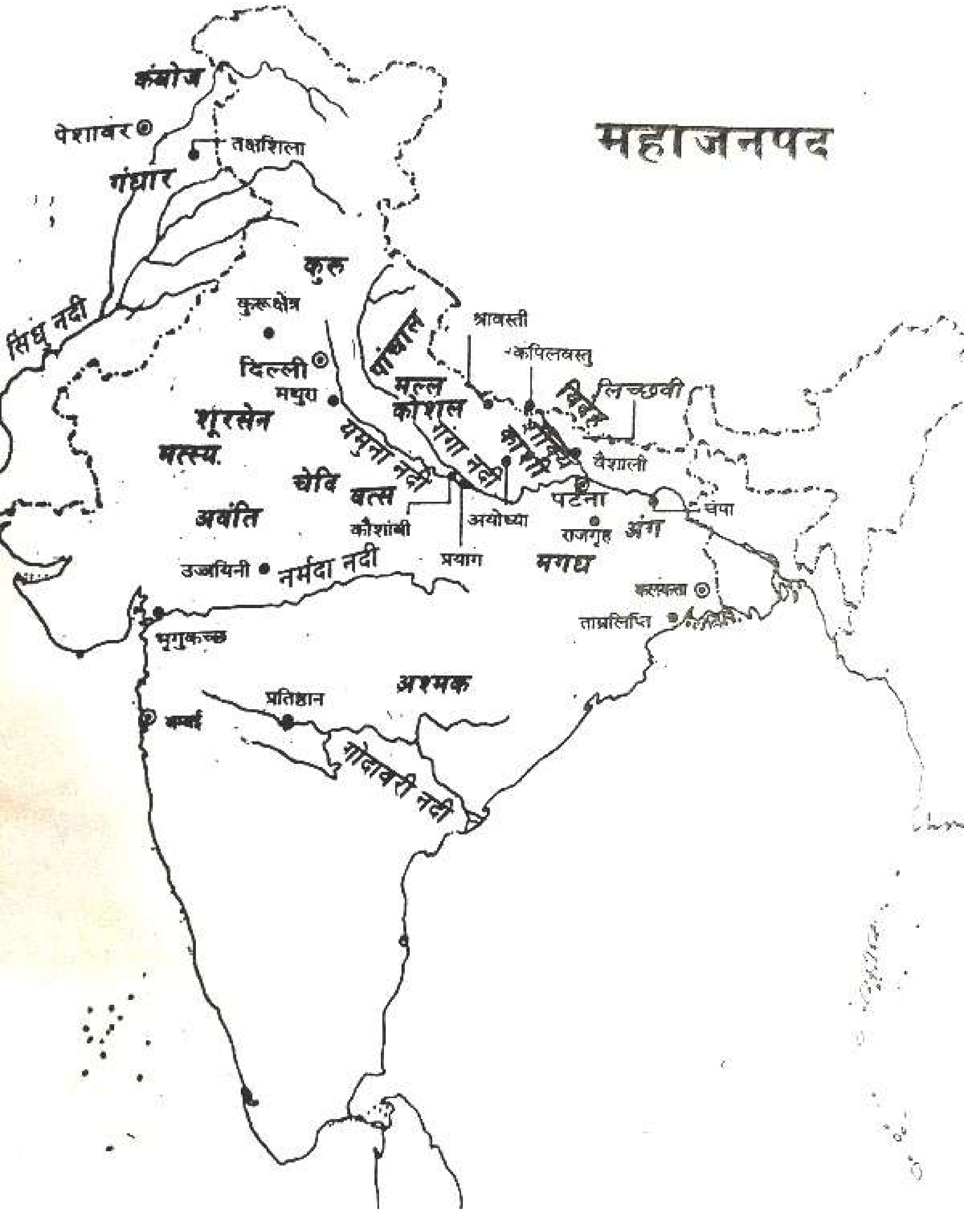
कंबोज
पेशावर
तक्षशिला
गंधार
सिंधु नदी
कुरु
कुरुक्षेत्र
दिल्ली
मथुरा
शूरसेन
मत्स्य
पांचाल
श्रावस्ती
कपिलवस्तु
मल्ल
कोशल
लिच्छवी
यमुना नदी
गंगा नदी
काशी
वैशाली
चेदि
वत्स
पटना
चंपा
अवंति
कौशांबी
अयोध्या
राजगृह
अंग
प्रयाग
मगध
उज्जयिनी
नर्मदा नदी
ताम्रलिप्ति
भृगुकच्छ
अश्मक
प्रतिष्ठान
गोदावरी नदी